श्री शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 113 | गुवाहाटी | रविवार, 19 नवंबर, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

असम की मुक्केबाज बर्नाली सैकिया नाइजीरियाई कैद से सुरक्षित लौटी — पेज 3
कांग्रेस और जादूगर को राजस्थान की जनता 3 दिसंबर को करेगी छूमंतर : नरेंद्र मोदी — पेज 4
8 माह बाद भी जमीन पर नहीं आया कोई प्रसाव, सीएम ने दिए समीक्षा के आदेश — पेज 5
भरतपुर और नागौर में कांग्रेस पर बरसे प्रधानमंत्री — पेज 8

मैं खुल कर हिंदू के लिए राजनीति करता हूं : हिमंत

नई दिल्ली /गुवाहाटी (एजे /हि.स.)। राजस्थान में विधानसभा चुनाव के लिए 25 नवंबर को वोटिंग होगी। इस बीच सभी राजनीतिक दल चुनाव प्रचार में व्यस्त हैं। भाजपा ने अपने बड़े नेताओं को मैदान में उतार दिया है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा भी लगातार राजस्थान में जनसभाएं कर रहे हैं। इस दौरान उन्होंने शनिवार को एक बड़ा बयान दिया। पत्रकारों से बातचीत करते हुए हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि मैं खुलकर हिंदू की राजनीति करता हूं। इस पर दिक्कत क्या है? इस देश में हिंदू का मतत्रब है सबका साथ सबका विकास, सर्व धर्म समभाव। हिंदू भारतीय हैं तो हिंदू की राजनीति करने में क्या दिक्कत है? हम हिंदू हैं और हिंदू ही रहेंगे। राजस्थान के प्रतापगढ़ में जनसभा को संबोधित करते हुए हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि राजस्थान को वैज्ञानिक तरीके से लूट गया। हम अगर अर्थव्यवस्था की तुलना करें तो राजस्थान में पेट्रोल 110 रुपए है जबकि यूपी और असम में 98 रुपए के आसपास है। जबकि प्रियंका गांधी यहां पर आती है और कहती हैं कि बह गरीबों के साथ हैं। राजस्थान में हिमंत विश्व शर्मा ने एक बार फिर से मदरसों को बंद करने की बात कही। उन्होंने कहा कि सरकार से पैसा हासिल करने वाले मदरसों को बंद करना चाहिए। अगर कोई इसे अलग से चलता है तो यह एक अलग मुद्दा है। लेकिन मदरसों को सरकारी पैसा नहीं मिलना चाहिए। मदरसों को विनयमित करना चाहिए ताकि यहां पर छात्रों को शिक्षा के अधिकार की सभी -शेष पृष्ठ दो पर

हाईकमान को खुश करने के लिए ज्यादा बोल रहे हैं हिमंत : गहलोत

जयपुर। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा भाजपा हाईकमान को खुश करने के लिए जरूरत से ज्यादा बोल रहे हैं। उनको कोई लाइक नहीं कर रहा है। यह कहना है राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का। गोहलोत ने कहा कि अभी वे इस तरह के बयान देकर भाजपा हाईकमान की शर्त को पूरा कर रहे हैं। वे भाजपा हाईकमान के प्रति अपनी वफादारी निभा रहे हैं। ऐसा बोल कर वे दिखाना चाहते हैं कि वे भाजपा कैडर से कम नहीं है। चुनाव में राज्य सरकार के काम पर वोट मांगना चाहिए। हमने जो 5 साल में काम किया है उस पर बहस होना चाहिए। राजस्थान में लोग भाजपा पर हंस रहे हैं। भाजपा के बाहर के नेता आकर अलग से बात करते हैं। चुनावी रैली को संबोधित करते हुए शर्मा ने प्रियंका गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि अगर मैं भारत में हिंदू के लिए दो शब्द नहीं बोलूंगा तो क्या बाबर और औरंगजेब के लिए बोलूंगा? भारत में हिंदू के हित का मतलब क्या है? हिंदू कहता है कि पूरा विश्व मेरा कुटुम्ब है। अगर आप ऐसी संस्कृति का जयगान नहीं करोगे तो किसका जयगान करोगे? आप प्रियंका गांधी को बोलिए कि जब तक -शेष पृष्ठ दो पर

पीएम मोदी के हस्तक्षेप से ही मणिपुर में होगी शांति बहाल

दस सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल से किया शांति वार्ता करने का आग्रह

इंफाल। मणिपुर में जारी हिंसा के बीच 10-सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल अनुसुइया उइके से युद्धरत समुदायों के बीच शांति वार्ता शुरू करने का आग्रह किया है। राजभवन द्वारा जारी एक बयान में इसकी जानकारी दी गई है। कांग्रेस विधायक दल के नेता और पूर्व मुख्यमंत्री ओ इबोबी सिंह के नेतृत्व में टीम ने शुक्रवार (17 नवंबर) शाम राज्यपाल को एक ज्ञापन सौंपा। उन्होंने कहा कि केंद्र, खासकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हस्तक्षेप के बिना राज्य में शांति बहाल नहीं की जा सकती। बयान में कहा गया है कि उन्होंने दोनों समुदायों के साथ शांति वार्ता तत्काल शुरू करने की मांग की ताकि चल रहे संघर्ष का एक स्थायी समाधान प्राप्त किया जा सके। मणिपुर में कुकी-जो जनजातियों के अग्रणी संगठन आईटीएलएफ ने बुधवार को उन क्षेत्रों में स्व-शासित अलग -शेष पृष्ठ दो पर

अजमल लव जिहाद के प्रतीक : पीयूष

गुवाहाटी (हि.स.)। राज्य के सूचना जनसंपर्क आदि मामलों के मंत्री पीयूष हजारिका ने कहा है कि बदरुद्दीन अजमल लव जिहाद, चोरी, डकैती से लेकर तमाम गलत कार्यों के प्रतीक हैं। उन्होंने आज यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि इस प्रकार के गलत कार्य करने वालों के जो समूह हैं उसका प्रतिनिधित्व बदरुद्दीन अजमल करते हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा का बदरुद्दीन अजमल से कोई संपर्क नहीं है। अजमल पूरब तो मुख्यमंत्री पश्चिम हैं। उन्होंने कहा कि बीते चुनाव में कांग्रेस का बदरुद्दीन अजमल के साथ प्रत्यक्ष गठबंधन था। उन पापों से परित्राण के लिए कांग्रेस के नेता उलूल-जुलूल बातें किया करते हैं। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के अंदर ही नगांव सीट को लेकर घमासान होने वाला है। बल्कि, यूं कहिए कि अभी से घमासान शुरू हो चुका है। नगांव में -शेष पृष्ठ दो पर

अरुणाचल में भूस्खलन आध्यात्मिक गुरु सहित चार की मौत

इटानगर। अरुणाचल प्रदेश के कमले जिले में एक वाहन भूस्खलन की चपेट में आ गया। इस हादसे में वाहन में सवार एक आध्यामिक गुरु और उनके तीन सहयोगियों की मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, शुक्रवार को ट्रांस अरुणाचल राजमार्ग पर यह हादसा हुआ। पुलिस अधीक्षक थुतन जंबा ने बताया कि यह हादसा जिले में निर्माणाधीन ट्रांस अरुणाचल राजमार्ग पर शुक्रवार को हुआ। जिसमें आध्यात्मिक गुरु क्रिस्टोफर हेम्ब्रम की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि आध्यात्मिक गुरु पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी, जबकि उनके सहयोगी असम के रहने वाले थे। यह तमाम लोग सुबानसिरी जिले के डुम्पोरिजो -शेष पृष्ठ दो पर

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path, ABC, G.S. Road, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

क्रिकेट विश्व कप फाइनल के मद्देनजर किसी भी चुनौती से निपटने के लिए तैयार : पुलिस आयुक्त

अहमदाबाद (हि.स.)। अहमदाबाद के मोटेरा स्थित नरेंद्र मोदी स्टेडियम में वर्ल्ड कप क्रिकेट का फाइनल मैच होने में अब कुछ घंटों का फासला बचा है। देश-विदेश के तमाम वीवीआईपी लोगों के यहां पहुंचने के बीच अहमदाबाद पुलिस के समक्ष सुरक्षा व्यवस्था को लेकर बड़ी चुनौती है। इस मामले में अहमदाबाद पुलिस आयुक्त जीएस मलिक का कहना है कि गुजरात पुलिस समेत अन्य सभी सुरक्षा एजेंसियों के साथ हम हर तरह की चुनौती से निपटने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच रविवार को होने क्रिकेट वर्ल्ड कप फाइनल मैच को लेकर पुलिस-प्रशासन ने चाक-चौबंद सुरक्षा व्यवस्था की है। स्टेडियम के अंदर और बाहर तीन लेयर का बंदोबस्त किया गया है। पुलिस ने सभी तरह की एहतियात बरतते हुए नरेंद्र मोदी स्टेडियम के अंदर ही कंट्रोल रूम भी बनाया है। स्टेडियम के अंदर आरएएफ की टुकड़ी भी तैनात करने की जानकारी पुलिस आयुक्त जीएस मलिक ने दी है। आयुक्त ने बताया कि फाइनल मैच में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, ऑस्ट्रेलिया के उप प्रधानमंत्री रिचर्ड मार्ल्स आने वाले हैं। इसके अलावा देश के 8 राज्यों के मुख्यमंत्री -शेष पृष्ठ दो पर

छठ : बाजार में खरीददारों की उमड़ी भीड़, संध्या अर्घ्य आज

अररिया (हि.स.)। प्रकृति प्रदत्त समानों से मनाया जाने वाला लोक आस्था और सूर्योपासना का महापर्व छठ का बाजार सज गया है। छठ के पूजन सामग्री और फलों से बाजार पट गया है और खरीददारों को भारी भीड़ उमड़ रही है। हालांकि पिछले अन्य वर्षों के तुलना में इस साल पूजन सामग्री की कीमत आसमान छू रही है। बावजूद इसके महंगाई पर आस्था भारी पड़ रहा है। महंगाई के बावजूद श्रद्धालु फल, सूप, ढाकी,पूजन सामग्री की खरीददारी कर रहे हैं। अररिया का चांदनी चौक, फारबिसगंज का फैंसी मार्केट, फुलवड़िया हाट छठ के समानों से सज गया है। जहां छठ के पारंपरिक लोक गीत फिजा में अलग ही मिठास घोल रही है। खरीददारों की उमड़ी भीड़ के कारण ट्रैफिक व्यवस्था पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। भारी भीड़ के कारण जाम से रास्ते से गुजरने वाले राहगीर परेशान हैं। भारी ट्रैफिक को देखते हुए अररिया एसपी अशोक कुमार सिंह के निर्देश पर भीड़ भाड़ वाले -शेष पृष्ठ दो पर

राष्ट्रपति ने दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार को छठ पूजा के अवसर पर देशवासियों को शुभकामनाएं भेजी हैं। राष्ट्रपति ने अपने शुभकामना संदेश में कहा है कि छठ पूजा के शुभ अवसर पर, मैं अपने सभी साथी नागरिकों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देती हूं। उन्होंने कहा है कि छठ पूजा सूर्य देव की पूजा को समर्पित त्योहार है। यह नदियों, तालाबों और पानी के अन्य स्रोतों के प्रति श्रद्धा और कृतज्ञता व्यक्त करने का भी अवसर है। प्रकृति से जुड़ा यह त्योहार आध्यात्मिक चेतना जगाता -शेष पृष्ठ दो पर

Door graphy
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

ज्ञानवापी का सर्वे पूरा, 28 को एएसआई सौंपेगी रिपोर्ट

लखनऊ। वाराणसी जिला अदालत ने शनिवार को भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) को ज्ञानवापी मस्जिद परिसर की वैज्ञानिक सर्वेक्षण रिपोर्ट जमा करने के लिए 10 और दिन का समय दिया। एएसआई को पहले रिपोर्ट सौंपने के लिए 17 नवंबर तक का समय दिया गया था लेकिन शुक्रवार को उसके वकील ने अदालत से 15 दिन और मांगे। हिंदू पक्ष के वकील मदन मोहन यादव के मुताबिक, तकनीकी रिपोर्ट नहीं आने के कारण एएसआई ने और समय मांगा है। मामले की सुनवाई करते हुए जिला न्यायाधीश एके विश्वेश ने एएसआई को 28 नवंबर तक अपनी रिपोर्ट सौंपने को कहा। 2 नवंबर को एएसआई ने -शेष पृष्ठ दो पर

राष्ट्रपति ने उठाया डीप-फेक समस्या का मुद्दा, कहा-

पुलिस को तकनीक में अपडेट रहने की है जरूरत

नई दिल्ली। अपराधियों द्वारा जनरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के इस्तेमाल और डीप-फेक की समस्या पर देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने भी गंभीरता दिखाई। इस दौरान उन्होंने शनिवार को कहा कि पुलिस अधिकारियों को प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हमेशा अपडेट रहना होगा। मिली जानकारी के अनुसार, यहां राष्ट्रपति भवन में उनसे मुलाकात करने आए 2022 बैच के भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) परिवीक्षाधीन अधिकारियों के एक समूह को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि पुलिस बलों के सामने साइबर अपराध, ड्रग -शेष पृष्ठ दो पर

भिंड में कांग्रेस कार्यकर्ता के घर दबंगों ने लगाई आग

भिंड। जिले के अटेर विधानसभा के बरोही थाना अंतर्गत डोगरपुरा में रात्रि में कांग्रेस कार्यकर्ता दलित परिवार के घर में कुछ दबंगों ने रात्रि में आग लगा दी थी। जिसमें लाखों रुपए का नुकसान हो गया था दलित पीड़ित परिवार का ट्रैक्टर भी जलकर पूरा खाक हो गया उसके घर में रखा सामान पूरी तरह से खराब हो गया था वहीं मौके पर फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पाया था। रात्रि से ही दलित पीड़ित परिवार न्याय की गुहार बरोही थाने में लगा रहा है और अभी तक धरना प्रदर्शन पर थाने में बैठा -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

अज्ञानी होना उतनी शर्म की बात नहीं हैं, जितना की सीखने की इच्छा न रखना।

– अज्ञात

न्यूज गैलरी

कनाडा के इतिहास की सबसे बड़ी ड्रग खेप बरामद, सात गिरफ्तार

टोरंटो। कनाडा की टोरंटो पुलिस ने इतिहास में अब तक की सबसे बड़ी नशीली दवाओं की खेप बरामद की है। टोरंटो पुलिस का कहना है कि जीटीए में सक्रिय नशीली दवाओं की तस्करी नेटवर्क की जांच के परिणामस्वरूप 7 गिरफ्तारियां हुई हैं और क्रिस्टल मेथामफेटामाइन और पाउडर कोकीन की एक बड़ी खेप जब्त की गई है। इस मामले में कई पंजाबी भी फंसने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस ने कहा कि प्रोजेक्ट फिनिटो के तहत 3.5 -शेष पृष्ठ दो पर

खान यूनिस में गरजीं इजराइल की मिसाइलें, 26 की मौत

तेल अवीव/यरुशलम (हि.स.)। गाजा पट्टी में फिलिस्तीन के आतंकवादी संगठन हमास और इजराइल के बीच छिड़े युद्ध के 43वें दिन आज (शनिवार) भी घमासान मचा हुआ है। इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) हमास के ठिकानों पर ताबड़तोड़ हमले कर रही है। इस बीच इजराइल की सेना ने दक्षिणी गाजा के खान यूनिस शहर पर मिसाइलें दागी हैं। इस हमले में 26 फिलिस्तीनी मारे गए हैं। इनमें अधिकांश बच्चे हैं। इजराइल का कहना है कि यहां के लोगों को खान यूनिस को खाली करने की अग्रिम चेतावनी दी गई थी। इसके बाद हमास के ठिकानों पर मिसाइल अटैक किया गया। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार इजराइल की थल सेना ने मोर्चा संभालते हुए हमास के ठिकानों को चुन-चुनकर निशाना बनाना शुरू कर दिया है। खान यूनिस पर ताबड़तोड़ मिसाइलें दागी गई हैं। इजराइली सेना ने हमले से पहले लोगों को खान यूनिस को खाली करने की चेतावनी दी थी। आईडीएफ ने कहा था कि अगर इस शहर को खाली नहीं किया गया तो -शेष पृष्ठ दो पर

सीतामढ़ी : संदिग्ध परिस्थितियों में पांच लोगों की मौत

बाजपट्टी (सीतामढ़ी)। बाजपट्टी थाना क्षेत्र के महुआइन गांव में पांच लोगों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला प्रकाश में आया है। एक को गंभीर हालत में सीतामढ़ी शहर के एक निजी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। सभी लोगों की जहरीली शराब पीने से मौत की आशंका से इलाके में हड़कंप मचा हुआ है। सूचना पर एसपी मनोज कुमार तिवारी खुद भी बाजपट्टी पहुंचे और छानबीन कराई। गांव से दो लोगों के पास से भारी मात्रा में नेपाली सोफी शराब बरामद की गई। शराब के धंधेबाजों श्याम नंदन सहनी और सैनी सहनी को गिरफ्तार कर लिया गया है। एसपी के आदेश पर इलाके के एक चौकीदार राम एकबाल राय व पुलिस अवर निरीक्षक अरुण गुप्ता को सस्पेंड कर दिया गया। इस कार्रवाई के बाद भी एसपी ने शराब पीने से मौत की पुष्टि करने से इनकार कर दिया। उन्होंने साफ कहा कि मौत के कारणों की जांच कराई जा रही है। एसपी ने कहा कि एक व्यक्ति के शव का उन्होंने पोस्टमार्टम कराकर चेक कराया है, उसमें मौत के कारण संदिग्ध बताए गए हैं। घटना की सूचना के बाद -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc.
ARTCLE WORLD, S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01,
Ph. : 94350-48866, 94018-06952

वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम पर होगी करोड़ों की बरसात

अहमदाबाद। टीम इंडिया और ऑस्ट्रेलिया के बीच रविवार 19 नवंबर को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले जाने वाले विश्व कप 2023 का फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। दोनों टीम फाइनल मुकाबला खेलने के लिए तैयार है। एक दूसरे की रणनीती को तोड़ने के लिए दोनों ही टीमें मैदान में उतरेंगी। ऐसे में भारतीय फैंस जीत की पूरी उम्मीद लगाए बैठे है। वहीं आपको बता दें कि फाइनल में पहुंचनी वाली दोनों ये टीमें जल्द मालामाल होने वाली है। बता दें कि जहां जीतने वाली टीम पर करोड़ों की बरसात होगी वहीं हारने वाली टीम भी मालामाल होगी। आइए जानते हैं कि फाइनल मुकाबला जीतने और हारने वाली टीम को कितने

पैसे मिलते हैं। विश्व कप 2023 में भारत और ऑस्ट्रेलिया दोनों टीम पर जमकर पैसों की बरसात होने वाली है। जीतने वाली टीम को 33 करोड़ रुपए का चेक दिया जाएगा। वहीं हारने वाली टीम को 16.65 करोड़ रुपए दिए जाएंगे। इतना ही नहीं आईसीसी के द्वारा सेमीफाइनल हारने वाली टीमों को 8-8 लाख डॉलर दिए जाएंगे। ग्रुप स्टेज से बाहर होने वाली टीमों को एक-एक लाख डॉलर दिया जाएगा। वहीं हर मैच के हिसाब से 40 हजार डॉलर दिए जाएंगे। इस तरह सेमीफाइनल की रेस में आई न्यूजीलैंड और साउथ अफ्रीका को भी मोटी रकम मिलेगी। न्यूजीलैंड लीग स्टेज पर 5 पांच जीते और सेमीफाइनल भारत के साथ खेला। वहीं साउथ अफ्रीका ने 9 मैच में से 7 जीते, हालांकि ऑस्ट्रेलिया से अफ्रीका को हार का सामना करना पड़ा। इस हिसाब से न्यूजीलैंड को ग्रुप स्टेज के पांच मैच के लिए 40 हजार डॉलर, और सेमीफाइनल खेलने के लिए 8 लाख डॉलर मिलेगा।

भारतीय टीम की जीत के लिए महाकालेश्वर मंदिर में अनुष्ठान

उज्जैन (हि.स.)। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच रविवार, 19 नवंबर को होने वाले आईसीसी क्रिकेट विश्व कप 2023 का फाइनल मुकाबला अहमदाबाद में खेला जाएगा। इस मुकाबले में भारतीय टीम की जीत के लिए मप्र की धर्मनगरी उज्जैन में अनुष्ठान शुरू हो गए हैं। यहां विश्व प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग भगवान महाकालेश्वर मंदिर के गर्भगृह में शनिवार को भारतीय टीम के खिलाड़ियों की तस्वीर रखकर विजय का विशेष अनुष्ठान किया गया। वहीं, भैरवगढ़ रोड स्थित बगलामुखी धाम पर भी पीर योगी महंत रामनाथ महाराज के द्वारा 51 पंडितों की विशेष उपस्थिति में मिर्ची यज्ञ किया गया। विश्व कप के फाइनल मैच में भारतीय टीम की जीत हो, इसके लिए देशभर के लोग दुआएं कर रहे हैं। इसी सिलसिले में महाकालेश्वर मंदिर में पंडित जितेंद्र पुजारी के द्वारा यहां शनिवार को एक विशेष विजय अनुष्ठान किया गया। इस दौरान खिलाड़ियों की तस्वीर बाबा महाकाल के शिवलिंग के पास रखी गई और पूजन के दौरान सभी खिलाड़ियों को तिलक लगाया गया। पंडित जितेंद्र पुजारी ने बताया कि विशेष मंत्रोच्चार के साथ भारतीय टीम को विश्व कप में विजयश्री मिले, इसीलिए विशेष अनुष्ठान किया गया। इस अनुष्ठान में महामृत्युंजय के मंत्रों का जाप किया गया था और बाबा महाकाल से यही कामना की गई कि भारतीय टीम के खिलाड़ी कल अधिक से अधिक रन बनाएं और विश्व कप जीतकर देश का नाम पूरे विश्व में रोशन करें।

आतंकवादी संगठनों के लिए लोगों की भर्ती को आतंकवादी कृत्य माना जाएगा-डीजीपी

श्रीनगर (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर के डीजीपी आरआर स्वैन ने शनिवार को कहा कि आतंकवादी संगठनों के लिए लोगों की भर्ती को आतंकवादी कृत्य माना जाएगा। उन्होंने कहा कि कानून प्रवर्तन एजेंसियां आतंकवादी समूहों के लिए भर्ती में शामिल लोगों के साथ-साथ मादक पदार्थों के डीलरों और तस्करों पर भी कार्रवाई कर रही हैं। डीजीपी आरआर स्वैन ने श्रीनगर पुलिस मुख्यालय में डीजीपी की सार्वजनिक शिकायत निवारण बैठक के बाद संवाददाताओं से कहा कि भर्ती के प्रत्येक कृत्य को आतंकवादी कृत्य माना जाएगा। जो लोग किसी युवा को आतंकवादी रैंकों में शामिल होने के लिए उकसाते हैं या मदद करते हैं, वे अधिक नहीं तो समान रूप से उत्तरदायी होंगे। प्रेरित करने और भर्ती करने वाले लोगों के खिलाफ निरंतर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि युवाओं को भड़काने के लिए अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के पीछे छुपने वाले लेखकों के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी और सुरक्षा एजेंसियों का उद्देश्य यह है कि आतंकवादी रैंकों में बिल्कुल भी भर्ती नहीं होनी चाहिए। डीजीपी ने कहा कि अगर कोई आतंकवादी रैंक में शामिल हो गया है तो पुलिस उसके माता-पिता, दोस्तों और शिक्षकों और मस्जिद समितियों के माध्यम से इसके बारे में जानने की कोशिश करती है। उन्होंने कहा कि यह अकेले पुलिस का काम नहीं है। सामुदायिक प्रयास हो तो जान बचाई जा सकती है। हमारा प्रयास दूसरी तरफ बैठे आकाओं को खत्म करने का होगा। वे पैसे का इस्तेमाल करते हैं और युवाओं को (आतंकवादी) रैंक में शामिल होने के लिए उकसाते हैं। इसके खिलाफ एक योजनाबद्ध और निरंतर लड़ाई की जरूरत है और हम यह करेंगे। नियंत्रण रेखा के पार से हो रही नशीले पदार्थों की तस्करी पर चिंता व्यक्त करते हुए डीजीपी ने कहा कि कानून प्रवर्तन एजेंसियों की ताकत को *थोक* डीलरों को लक्षित करने के लिए जोड़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि हम बड़ी मछली के पीछे जाएंगे। उन्होंने कहा कि हम इन थोक डीलरों के खिलाफ ईडी, आईटी, एनआईए, एसआईए और जिला पुलिस जैसी सभी एजेंसियों की शक्ति को समाहित करेंगे। हम ऐसी स्थिति नहीं बनाना चाहते जहां इन लोगों की समृद्धि दूसरों को लुभाए। हम इस मॉडल को खत्म करना चाहते हैं। वे अपना घर और जमीन खो देंगे। हम इसके लिए प्रतिबद्ध हैं। डीजीपी ने कहा कि नशीली दवाओं के व्यापार को बढ़ावा देने वाले किसी भी व्यक्ति से सख्ती से निपटा जाएगा। पहले यह चरस था जो स्थानीय स्तर पर उपलब्ध था। यह हेरोइन और ब्राउन शुगर जितना हानिकारक नहीं था जो सीमा पार से आ रहा है। यह एक जहर है जो बेचा जाता है और इससे मिलने वाले पैसे का इस्तेमाल लोगों को मारने में किया जाता है। अगर कोई इसमें शामिल पाया जाता है, चाहे वह पुलिस प्रतिष्ठान से हो या समाज के किसी भी वर्ग से, हम बहुत सख्ती से कार्रवाई करेंगे। जनता से मुलाकात पर डीजीपी ने कहा कि लोगों की शिकायतों को दूर करने की दिशा में यह एक नया प्रयास है। उन्होंने कहा कि मुझे यकीन नहीं था कि कितने लोग आएंगे और वे क्या मुद्दे लाएंगे। यह मेरे लिए भी एक प्रयोग है। इसका एक संदेशात्मक मूल्य है, यह लोगों के साथ एक जुड़ाव है। उन्होंने कहा कि इसके ठोस परिणाम होंगे क्योंकि मुझे पता चलेगा कि किस तरह की चीजें पुलिस प्रशासन को प्रभावित करती हैं। उन्होंने कहा कि कुछ मुद्दे ऐसे हैं जिन्हें तुरंत हल किया जा सकता है जबकि कुछ को आगे की जांच की आवश्यकता है। हम इसे एक अनुवर्ती प्रणाली के साथ परिष्कृत करने का प्रयास करेंगे जहां शिकायतकर्ता अपनी शिकायतों को ट्रैक कर सकते हैं। हम शिकायतकर्ताओं को बताएंगे कि हम उनके मुद्दों के बारे में क्या कर सकते हैं या क्या नहीं कर सकते। डीजीपी ने कहा कि हो सकता है कि उनके पास सभी समस्याओं का समाधान न हो लेकिन पुलिस प्रशासन से जुड़े मुद्दों का समाधान किया जाएगा।

मणिपुर में 23 तक इंटरनेट सेवाएं निलंबित

इंफाल (हि.स.)। राज्य में बदतर होती कानून व्यवस्था की स्थिति के मद्देनजर मणिपुर सरकार ने 23 नवंबर तक राज्य में इंटरनेट सेवाओं को स्थायी रूप से निलंबित करने का आदेश जारी किया है। इस निर्णय की घोषणा गृह विभाग द्वारा 18 नवंबर को जारी एक आधिकारिक आदेश (संख्या एच-3607/4/2022-एचडी-एचडी (पीटी)) के माध्यम से की गई। मणिपुर के पुलिस महानिदेशक द्वारा क्षेत्र में संकटजनक सुरक्षा स्थितियों से संबंधित रिपोर्ट मिलने के बाद यह कदम उठाया गया है। रिपोर्ट में सुरक्षा बलों पर घात लगाकर किए गए हमले, लापता लोगों के लिए प्रदर्शन, राजमार्गों को अवरुद्ध करने और धरना प्रदर्शन जैसी घटनाओं का विस्तृत विवरण दिया गया है। अधिकारियों को डर है कि असामाजिक तत्व सोशल मीडिया प्लेटफार्मों का उपयोग आपत्तिजनक छवियों, अभद्र भाषा और वीडियो को प्रसारित करने के लिए कर सकते हैं, जिससे माहौल और अधिक बिगड़ सकता है।

कृषि को उन्नत बनाने के उद्देश्य से बीवीएफसीएल का ड्रोन डेमो कैंपेन

गुवाहाटी (विभास)। पूर्वोत्तर राज्यों में विकसित भारत संकल्प यात्रा (वीबीएसवाई) के हिस्से के रूप में ब्रह्मपुत्र वैली फर्टिलाइजर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीवीएफसीएल) की ओर से कृषि को उन्नत बनाने के उद्देश्य से ड्रोन डेमोस्ट्रेशन दिए जा रहे हैं। बीवीएफसीएल की ओर से असम सहित पूर्वोत्तर राज्यों त्रिपुरा, मेघालय, नागालैंड व अरुणाचल के विभिन्न गांव पंचायतों में ड्रोन तकनीक का प्रदर्शन करने वाले व्यावहारिक प्रदर्शनों की एक श्रृंखला शुरू की गई है, जिसमें रोजाना 25-30 स्थानों पर ड्रोन डेमोस्ट्रेशन दिए जा रहे हैं। यह पहल पीएम-प्रणाम योजना का एक अभिन्न अंग है। प्रदर्शनों में विशेष रूप से कृषि में नैनो यूरिया के प्रभावी उपयोग पर प्रकाश डाला जा रहा है, जिसमें टिकाऊ कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया गया है। इन आयोजनों में स्थानीय समुदाय, ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी दिख रही है, जहां वे लोग अपने विचार साझा कर रहे हैं। इसके अलावा उन्हें बहुमूल्य अंतर्दृष्टि प्रदान की जा रही है। इस दौरान न केवल सामूहिक जिम्मेदारी की भावना का प्रदर्शन किया बल्कि पीएम-प्रणाम योजना के समुदाय-केंद्रित दृष्टिकोण को भी रेखांकित किया।

पृष्ठ एक का शेष

मैं खुल कर ...

सुविधाएं मिले। मदरसे मुल्ला बनाने वाली संस्थाएं नहीं होनी चाहिए। हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि जब राजस्थान में भाजपा की सरकार बनेगी, उसके बाद यहां पर गैस का सिलेंडर 450 रुपए में मिलेगा। इसके अलावा किसान सम्मान निधि के तहत किसानों को अब 6000 की जगह 12000 रुपए मिलेंगे। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार बनने के बाद हर एक जिले में महिला थाना भी बनाया जाएगा और उनके खिलाफ जो अत्याचार होता है, उसे रोका जाएगा। राजस्थान की अशोक गहलोत सरकार पर बड़ा आरोप लगाते हुए हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने सरकारी जमीन पर 60 हजार मदरसे का निर्माण किया। असम सीएम ने पूछा कि क्या उस जमीन को खाली करना है कि नहीं करना है? उधर मुख्यमंत्री डॉ शर्मा ने कहा है कि कांग्रेस अपनी गारंटी बाबर और औरंगजेब के लिए रखे। राजस्थान की जनता को उनके गारंटी की जरूरत नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि जिस कांग्रेस ने सचिन पायलट को गारंटी देकर नहीं निभाया उस कांग्रेस की गारंटी का क्या मतलब है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी आज गारंटी दिए फिरते हैं, लेकिन बीच-बीच में वे गायब हो जाते हैं। लोग उनसे गारंटी वसूलने के लिए उन्हें कहां खोजने फिरेंगे। उन्होंने कहा की गारंटी वे लोग देते हैं जो लोगों को ठगते हैं। कांग्रेस ने लोगों को बार-बार ठगा है, इसलिए एक बार फिर गारंटी देकर ठगना चाहती है। उन्होंने कहा कि जो माता और पिता बनते हैं उन्हें बच्चों को गारंटी देने की जरूरत नहीं होती है। उन्होंने कहा कि अच्छे दुकानदार की अपनी विश्वसनीयता होती है, न कि वह लोगों को गारंटी दिए फिरते हैं। गारंटी वे लोग देते हैं, जिनके मन में खोट होता है। उन्होंने एक अन्य कार्यक्रम में कहा कि राजस्थान में भाजपा की सरकार बनने के साथ ही 750 रुपए में गरीबों को गैस सिलेंडर मिलेगा। वहीं उन्होंने एक अन्य चुनावी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद देश में लगभग आतंकवाद का खत्म हो चुका है। मुख्यमंत्री आज राजस्थान में चुनावी सभाओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने चुनावी सभाओं में कांग्रेस को उनकी छद्म राजनीति के लिए जमकर लताड़ा।

अजमल लव जिहाद...

हुए एक चुनावी सभा में वहां के सांसद तथा कांग्रेस नेता प्रद्युत बरदलै को बुलाया ही नहीं गया। इससे जाहिर होता है कि कांग्रेस के अंदर किस तरह का खींचतान चल रहा है। एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि कांग्रेस के गठबंधन का कोई अस्तित्व नहीं है। जहां से गठबंधन के उम्मीदवार चुनाव लड़ेंगे, वहां भाजपा साढे तीन लाख मतों से चुनाव जीतेगी। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में राज्य की 14 सीटों में से 12 सीटों पर भाजपा उम्मीदवार का जीतना तय है। पत्रकार सम्मेलन के दौरान मंत्री हजारिका ने पत्रकारों के अन्य कई सवालों के बेबाक और सीधे-सीधे उत्तर दिए।

दस सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल...

प्रशासन स्थापित करने की धमकी दी थी, जिसके बाद प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल से मुलाकात की। राज्य सरकार ने कुकी-जो समुदाय के सदस्यों के प्रभुत्व वाले जिलों में स्वशासित अलग प्रशासन के स्वदेशी जनजातीय नेता मंच के आह्वान की कड़ी निंदा की है और इसे अवैध बताया है। प्रतिनिधिमंडल ने उइके से विरोधी समुदायों के साथ बातचीत शुरू करने के लिए प्रधानमंत्री से संपर्क करने का आग्रह किया है। इसके अलावा राज्यपाल से संघर्ष का समाधान खोजने के लिए प्रधानमंत्री के साथ मणिपुर में सभी राजनीतिक दलों की बैठक की सुविधा प्रदान करने की अपील की है। प्रतिनिधिमंडल में आप, एआईएफबी, एआईटीसी, सीपीआई, सीपीआई(एम), जेडी (यू), एनसीपी, आरएसपी और एसएस(यूबीटी) के प्रतिनिधि शामिल थे। उइके ने राजनीतिक नेताओं को राज्य में शांति और सामान्य स्थिति वापस लाने के लिए दोनों समुदायों के साथ बातचीत प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाने का आश्वासन दिया है। राजभवन के बयान में कहा गया है कि बातचीत प्रक्रिया शुरू करने के लिए हर संभव कदम उठाया जाएगा और वह राज्य के सभी राजनीतिक दलों के साथ बातचीत शुरू करने के लिए प्रधानमंत्री से संपर्क करेंगे। उइके ने नेताओं से यह भी कहा कि उन्होंने अशांति के बारे में रिपोर्ट सौंप दी है और वह केंद्रीय नेताओं के संपर्क में हैं। मई में पहली बार जातीय संघर्ष भड़कने के बाद से मणिपुर बार-बार होने वाली हिंसा की चपेट में है। तब से अब तक 180 से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं।

अरुणाचल में भूस्खलन ...

में तीन दिवसीय *हीलिंग* फेस्टिवल में हिस्सा होने के बाद इटानगर जा रहे थे। पुलिस अधिकारी ने बताया कि रागा पुलिस स्टेशन की एक टीम मौके पर पहुंची और शुक्रवार की रात तकरीबन नौ बजे मलबे से शव निकाले गए। इसके बाद शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया।

क्रिकेट विश्व कप ...

अपने परिवार के साथ आ सकते हैं। बॉलीवुड सेलिब्रिटी, उद्योगपतियों समेत विभिन्न क्षेत्र के गण्यमान्य लोग इस मैच को देखने आएंगे। इतने बड़े आयोजन को लेकर प्रशासन पूरी तरह से मुस्तैद है और हर चुनौती से निपटने के लिए तैयार है। सुरक्षा व्यवस्था में क्राइम ब्रांच, एटीएस, आरएएफ, एसआरपी समेत अन्य एजेंसियां तैनात रहेंगी। पुलिस आयुक्त मलिक ने बताया कि शनिवार शाम सुरक्षा को लेकर रिहर्सल किया गया। लोगों से मेट्रो ट्रेन का अधिक से अधिक उपयोग करने को कहा गया है, ताकि निजी वाहनों के कारण ट्रैफिक की समस्या नहीं हो। आयुक्त ने कहा कि इस मैच के दौरान अभी तक नकली टिकट का मामला सामने नहीं आया है। मैच जीतने के बाद लोगों के रोड शो को लेकर सुरक्षा के बारे में आयुक्त ने बताया कि मैच के बाद रोड शो के लिए पुलिस तैयार है। इसके लिए बाहर से 2 हजार पुलिसकर्मी भी बुलाए गए हैं। आयुक्त के अनुसार आईजी-डीआईजी 4, डीसीपी 23, आरएएफ 1, एनडीआरएफ 2, बम्ब स्क्वॉड 10 समेत कुल 6 हजार पुलिसकर्मी मैच के दौरान तैनात रहेंगे। संवेदनशील क्षेत्रों के लिए अलग से सुरक्षा व्यवस्था की गई है, जहां चार हजार से अधिक पुलिसकर्मी तैनात किए जाएंगे। इसके अलावा केमिकल, बॉयोलॉजिकल, न्यूक्लियर वेपन को डिटेक्ट करने की सारी व्यवस्था पुलिस की ओर से की गई है।

छठ : बाजार में खरीददारों...

इलाकों में अलग से पुलिस बलों और अधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गई है। तैनात पुलिस के जवान और अधिकारी ट्रैफिक नियंत्रण को लेकर कड़ी मशक्कत करते नजर आए। समानों की खरीददारी के लिए चांदनी चौक पहुंची राधा देवी,शर्मिला देवी आदि ने कहा कि इस साल नारियल से लेकर अन्य समानों की कीमतें आसमान छू रही है। सूप,डाला से लेकर हरेक पूजन सामग्री की कीमत काफी है। लेकिन बावजूद इसके पूजा है तो खरीदना मजबूरी है। कितनी भी कीमतें क्यों न हो जाय,इस पर्व में किसी तरह की कोताही नहीं होती है। साफ सफाई के साथ श्रद्धा भाव का विशेष ख्याल रखा जाता है।

राष्ट्रपति ने दी ...

है और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में काम करने के लिए प्रेरित करता है। छठ पूजा हमें अपने परिवेश को स्वच्छ रखने और अपने दैनिक जीवन में अनुशासन का पालन करने की याद दिलाती है। राष्ट्रपति ने अपने संदेश में कहा कि आइए हम अपने जल संसाधनों और पर्यावरण को प्रदूषण मुक्त बनाकर प्रकृति मां का सम्मान करने का संकल्प लें। इस शुभ अवसर पर, मैं सभी नागरिकों की खुशी और समृद्धि के लिए प्रार्थना करती हूं।

ज्ञानवापी का सर्वे ...

अदालत को बताया कि उसने सर्वेक्षण पूरा कर लिया है, लेकिन सर्वेक्षण कार्य में उपयोग किए गए उपकरणों के विवरण के साथ रिपोर्ट संकलित करने में कुछ और समय लग सकता है। इसके बाद अदालत ने दस्तावेज जमा करने के लिए 17 नवंबर तक का अतिरिक्त समय दे दिया। 5 अक्तूबर को कोर्ट ने एएसआई को चार हफ्ते का और वक्त दिया और कहा कि सर्वे की अवधि इससे ज्यादा नहीं बढ़ाई जाएगी।

पुलिस को तकनीक ...

कार्टेल, वामपंथी उग्रवाद और आतंकवाद जैसी कई चुनौतियां हैं। मुर्मु ने कहा कि नई तकनीक और सोशल मीडिया के प्रभाव से परिस्थितियां तेजी से बदलती हैं। अपराधियों द्वारा जेनरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग किया जाता है और डीप-फेक जैसी समस्याएं सामने आ रही हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस अधिकारियों को तकनीक के क्षेत्र में हमेशा अपडेट रहना होगा और अपराधियों पर बढ़त बनानी होगी। प्रोबेशनर्स को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि पुलिस प्रशासन और कानून व्यवस्था की मुख्य जिम्मेदारी राज्य सरकारों की है। राष्ट्रपति भवन द्वारा जारी एक बयान में उनके हवाले से कहा गया कि लेकिन, आईपीएस अधिकारी राज्य सरकारों द्वारा नियुक्त पुलिस कर्मियों को नेतृत्व प्रदान करते हैं। इस प्रकार देश की पुलिस व्यवस्था को एक अखिल भारतीय सूत्र में पिरोने का कार्य भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी करते हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि आर्थिक एवं सामाजिक विकास के लिए कानून-व्यवस्था की मजबूती आवश्यक शर्त है। मुर्मु ने कहा कि वैश्विक स्तर पर, राष्ट्रीय स्तर पर और स्थानीय स्तर पर यह देखा गया है कि जहां कानून व्यवस्था मजबूत नहीं है, वहां उद्यमी निवेश नहीं करना चाहते हैं। इस प्रकार पुलिस विभाग किसी भी क्षेत्र के बहुआयामी विकास में केंद्रीय भूमिका निभाता है। राष्ट्रपति ने कहा कि पुलिस बलों ने देश में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और देश की एकता और अखंडता को अक्षुण्ण बनाए रखने में अमूल्य योगदान दिया है। मुर्मु ने कहा कि सरकार का लक्ष्य प्रत्येक नागरिक की प्रतिभा और क्षमता के विकास के लिए अवसर प्रदान करना है। राष्ट्रपति ने कहा कि यह हमारी राष्ट्रीय प्राथमिकता है कि सभी नागरिक विकास यात्रा में भागीदार बनें। उन्होंने कहा कि अमृत काल में देश को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प को पूरा करने में पुलिस अधिकारी भी निर्णायक भूमिका निभाएंगे।

भिंड में कांग्रेस...

हुआ है। लेकिन अभी तक आरोपियों पर कोई भी कार्रवाई नहीं हुई है। वहीं कांग्रेस प्रत्याशी हेमंत कटारे भी न्याय दिलाने के लिए दलित पीड़ित परिवार के साथ धरने पर बैठे और कहा जब तक न्याय नहीं मिलता तब तक वह कहीं नहीं जाएंगे। हेमंत कटारे ने बताया कि दबंगों ने पीड़ित परिवार का घर जलाया है। इसी के साथ हेमंत कटारे ने दबंगों पर मारपीट करने का भी आरोप लगाया है उनका कहना है कि यह बहुत संगीन घटना है। लेकिन इतने घंटे बीत जाने के बाद भी दबंगों पर मामला दर्ज नहीं हुआ है। हेमंत कटारे का कहना है कि जब तक दबंगों पर एफआईआर नहीं होगी तब तक वह थाना नहीं छोड़ेंगे। हेमंत कटारे का कहना है कि दबंगों पर कार्रवाई नहीं होना यह मंत्री का दबाव है।

हाईकमान को खुश ...

हमारी सांस रहेगी तब तक हम हिंदुओं का जयगान करेंगे। राजस्थान के सीएम अशोक गहलोत को लेकर असम के सीएम हिमंत विश्व शर्मा ने सियासी टिप्पणी की थी। असम सीएम ने कहा है कि गहलोत जी ने सचिन पायलट से झगड़े के बाद अपने सभी विधायकों को लूटने का लाइसेंस दे दिया। उन्होंने विधायकों से कह दिया कि तुमको जितना लूटना है लूटो, लेकिन मुझको सीएम रहने दो, लेकिन जनता जर्नादन होती है और वह इन चुनावों में उनको जवाब देगी।

खान यूनिस में ...

अंजाम बुरा होगा। इस संबंध में प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के सहयोगी मार्क रेगेव का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा है कि गाजा के लोगों को चेतावनी जारी की गई थी। साफ कहा गया था कि सेना हमास के खात्मे के लिए खान यूनिस पर हर तरह के हमले करेगी। इसलिए वहां रह रहे लोग कहीं दूसरी जगह चले जाएं। एक अन्य रिपोर्ट में कहा गया है कि आईडीएफ ने हमास के हमलावर आतंकवादियों के परिजनों की धरपकड़ तेज कर दी है। आईडीएफ ने हेब्रोन में रात को कुतैबा उमर अल-क्वास्मा को दबोचा है। इसके भाई ने इस सप्ताह के शुरू में यरुशलम में सुरंग रोड पर सुरक्षाबलों पर हमला किया था। आईडीएफ ने दावा किया है कि हमास की एक सुरंग ऐसी है जिसका एक छोर एक मस्जिद पर मिला है। इस सुरंग और मस्जिद का इस्तेमाल भी हमास ने सैन्य उद्देश्यों के लिए किया है। रिपोर्ट्स में कहा गया है कि इजराइली युद्धक विमानों ने रात को जबालिया शरणार्थी शिविर के कई इलाकों, बेत लाहिया में घरों, गाजा के शेख जायद शहर में आवासीय टावरों के आसपास और इंडोनेशियाई अस्पताल के आसपास के इलाकों को निशाना बनाया है। इस घमासान के बीच कहा गया है कि अमेरिका के आग्रह पर इजराइल मानवीय उद्देश्यों के लिए गाजा की अपनी नाकाबंदी के माध्यम से दैनिक ईंधन वितरण की अनुमति देने पर सहमत हो गया है। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि मकतल बन चुके गाजा में बचे-खुचे लोग अपने परिजनों की तलाश में मलबे की खुदाई कर रहे हैं। लोगों को आशंका है कि ताश के पत्तों की तरह भरभराकर ढेर हो चुके घरों के मलबों में यह लोग दबे होंगे। उमर अल-दारवी और उनके पड़ोसियों के चारमंजिला घरों में पैंतालीस लोग रहते थे। इनमें से 32 की मौत हमले में हो चुकी है। दारवी व अन्य लोग मलबे से 27 शव निकाल चुके हैं। संयुक्त राष्ट्र मानवीय मामलों के कार्यालय का अनुमान है कि 1,500 बच्चों सहित लगभग 2,700 लोग लापता हैं। माना जा रहा है कि वे खंडहर हो चुके घरों के मलबे में दबे हुए हैं। इस बीच ब्रुनेई, इंडोनेशिया और मलेशिया ने गाजा में तत्काल मानवीय संघर्ष विराम का आह्वान किया है।

सीतामढ़ी : संदिग्ध परिस्थितियों ...

बाजपट्टी थाने पर बैठकर जानकारी लेते एसपी। साथ में डीएसपी पुपरी व थानाध्यक्ष। एसपी ने बताया कि एक व्यक्ति का इलाज चल रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि दो लोगों के शवों का अंतिम संस्कार कर दिया गया था, जिससे उनका पोस्टमार्टम नहीं हो सका। ऐसे में कोई यह कैसे कह सकता है कि उन लोगों ने शराब पी रखी थी। उधर, चर्चा है कि गुरुवार देर शाम सभी ने एक साथ शराब पी थी। शुक्रवार की सुबह सभी की तबीयत बिगड़ने लगी। इलाज के दौरान एक-एक कर सभी की मौत हो गई। तीन मौतें शुक्रवार को और तीन शनिवार को हुई हैं, यह मौतें तीन गांव में हुई है और सभी आस-पास के ही रहने वाले हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि शुक्रवार की रात तीन लोगों की मौत हुई थी, जिनका अंतिम संस्कार भी कर दिया गया है। बाकी तीन की मौतें शनिवार की सुबह हुई है। हालांकि, पुलिस का कहना है कि तीन लोगों की मौत हुई है। जहरीली शराब से मौत के बाद एसपी के साथ बाजपट्टी थाना, पुपरी एसडीपीओ समेत अन्य पुलिस बल घटनास्थल पर कैंप कर रहे हैं। स्थानीय लोग का कहना है कि गुरुवार की शाम सभी बाजपट्टी थाना क्षेत्र के महुआईन गांव में एक साथ शराब पीने गए थे, जिसके बाद सभी की तबीयत अचानक बिगड़ गई। बाद में परिजनों ने सभी को सीतामढ़ी के निजी क्लीनिक में भर्ती कराया, जहां सभी का इलाज चल रहा था। मृतकों में बाजपट्टी थाना क्षेत्र के सोलमन टोला के रामबाबू राय, विक्रम कुमार, नरहा कला के महेश राय, अवधेश राय, बाबू नरहर गांव के संतोष महतो शामिल हैं। रौशन कुमार का इलाज चल रहा है। मृतक अवधेश राय के पिता नागेंद्र राय ने बताया कि गुरुवार को बेटे ने घर पर ही मछली बनवाई थी। पूछने पर कहा कि दोस्त को बेटा हुआ है, इसलिए पार्टी दे रहा है। वह बगल के महुआइन गांव से शराब की तीन बोतलें लेकर आया था। वहीं, दोस्तों के साथ सभी ने मिलकर पी रखी थी। इसके बाद अचानक तबीयत खराब होने लगी, जिसको देखकर हम लोग सीतामढ़ी के निजी क्लीनिक में ले जाकर भर्ती कराया, जहां उसकी मौत हो गई।

कनाडा के इतिहास...

महीने की जांच के दौरान 551 किलोग्राम कोकीन और 441 किलोग्राम क्रिस्टल मेथमफेटामाइन जब्त किया गया। शुक्रवार को एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान, टोरंटो पुलिस ने कहा कि दवाओं की अनुमानित सड़क कीमत 90 मिलियन डॉलर है। जांच के दौरान जब्त की गई अन्य वस्तुओं में एक बन्दूक, एक वाहन और कनाडाई मुद्रा में लगभग 95,000 शामिल हैं। यह दवा मुख्य रूप से अमेरिका से कनाडा में आई है। उन्होंने कहा कि मामले के संबंध में गिरफ्तार किए गए सभी संदिग्ध जीटीए के निवासी हैं और कथित तौर पर मादक पदार्थों की तस्करी नेटवर्क में काम कर रहे हैं। इस मामले के संबंध में अजाक्स के दो लोगों, 20 वर्षीय कैमरून लॉन्गमोर और 25 वर्षीय जुबायुल हक पर आरोप लगाया गया है। लॉन्गमोर को तस्करी के दो मामलों का सामना करना पड़ सकता है। हॉक पर तस्करी के उद्देश्य से 5,000 डॉलर से अधिक की अपराध आय को कब्जे में लेने का आरोप लगाया गया है। उस पर अवैध रूप से आग्नेयास्त्र रखने, भरी हुई प्रतिबंधित या प्रतिबंधित बंदूक रखने का एक मामला और मोटर वाहन में अवैध हथियार रखने का एक मामला दर्ज किया गया है। एटोबिकोक निवासी 37 वर्षीय ब्रायन शेरिट और 30 वर्षीय अबुबकर मुहम्मद पर दुष्कर्म के इरादे और साजिश के साथ तस्करी करने का आरोप लगाया गया है। मुहम्मद पर 5,000 डॉलर से अधिक की अपराध आय रखने का भी आरोप है। मिसिसॉगा के 25 वर्षीय तेनजिन पाल्डेन पर तस्करी और साजिश रचने और अभियोग योग्य अपराध करने के इरादे का आरोप लगाया गया है। मामले में टोरंटो के दो लोगों, बशीर हसन आब्दी (34) और लूचो लोडर (43) को गिरफ्तार किया गया था। आब्दी पर शेड्यूल 1 पदार्थ की तस्करी का एक मामला, तस्करी के उद्देश्य से कब्जे के दो मामले और 5,000 डॉलर से कम के अपराध की आय पर कब्जा करने का आरोप है। लॉडर पर शेड्यूल 1 पदार्थ की तस्करी, तस्करी के उद्देश्य से कब्जा, दुष्कर्म की साजिश, 5,000 और 5,000 से अधिक अपराध की आय पर कब्जा करने का आरोप लगाया गया है। वॉट्स ने कहा कि दो संदिग्ध हिरासत में हैं जबकि अन्य पांच को जमानत पर रिहा कर दिया गया है।

असम की मुक्केबाज बर्नाली सैकिया नाइजीरियाई कैद से सुरक्षित लौटी

गुवाहाटी (हिंस)। नाइजीरिया में बंधक बनाई गई गुवाहाटी की बॉक्सर बर्नाली सैकिया को सफलतापूर्वक छुड़ाकर भारत वापस लाया गया। उल्लेखनीय है कि बर्नाली सैकिया को 28 अक्तूबर को तब बदमाशों ने पकड़ लिया था, जब वह नाइजीरिया छुट्टियां मनाने गई थीं। तीन दिनों तक बर्नाली का अपने परिवार से कोई संपर्क नहीं होने के बाद चौथे दिन वह अपने परिवार से संपर्क कर पाई थी। किंग नामक एक व्यक्ति ने उसे नाइजीरियाई हवाई अड्डे से उठाकर जबरदस्ती उसका वीजा और पासपोर्ट छीन लिया था। अपहरणकर्ता ने उसे भोजन तक नहीं

दिया था। 28 अक्तूबर उनके माता-पिता नाइजीरिया के लागोस गए। बर्नाली 28 अक्तूबर को 14 दिन के वीजा पर नाइजीरिया गई थी। परिस्थितियों से परेशान पीड़ित परिवार ने दिसपुर थाने में एफआईआर दर्ज कराई थी। इसके बाद आखिरकार वह सुरक्षित वापस आ गई।

जंगली हाथी के हमले में बीएसएफ जवान की मौत

ग्वालपाड़ा (हिंस)। ग्वालपाड़ा जिले के दहिकटा पलहानपाड़ा में जंगली हाथियों के झुंड से अलग होकर अकेले घूम रहे हाथी ने दहिकटा निवासी नरेश्वर राभा (63) की बेरहमी से हत्या कर दी। पता चला है कि बीएसएफ के सेवानिवृत्त जवान को हाथी ने उस समय मार डाला जब वह अपने बगीचे से रबर गोंद काटने जा रहा था।

मणिपुर में भारी मात्रा में हथियार और विस्फोटक बरामद

इंफाल (हिंस)। मणिपुर में विभिन्न स्थानों से भारी मात्रा में हथियार और विस्फोटक बरामद किया गया। मणिपुर पुलिस ने आज बताया कि मणिपुर में अवैध हथियारों और गोला-बारूद के खिलाफ अभियान जारी है। सुरक्षाबलों ने अभियान के दौरान कई हथियार और बड़ी संख्या में विस्फोटक जब्त किए हैं। सुरक्षा बलों ने कांगपोकपी, थौबल, इंफाल पश्चिम, चुराचांदपुर और इंफाल पूर्वी जिलों में विभिन्न स्थानों पर छापेमारी की और हथियार जब्त किए। छापेमारी के दौरान इंफाल पश्चिम जिले के मोइडांगप इलाके से एक 303 राइफल और एक पिस्तौल, दो डेटोनेटर के साथ 36 हथगोले, 50 7.62 एमएम पिस्तौल, 100 राउंड 12 बोर के कारतूस और चार पंपी गन विस्फोटक जब्त किए गए। इस बीच, इंफाल पश्चिम जिले के साजिराक गांव में छापेमारी के दौरान पुलिस ने नौ एमएम की एक पिस्तौल, डेटोनेटर सहित तीन हथगोले, एक मोर्टार और एक लाथोड सेल जब्त किया। वहीं, पुलिस ने चुराचांदपुर जिले से दो प्वाइंट थ्री जीरो थ्री राइफल सहित पांच गोलियां भी जब्त की हैं।

रंगिया : चार दिवसीय महापर्व छठ के दूसरे दिन खरना संपन्न, संध्या अर्घ्य आज

रंगिया (विभास)। चार दिवसीय छठ महापर्व के दूसरे दिन आज शनिवार को प्रथम पूजा (खरना) संपन्न हो गया। इसी कड़ी में देश के अन्य भागों की तरह रंगिया में भी व्रतियों ने आज स्नान के बाद संध्याकाल में गुड़ और चावल की खीर बनाकर तथा घी की रोटी का भोग छठी मैया को लगाया तथा 36 घंटे का निर्जला व्रत की शुरुआत कर दी। वहीं छठी मईया के गीतों के बीच व्रती महिलाएं सूर्य देवता को षष्टी और सप्तमी का अर्घ्य देने के लिए डाला तैयार करने में जुट गई है। प्रतिवर्ष की तरह इसबार भी पूव रंगिया छठ पूजा समिति द्वारा दोलोई मुरारा (रजक कॉलोनी) धोबी घाट में श्री सूर्य षष्ठी छठ पूजा का भव्य आयोजन किया गया है। इस छठ पूजा घाट पर समिति द्वारा स्थानीय छठ ब्रतीयो के लिए पूजा अर्चना की समुचित व्यवस्था की गई है, घाट पर श्रद्धालु फूलमाला, केले का पेड़, प्रकाश सज्जा आदि से अपने घाटों को सजावट करने में जुटे गए हैं। आयोजन समिति के अध्यक्ष- गौतम रजक, उपाध्यक्ष- उत्तम मंडल, सचिव- अशोक रजक(बाबू) और जतिन बैश्य, सह सचिव- पंकज दास, कोषाध्यक्ष कमल रजक से मिली जानकारी के अनुसार घाट पर व्रतधारियों व श्रद्धालुओं के लिए 19 नवंबर, रविवार संध्या 3 बजे संध्याकालीन अर्घ्य (प्रथम डाला) तथा सोमवार को प्रात: 3 बजे प्रात:कालीन अर्घ्य (पारण) और प्रात: 7 बजे प्रसाद वितरण की समुचित व्यवस्था की गई है। कार्यक्रम के दौरान समिति द्वारा भक्तों की सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम भी किए गए है। समिति द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार रविवार,19 नवम्बर को कार्यक्रम की सुरुआत संध्या 3 बजे संध्याकाल अर्घ्य के साथ की जाएगी। इसके पश्चात संध्या 5 बजे गायक कलाकार रिहान शाह (मिंटू) और टाइगर मेमन के सुमधुर गीतों की प्रस्तुति व इसके पश्चात संध्या 7 बजे मिलीजुली सोवाली नागरा नाम, सिपाझार की जानीमानी पाठिका करवी लहकर द्वारा नाम का परिवेशन किया जाएगा। समिति की ओर से कार्यक्रम में सभी भक्तों की उपस्थिति और मार्गदर्शन की कामना की गई है।

एक एनएससीएन (के-वाईए) कैडर, 2 ओवरग्राउंड वर्कर्स गिरफ्तार

इटानगर (हिंस)। अरुणाचल प्रदेश के चांगलांग जिले में असम राइफल्स द्वारा चलाए गए एक अभियान में एनएससीएन (के-वाईए) गुट के एक सक्रिय सदस्य को गिरफ्तार किया गया। उग्रवादियों के अलावा, दो ओवरग्राउंड कार्यकर्ताओं को भी हिरासत में लिया गया। एक आधिकारिक सूचना के अनुसार तीनों को चांगलांग के जयरामपुर क्षेत्र में भारत-म्यांमार सीमा पर पकड़ा गया। उनके कब्जे से बरामद वस्तुओं में 5 लाख 60 हजार रुपये की नकद राशि और युद्ध जैसी अन्य चीजें शामिल हैं। असम राइफल्स पूरे इलाके में उग्रवादियों के खिलाफ सघन अभियान चला रहा है। म्यांमार में चल रहे संघर्ष का फायदा उठाकर उग्रवादी भारत की सीमा में घुसने की कोशिश कर रहे हैं। असम राइफल्स द्वारा म्यांमार की सीमा पर चौकसी बढ़ा दी गई है। इधर असम राइफल्स की गोली से अरुणाचल के एक युवक के घायल होने को लेकर माहौल काफी गर्म हो चुका है।

मणिपुर पुलिस ने 1051 व्यक्तियों को लिया हिरासत में

इंफाल (मणिपुर) (हिंस)। मणिपुर पुलिस ने राज्य के विभिन्न जिलों में कानून के उल्लंघन के संबंध में 1051 व्यक्तियों को हिरासत में लिया। पुलिस ने आज बताया कि सुरक्षा बलों ने काकचिंग और कांगपोकपी जिलों के संवेदनशील इलाकों में तलाशी अभियान चलाया। राष्ट्रीय राजमार्ग-37 पर 252 वाहनों और राष्ट्रीय राजमार्ग-2 पर 246 वाहनों की आवश्यक वस्तुओं के साथ आवाजाही सुनिश्चित की गई है। वाहनों की स्वतंत्र और सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए सभी संवेदनशील स्थानों पर कड़े सुरक्षा उपाय किए गए हैं। संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा काफिला प्रदान किया गया है।

महाबाहु ब्रह्मपुत्र लाचित घाट पर छठी मैया की गीत से रात्रि जागरण कार्यक्रम आज

गुवाहाटी। छठ महापर्व के मौके पर बिहार व उत्तर प्रदेश के कलाकार अपने गायिकी द्वारा असम में अपना एक अलग पहचान बनाते आ रहें हैं। इस बार भी गुवाहाटी महानगर के महाबाहु ब्रह्मपुत्र लाचित घाट पर संध्या अर्घ्य के दिन सारी रात छठी मैया की जगराता कार्यक्रम का आयोजन सर्व हिंदुस्तानी युवा परिषद के तत्वावधान में किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि इस सांस्कृतिक कार्यक्रम में भोजपुरी लोकगीत संगीत में अपना एक अलग पहचान बनाने वाली, देश व विदेशों में भोजपुरी लोकगीतों व पारम्परिक गीतों का परचम लहराने वाली तथा कई राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सरकार व नीजि संस्थानों से सम्मानित लोकगायिका मनीषा श्रीवास्तव एक से बढ़कर एक छठी मैया की गीत से भक्ति की समां बांधकर एक यादगार शाम बनाएंगी। साथ ही मशहूर भजन गायक रवि रोशन उनके टीम के अन्य कलाकार भी लाचित घाट के मंचों पर भजनों की अमृत वर्षा करेंगे।

गुवाहाटी सहित कामरूप के 81 अस्पतालों में तीन दिवसीय स्वास्थ्य सेवा महोत्सव कल से

गुवाहाटी (हिंस)। कामरूप (मेट्रो) जिले के 52 स्वास्थ्य केंद्रों पर भी तीन दिवसीय कार्यक्रम के साथ दूसरी बार *स्वास्थ्य सेवा महोत्सव* आयोजित किया जाएगा। इस महोत्सव में बुनियादी ढांचे, मानव संसाधन और सेवा वितरण के आधार पर स्वास्थ्य केंद्रों का मूल्यांकन किया जाएगा। *स्वास्थ्य सेवा महोत्सव* पहली बार पिछले साल अप्रैल में शुरू किया गया था। पहले मूल्यांकन के बाद राज्य में सरकारी अस्पतालों के बुनियादी ढांचे और सेवा वितरण की गुणवत्ता का पुनर्मूल्यांकन करने के लिए स्वास्थ्य सेवा महोत्सव दूसरी बार आयोजित किया जा रहा है। जिला स्वास्थ्य समिति ने यह सुनिश्चित करने के लिए सभी उपाय किए हैं कि स्वास्थ्य सेवा महोत्सव का मूल्यांकन प्रक्रिया सुचारू रूप से संचालित हो और जनता इससे लाभान्वित हो सके। मूल्यांकन शहर के एक जिला अस्पताल, एक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, दो एफआरयू और 48 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर किया जाएगा। गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज के एक प्रशासनिक अधिकारी और एक डॉक्टर बाहरी मूल्यांकनकर्ता के रूप में स्वास्थ्य केंद्रों का निरीक्षण और मूल्यांकन करेंगे। एक शीर्ष प्रशासनिक अधिकारी बाहरी मूल्यांकनकर्ता के रूप में 52 स्वास्थ्य केंद्रों का मूल्यांकन करेगा। शनिवार कामरूप (मेट्रो) जिले के अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (परिवार कल्याण) कार्यालय के सभागृह में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. कमलदेव गोस्वामी (परिवार कल्याण) ने बताया कि स्वास्थ्य सेवा महोत्सव 20 से 22 नवंबर तक आयोजित किया जाएगा। इस मौके पर जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. बीके दास, वरिष्ठ चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मुकुता मेधी और राष्ट्रीय स्वास्थ्य

मिशन, कामरूप (मेट्रो) जिला की स्मिता रॉय उपस्थित थीं। **रंगिया** से हमारे संवाददाता के अनुसार राज्य के अन्य भागों की तरह कामरूप जिले में भी आगामी 20 नवंबर से 22 नवंबर तक तीन दिवसीय स्वास्थ्य सेवा उत्सव आयोजित किया जाएगा। दूसरा स्वास्थ्य महोत्सव, जिसका उद्देश्य अस्पतालों की सुविधाओं का निष्पक्ष मूल्यांकन करना और लोगों के उपकार के लिए उनमें सुधार करना है, जोकि कामरूप जिले के 81 अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों में आयोजित किया जाएगा। इस मौके पर 81 पर्यवेक्षक टीमों का गठन किया गया है जिसमें विभिन्न विभागों के एक वरिष्ठ अधिकारी के अलावा गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज अस्पताल के एक स्वास्थ्य अधिकारी शामिल होंगे। जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी विकास शर्मा ने बताया कि कार्य को सही ढंग से संपन्न कराने के लिए उन्हें 16 एवं 18 नवंबर को विशेष प्रशिक्षण दिया गया था। उनके अलावा, राज्य प्रशासन के 15 वरिष्ठ अधिकारियों को बाहरी पर्यवेक्षकों के रूप में नियुक्त किया गया है। असम पुलिस महानिदेशक जेपी सिंह 20 नवंबर को बाहरी पर्यवेक्षक के रूप में अमीनगांव के तुलाराम बाफना सिविल अस्पताल में उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम का उद्घाटन समारोह उसी दिन सुबह 10 बजे आयोजित किया जाएगा। उनके अलावा, विशेष पुलिस महानिदेशक और अतिरिक्त महानिदेशक, प्रमुख सचिव आदि स्तर के कई अधिकारियों को विभिन्न चिकित्सालयों के लिए तैनात किया गया है। इस मौके पर कई जिलों के संयुक्त स्वास्थ्य संचालक डॉ. महितोष बनर्जी द्वारा कार्यक्रम के सफल कार्यान्वयन के लिए सभी विभागों सहित लोगों से सहयोगिता की कामना की गई है।

सूर्य उपासना का महापर्व छठ

इस पर्व की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इस पर्व में सदियों से गंगा नदी व अन्य सरोवरों में सभी जाति व धर्मों के लोग कतारबद्ध होकर अपने आराध्य देव सूर्य भगवान की आराधना करते हैं। यह झलक अपने आप वसुधैव कुटुम्बकम की भी मान्यता है कि जिस स्त्री-पुरुष ने इस पर्व को पूरी आस्था, भावना एवं धार्मिक रीति-रिवाज के साथ किया, उन्हें भगवान सूर्य ने शीघ्र ही मनोवांछित फल प्रदान किया। कहा जाता है कि बांझन के पुत्र देहुल निर्धन को माया। रोगिन के निरोग कईलू और मनसा सब के पुरैलू। छठ पर्व कैसे और कब से मनाया जाता है? इसके पीछे अनगिनत कहानियां हैं जो वेद और पुराण से सुनने को मिलता है यह कटु सत्य है कि जो व्यक्ति इस रहस्यमय कथा को श्रद्धा से श्रवण करता है उसकी हर मनोकामना पूर्ण होती है। भविष्य पुराण के अनुसार इस व्रत को सबसे पहले नागकन्या ने किया था व नागकन्या से सुनकर सुकन्या ने च्यवन ऋषि के पुत्र को लौटाया था। इसी कथा का अनुकरण करते हुए पांडवों की पत्नी द्रोपदी ने पुरोहित महाराज धौम्य से इस महान पर्व के विधि-विधान का श्रवण कर इस व्रत को कर अपने पतियों का राजपाठ एवं राजलक्ष्मी को प्राप्त कराया था। कथा इस प्रकार है कि पाण्डव ने अपने बनवासी जीवन में भोजपत्र पहनकर संकटों का सामना करते हुए निवास कर रहे थे। तब उनके निवास स्थान पर ब्रह्म देवता तपोरूप अट्ठासी हजार मुनि आ पहुंचे, जिससे महाराज युद्धिष्ठिर यह सोचकर घबरा उठे कि मेरे आंगन में पधारे महात्माओं के भोजन का प्रबंध कैसे होगा इस दृश्य को देखकर द्रोपदी अत्यन्त दुख से व्याकुल हो गई और इस समस्या के निवारण के लिए अपने पुरोहित महाराज धौम्य के पास जाकर विनम्रतापूर्वक उपाय मांगा। प्रतिउत्तर में महाराज धौम्य ने द्रोपदी के कहा कि तुम भी वहीं सूर्य षष्ठी व्रत करो जिस व्रत को पूर्व काल में नागकन्या के उपदेश से सुकन्या ने किया था। जिसके परिणामस्वरूप उनकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण हुई थीं। इस कथा को विस्तारपूर्वक बतलाते हुए महाराज धौम्य ने द्रोपदी से कहा कि सुनों सत्ययुग में एक शर्याति नामक राजा था जिन्हें एक हजार स्त्रियां थी परंतु उनसे एक ही कन्या उत्पन्न हुई थी। पिता की प्रिय होने के कारण उस कन्या का नाम सुकन्या पड़ा। एक समय राजा शर्याति मृग शिकार के लिए मंत्री, सेना, बड़े-बड़े योद्धा और पुरोहित को लेकर जंगल की और गए। शिकार खेलने %के निमित राजा को

जंगल में वास करते हुए कई दिन व्यतीत हो गए।

एक समय की बात है कि सखियों के साथ सुकन्या फूल लेने हेतु जंगल गई। वहां पर च्यवन मुनि का स्थान था जहां पर मुनिवर च्यवन ध्यानमग्न हो तपस्या में लीन थे। कठोर तपस्या के कारण मुनि के शरीर में केवल हड्डियां ही दिखाई दे रही थी तथा साथ ही उनके पूरे शरीर को दिमक ने खा लिया था दिमक के खाने की वजह से उनके शरीर में हड्डी के अतिरिक्त आंख के स्थान पर दो छिद्र दिखाई दे रहे थे। सुकन्या च्यवन मुनि के इस रूप को देखकर विस्मित हो गई और मुनि की दोनों आंखे कांटों से फोड़ दी। परिणामरूप, मुनि के नेत्रों से रक्त की धारा बहने लगी। सुकन्या द्वारा च्यवन मुनि के नेत्र फोड़े जोने के कारण राजा और सेना का मल-मूत्र बंद हो गया। मल-मूत्र बंद हो जाने के कारण व्याकुल होकर तीन दिन बाद राजा ने अपने पुरोहित से इसका कारण पूछा। प्रतिउत्तर में पुरोहित ने अपनी दिव्य दृष्टि से देखकर कहा कि हे राजन आपकी कन्या ने अज्ञानतावश च्यवन मुनि के दोनों नेत्र कांटों से फोड़ दिया है जिससे रुधिर बह रहा है। उन्हीं के क्रोध से आपको यह कष्ट झेलना पड़ रहा है। अत: इस कष्ट से निवारण हेतु आपका कर्तव्य बनता है कि आप मुनि की सेवा के लिए अपनी कन्या सुकन्या को मुनि को दान कर दें। राजा ने अपने पुराहित के आदेश को मानते हुए अपनी बेटी सुकन्या को मुनि की सेवा में अर्पित कर दिया, जिससे मुनि प्रसन्न हो गए और उस दिन से राजा के सारे कष्ट समाप्त हो गए। सुकन्या च्यवन मुनि की सेवा करते हुए एक दिन कार्तिक मास में जल लेने हेतु पुष्करिणी (छोटे तालाब) में गई जहां उन्होंने अनेकों आभूषणों से युक्त नागकन्या को देखा। वह नागकन्या भगवान सूर्य की अराधान कर रही थी। इसे देखकर सुकन्या ने नागकन्या से पूछा कि यह आप क्या कर रही हैं? सुकन्या के इस मधुर वचन को सुनकर नागकन्या ने कहा कि मैं नाग कन्या हूं और मैं सभी सुखों को देने वाले भगवान सूर्य की पूजा कर रही हूं। नागकन्या ने इस पूजा के विधि-विधान को बताते हुए यह कि कार्तिक शुल्क षष्ठी को सप्तमी युक्त होने पर सर्वमनोरथ सिद्धि के लिए यह व्रत किया जाता है। व्रती को चाहिए कि वह पंचमी के दिन नियम से व्रत को धारण करें, सांयकाल में खीर का भोजन करके जमीन पर सोए, छठ के दिन निर्जला रहें और अनेक प्रकार के फल और पकवान विशेषकर गुड़ से बना आटे का ठेकुआ आदि का नैवेद्य और सूर्य भगवान की प्रसन्नता के लिए गीत-वाद्य आदि गा-बजाकर उत्सव मनावे। जबतक सूर्यनारायण का दर्शन न हो तब तक व्रत को धारण किए रहें। प्रात: काल सप्तमी को सूर्यनारायण के दर्शन कर अर्घ्य देवे और सूर्य भगवान के बाहर नाम का मनन कर दण्डवत प्रमाण करते हुए अर्घ्य देवे। इस प्रकार इस व्रत को विधिपूर्वक करने से सूर्य भगवान महान कष्ट को दूरकर मनवांछित फल देते हैं। नागकन्या के इस वचन को सुनकर सुकन्या ने इस उत्तम व्रत को किया। इस व्रत के प्रभाव से च्यवन महाराज के नेत्र पूर्ववत हो गए, उनका शरीर निरोग हो गया और सुकन्या के साथ लक्ष्मीनारायण के भांति सुख भोगने लगे। इस कथा को सुनकर द्रौपदी ने भी पवित्र मन से इस पर्व को विधि-विधान के अनुसार किया, जिसके परिणामस्वरूप महाराजा युधिष्ठर के चिंता का निराकरण हो गया और उन्होंने अपने यहां पधारे अट्ठासी हजार मुनिओं का आतिथ्य सत्कार किया। द्रौपदी के इस व्रत के प्रभाव से ही पाण्डवों को पुन: राजलक्ष्मी प्राप्त हुई। कहा भी गया है कि जो भी स्त्री इस पुनीत छठ व्रत को करेगी उसके समस्त पाप नाश होकर सुकन्या की भांति पति सहित सुख पावेगी। इस घोर कलयुग में भी इस छठ पर्व की अपार महिमा है। इस महिमामयी एवं वरदायिनी छठ मैया के पर्व को सभी व्यक्ति चाहें वह किसी भी जाति या धर्म के क्यों न हो, सम्मान की नजरों से देखते हैं। अंत में मैं सारे विघ्न-बाधाओं एवं पापों का नाश करने वाले भगवान श्री सूर्य के श्री चरणों में उक्त दो पंक्तियों के साथ कोटि-कोटि नमन करते हुए छठ मईया की महिमा का इति श्री करता हूं।

सुनील कुमार, उप महानिरीक्षक, मध्य क्षेत्र लखनऊ

पूसीरे के महाप्रबंधक ने कामाख्या स्टेशन पर छठ पूजा यात्री सुरक्षा का किया निरीक्षण

गुवाहाटी (हिंस)। छठ पूजा के दौरान रेल यात्रियों की सुरक्षा का जायजा लेने के लिए पूर्वोत्तर सीमा रेल (पूसीरे) के महाप्रबंधक चेतन श्रीवास्तव ने शनिवार को कामाख्या रेलवे स्टेशन पहुंचे। उनके साथ विभागीय अधिकारी भी मौजूद रहे। श्रीवास्तव ने कामाख्या स्टेशन पहुंचकर स्टेशन पर यात्रियों से बातचीत कर उनकी यात्रा के दौरान कोई समस्या हो रही है या नहीं इस बारे में निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि छठ पूजा के अवसर पर पूसीरे द्वारा विशेष ट्रेनों की व्यवस्था की गई है। उन्होंने यात्रियों से सिगरेट, बीड़ी, लाइटर, गैस सिलेंडर, गैस स्टॉप आदि जैसे ज्वलनशील पदार्थ लेकर अवैध रूप से यात्रा न करने की अपील की।

रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़े गए माप-तौल अधिकारी

नलबाड़ी (हिंस)। एक और सरकारी अधिकारी नलबाड़ी में भ्रष्टाचार निरोधक शाखा के जाल में फंस गए। आज दी गई औपचारिक जानकारी के अनुसार मापतौल नियंत्रण विभाग के अधिकारी नब कुमार शर्मा को रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया। अधिकारी को उस समय गिरफ्तार किया गया, जब वह नलबाड़ी में कॉलेज रोड पर स्थित मौसक होटल में बीती रात पैसे का लेन-देन कर रहा था। नब कुमार शर्मा पर एक पेट्रोल पंप के मालिक से पैसे मांगने का आरोप लगा है। हालांकि, अभी तक यह साफ नहीं हो पाया है कि किस पेट्रोल पंप से कितने पैसे की मांग की गई थी।

होजाई में सभी छठ घाट सज-धज कर तैयार

होजाई (निसं)। प्रकाशोदत्सव के पश्चात चार दिवसीय छठ महापर्व का शुभारंभ नहाए-खाए के साथ शुक्रवार से शुरू हुआ। आज प्रात: से ही छठ पर्व मनाने के लिए श्रद्धालुओं ने फल, प्रसाद, डाला, पूजन सामग्री, दीपक, कलश, चूड़ियां, गन्ना आदि विभिन्न प्रकार की सामग्रियों की जमकर खरीदारी की। हर वर्ष की भांति सभी घाट कमेटियां इस महापर्व को हर्षोल्लास से मनाने के लिए जोर-शोर से तैयारियां कर रही है। श्री श्री सूर्य व्रत संचालन समिति, नया बाजार द्वारा घाट की सफाई, बिजली की व्यवस्था, तोरण द्वार के साथ-साथ भगवान सूर्य की प्रतिमा पोखरी के मध्य स्थापित की जाने की व्यवस्था की जा रही है। वहीं वैदियों का रंग-रोगन के साथ-साथ उनके आवंटन की व्यवस्था की जा रही है। दूसरी तरफ शिवबाड़ी स्थित सूर्य षष्ठी महोत्सव समिति के सदस्य महापर्व के सफल आयोजन में लगे हुए हैं। पोखरी की साफ सफाई, घाट पर पूजा हेतु स्थान का आवंटन, बिजली की व्यवस्था, महापर्व की शोभा बढ़ाने हेतु तोरण द्वार के अलावा भगवान सूर्य की प्रतिमा स्थापित की जाएगी। वही व्रतधारियों को पूजन में कोई असुविधा ना हो इसका पूरा ध्यान आयोजक समिति रख रही है। वहीं होजाई शहर तथा इसके आसपास के अंचलों में छठ व्रतधारियों की तादाद काफी होने के चलते अन्य कई स्थानों पर भी छठ पूजा का भव्य आयोजन किया जाता है इसमें गोलघटिया बस्ती,आमतोला

के नरसिंह स्थान, सिलीगुड़ी बस्ती, सिंगारी बस्ती, मिलक बस्ती, दरियाबस्ती, कृष्णनगर आदि हैं। साथ ही जिले के लंका, लामडिंग, भालूकुमारी, सिलडूबी आदि स्थानों पर भी छठ पूजा तैयारियां पूरी हो चुकी है। गौरतलब है, शहर में छठ पूजा को लेकर लोगों में काफी उत्साह है क्योंकि व्रत धारियों के अलावा अन्य समाज से श्रद्धालु जिसमें असमिया,मारवाड़ी,बंगाली,मणिपुर, पंजाबी, नेपाली आदि समाज के लोग घाट पर पहुंचकर छठ महोत्सव का आनंद लेते हैं। **वहीं होजाई** से हमारे अन्य संवाददाता के अनुसार पूरे देश के साथ-साथ होजाई में छठ पूजा को लेकर महिलाओं और पुरुषों में उतसाह देखने को मिल रही है। होजाई शहर में चारों ओर बाजारों में महिलाएं सजने संवरने के साजो-सामान की खरीदारी की। होजाई के विभिन्न छठ घाटों पर धूमधाम के साथ छठ महापर्व की तैयारियां लगभग पूरी कर ली गई है। शहर के विश्वनाथ मंदिर के पोखरे पर महापर्व छठ के लिए पुखरी की साफ-सफाई की गई। घाट को सुंदर ढंग से सजाया गया। इसके अलावा नया बाजार स्थित पोखरा पर भी धूमधाम से छठ व्रत की तैयारी कर ली गई है। छठ महापर्व को लेकर आसपास लगाए सभी सब्जी दुकानों को काली कराया गया। घाट के चारों ओर चारों तरफ रंगाई पोताई की गई। बिजली से छठ घाटों को सजाया गया। होजाई के मिलिक बस्ती, आम तोला भिमारअली सिलीगुड़ी बस्ती, विद्यानगर सिंगारी बस्ती, कुमड़ाकाटा तेली बस्ती, बड़ाबस्ती मंडोली आदि स्थानों पर भी घाटों को सजाया गया।

कांग्रेस और जादूगर को राजस्थान की जनता 3 दिसंबर को करेगी छूमंतर : नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर तंज कसते हुए कहा कि जनता 3 दिसंबर को कांग्रेस और जादूगर को छूमंतर करने वाली है। राजस्थान में विधानसभा चुनाव से पहले प्रधानमंत्री मोदी ने भरतपुर में विजय संकल्प सभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा, राजस्थान में एक सर्वसम्मत आवाज है और वह है राजस्थान में भाजपा को विजयी बनाना। उन्होंने कहा, राजस्थान के लिए भाजपा का दृष्टिकोण इसके विकास को सक्षम बनाना, भ्रष्टाचार को खत्म करना और महिलाओं को सशक्त बनाना है। उन्होंने कहा कि एक तरफ भारत दुनिया में अग्रणी बन रहा है। दूसरी तरफ राजस्थान में बीते 5 वर्षों में क्या हुआ वो आप सब जानते हैं। कांग्रेस ने राजस्थान को भ्रष्टाचार, दंगों और अपराधों में अग्रणी बना दिया है। इसलिए, अब राजस्थान की जनता कह रही है कि 'जादूगर' को वोट नहीं देंगे। मोदी ने कहा, कुछ लोग स्वयं को 'जादूगर' कहते हैं। अब उन्हें राजस्थान की जनता कह रही है - 3 दिसंबर कांग्रेस छू मंतर। भारत की अग्रणी उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, आज, भारत की उपलब्धियां अभूतपूर्व हैं। हम चांद पर हैं, हमने जी20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी की और दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गए। उन्होंने कहा कि जल्द ही भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनकर उभरेगा। उन्होंने कहा, भारत का अभूतपूर्व उत्थान भारत के नागरिकों द्वारा भाजपा और भारत के विकास के लिए दिए गए 'वोट' के कारण है। राजस्थान में शासन की वर्तमान स्थिति की चर्चा करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, कांग्रेस के नेतृत्व वाले राजस्थान में भ्रष्टाचार, दंगे और अपराध कानून के नए शासन के रूप में उभरे हैं। उन्होंने कहा, कांग्रेस के नेतृत्व वाले उपद्रव के शासन ने राजस्थान में सभी लोगों के जीवन को विकृत कर दिया है, उन्हें बुनियादी और सामूहिक विकास से वंचित कर दिया है। उन्होंने कहा, राजस्थान में कांग्रेस की स्थापना तुष्टीकरण, आतंक के शासन को प्रकट करने और महिलाओं के खिलाफ लगातार हिंसा को बढ़ावा देने वाले विश्वास से धोखा देने पर हुई है।

राजस्थान में कांग्रेस की पिछड़ी मानसिकता को जिम्मेदार ठहराते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, जब नेता खुले तौर पर कहते हैं कि राजस्थान पुरुषों का राज्य है और उन पर प्रभुत्व है, तो क्या महिलाएं कभी सुरक्षित रह सकती हैं? इसके विपरीत, उन्होंने कहा कि कांग्रेस राजस्थान में विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए उम्मीदवारों की घोषणा करके ऐसी मानसिकता को बढ़ावा देती है। दलितों के प्रति कांग्रेस की नफरत पर विचार करते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, दलितों के लिए कांग्रेस की नफरत जगजाहिर है। भारत के मुख्य सूचना आयुक्त हीरालाल सामरिया और पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के प्रति उनकी नफरत उसी की अभिव्यक्ति है। उन्होंने कहा, दलितों के प्रति कांग्रेस की दुश्मनी ने उन्हें बाबासाहेब आंबेडकर के राजनीतिक करियर को बर्बाद कर दिया। उन्होंने कहा, इसके विपरीत, यह भाजपा ही है जिसने यह सुनिश्चित किया कि भारत को बाबासाहेब आंबेडकर के बाद अर्जुन राम मेघवाल के रूप में अपना दूसरा दलित कानून मंत्री मिले, जिससे भारत में दलितों का सच्चा सशक्तिकरण हो सके। 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' पर, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, विकसित भारत संकल्प यात्रा सरकारी योजनाओं की पूर्ण संतृप्ति सुनिश्चित करने के लिए सभी के सशक्तिकरण को सक्षम करने के लिए है, किसी को भी वंचित नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह सभी गारंटियों की पूर्ति के लिए मोदी की गारंटी है। उन्होंने कहा, मोदी की गारंटी अगले 5 वर्षों तक सभी गरीबों को मुफ्त अनाज उपलब्ध कराने की है। उन्होंने कहा कि मोदी की गारंटी बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार और चोरी को खत्म करना और योग्य लाभार्थियों तक लाभ और हस्तांतरण की सीधी पहुंच को सक्षम करना है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, राजस्थान में कांग्रेस शासन का आधार भ्रष्टाचार से भरी 'लाल डायरी', बड़े पैमाने पर महंगाई और माफिया शासन को बढ़ावा देने वाली नीतियां हैं। इसके विपरीत, भारत की बढ़ती बुनियादी ढांचागत शक्ति, मजबूत पर्यटन, भ्रष्टाचार मुक्त प्रणाली, कानून का शासन और सशक्तिकरण भाजपा का वादा और कुशल शासन की गारंटी है। अंत में प्रधानमंत्री मोदी ने सभी मतदाताओं से भाजपा को वोट देने और राजस्थान और भारत का तेज विकास सुनिश्चित करने की अपील की।

राष्ट्रपति ने '2047 में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी और विमानन' विषय पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन किया

नई दिल्ली, (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार को 2047 में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी और विमानन विषय पर एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन और प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इस सम्मेलन सह-प्रदर्शनी का आयोजन एयरोनॉटिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया की उत्कृष्टता के 75 वर्ष पूरे होने के मौके पर नई दिल्ली के यशोभूमि कन्वेंशन सेंटर में किया जा रहा है। इस मौके पर प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्यमंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह भी मौजूद थे। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने कहा कि 1948 में अपनी साधारण शुरूआत से लेकर आज तक एयरोनॉटिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया ने यह सुनिश्चित करने के लिए अथक प्रयास किया है कि न केवल एक ज्ञान-प्रणाली के रूप में वैमानिकी तेजी से बढ़े बल्कि यह प्रत्येक नागरिक के जीवन को भी व्यापक रूप से प्रभावित करे। राष्ट्रपति ने वैमानिकी विज्ञान और विमान इंजीनियरिंग के ज्ञान की उन्नति और प्रसार में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सभी की सराहना की, जिसने वैमानिकी पेशे को सबसे अधिक मांग वाले और ग्लैमरस करियर में से एक बना दिया है। राष्ट्रपति ने कहा कि विमानन मानव प्रतिभा की एक उल्लेखनीय उपलब्धि है जो प्रौद्योगिकी के सहज मेल के साथ कल्पनाशील शक्ति को वास्तविकता में लाती है। एयरोस्पेस और विमानन एक साथ विनम्र और लगभग अलौकिक गतिविधियां हैं जो हमें उस ग्रह के विशाल वैश्विक कनेक्शन और अंतरिक्ष और उससे परे की खोज का अवसर प्रदान करती हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि जैसा कि हम एयरोनॉटिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया की यात्रा का जश्न मनाते हैं, हम विमानन और एयरोस्पेस, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, मिसाइल प्रौद्योगिकी और विमान प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हमारे देश द्वारा हासिल की गई उपलब्धियों और सफलताओं पर आश्चर्यचकित हुए बिना नहीं रह सकते। चाहे वह मंगल मिशन को सफलतापूर्वक पूरा करने की उपलब्धि हो या मानव प्रयास से परे माने जाने वाले चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास सुरक्षित लैंडिंग, भारत ने साबित कर दिया है कि उसके पास इच्छाशक्ति, क्षमता है और वह जो हासिल करना चाहता है उसे पूरा करने की क्षमता है। गुणवत्ता, लागत-प्रभावशीलता और समय की पाबंदी के उच्चतम मानक हमारी सभी परियोजनाओं की पहचान रहे हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि हालांकि हमने लंबी प्रगति की है, लेकिन कई चुनौतियां भी बनी हुई हैं। रक्षा उद्देश्यों, वायु गतिशीलता और परिवहन के लिए गति और रनवे-स्वतंत्र प्रौद्योगिकियों को अपनाकर एयरोस्पेस क्षेत्र एक परिवर्तनकारी चरण से गुजर रहा है। मानव संसाधनों को अच्छी तरह से प्रशिक्षित करने और इन मुद्दों से सही ढंग से निपटने के लिए तैयार करने का भी मांगलिक कार्य है। साथ ही, वर्तमान कार्यबल को उन्नत और पुनः कुशल बनाने की भी आवश्यकता है। राष्ट्रपति ने कहा कि एयरो-प्रोपल्शन का डीकार्बोनाइजेशन एक कठिन कार्य है जिसे हमें करना होगा क्योंकि जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग मनुष्यों के अस्तित्व को खतरे में डाल रहे हैं। टिकाऊ जेट ईंधन का विकास अर्थव्यवस्था को कार्बन मुक्त करने के लिए बहुत जरूरी कदमों में से एक है, लेकिन इसे हासिल करना सबसे कठिन है क्योंकि पारंपरिक ईंधन बहुत अधिक घनत्व वाले होते हैं। गैर-जीवाश्म टिकाऊ संसाधनों को ढूंढना जो इन पारंपरिक ईंधनों की जगह ले सकें, प्राथमिकता का उद्देश्य होना चाहिए क्योंकि हम जलवायु परिवर्तन के चरम बिंदु पर पहुंच रहे हैं। अपने कार्बन पदचिह्न को कम करने के लिए, हमें बड़े पैमाने पर इलेक्ट्रिक, हाइड्रोजन और हाइब्रिड जैसी नई प्रणोदन प्रौद्योगिकियों को तेजी से अपनाने की आवश्यकता है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह सम्मेलन कई चुनौतियों का मूल्यवान समाधान प्रदान करेगा।

वर्ल्ड कप क्रिकेट : 8 राज्यों के सीएम और रिजर्व बैंक के गवर्नर को भी आमंत्रण, वीवीआईपी का होगा जमावड़ा

-मुकेश अंबानी समेत कई बड़े उद्योगपति भी आएंगे वर्ल्ड कप फाइनल देखने

अहमदाबाद, (हि.स.)। भारत और आस्ट्रेलिया के बीच वर्ल्ड कप फाइलन मैच का रोमांच लोगों के सिर चढ़कर बोलने लगा है। गुजरात और देश-विदेश से दर्शकों का अहमदबाद पहुंचना शुरू हो गया है। वीवीआईपी अतिथियों से भी दर्शक दीर्घा रविवार को भर जाएगी, ऐसी सूचनाएं भी मिल रही हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, आस्ट्रेलिया के उप प्रधानमंत्री और देश के गृह मंत्र अमित शाह के मैच में उपस्थित रहने की पहले ही पुष्टि हो चुकी है। इसके तहत प्रशासन ने जी-तोड़ तैयारी शुरू की है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच रविवार को अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में फाइनल मैच खेला जाएगा। मैच में रिलायन्स इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष मुकेश अंबानी के परिवार के साथ उपस्थित रहने की सूचना है। इसके अलावा 8 राज्यों के मुख्यमंत्री और रिजर्व बैंक के गर्वनर शक्तिकांत दास के भी मैच देखने आने की सूचना मिली है। मैच में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ ऑस्ट्रेलिया के उप प्रधानमंत्री रिचर्ड मार्ल्स के आने की जानकारी मिली है। इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज को भी निमंत्रण दिया गया है, उनके आने की अभी पुष्टि होनी बाकी है। हालांकि ऑस्ट्रेलिया का एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी भारत आएगा और अहमदाबाद में मैच के दौरान मौजूद रहेगा। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल के अलावा असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा और मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड संगमा भी अहमदाबाद फाइनल मैच देखने आएंगे।

रविवार को दिन के 3 बजे अहमदाबाद आएंगे प्रधानमंत्री मोदी : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वर्ल्ड कप का फाइनल मैच देखने रविवार को दोपहर 3 बजे अहमदाबाद हवाईअड्डे पर आएंगे। शाम 5 बजे के आसपास वे स्टेडियम पहुंचेंगे। मैच के बाद वे राजभवन जाएंगे। राजभवन में ही रात्रि विश्राम के बाद दूसरे दिन सोमवार को वे यहां से रवाना होंगे। सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत जनरल एविएशन (जीए) टर्मिनल शनिवार रात केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के आने के कारण रात 8.40 बजे और रविवार सुबह 11.30 बजे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आने की वजह से 30 मिनट तक टर्मिनल बंद रहेगा। इस दौरान अन्य लोग डोमेस्टिक, इंटरनेशनल हवाईअड्डे का उपयोग कर सकेंगे। सुरक्षा कारणों से कई चार्टर्ड प्लेन अहमदाबाद में पार्क होंगे। इसके अलावा वडोदरा, सूरत, राजकोट, जयपुर, इंदौर समेत 5 एयरपोर्ट चार्टर्ड प्लेन की पार्किंग के लिए स्टैंड बाय रहेंगे।

इनके आने की है संभावना : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, आस्ट्रेलिया के उप प्रधानमंत्री रिचर्ड मार्ल्स, गृह मंत्री अमित शाह, सचिन तेंदुलकर, क्लाइव लॉयड, कपिल देव, एमएस धोनी, इयान मोर्गन, रिकी पॉन्टिंग, फिल्म स्टार रजनीकांत, अमिताभ बच्चन, नीता अंबानी परिवार के साथ, मुकेश अंबानी, गौतम व करण अदाणी, जिंदल ग्रुप के पार्थ जिंदल, अनिल रायगुप्ता, माधव सिंघानिया, दीपक पारेख, अदार पुनावाला, आथिया शेट्टी, अनुष्का शर्मा, अक्षय कुमार, अजय देवेगन, पीसीबी के प्रमुख जका अशरफ, हार्दिक पंडया और चहल, मोहनलाल वेंकटेश, सिंगापुर के गृह मंत्री के शनमुगम, चेन्नई सुपर किंग्स के मालिक श्रीनिवासन आदि के अहमदाबाद मैच देखने आने की सूचना है।

बढ़ते वायु प्रदूषण पर एनजीटी ने दिल्ली, यूपी समेत 9 राज्यों को लगाई फटकार

अजय कुमार

- वायु गुणवत्ता में सुधार के लिए और कड़े कदम उठाने का दिया आदेश

- दिल्ली, यूपी, एमपी समेत 9 राज्यों से 22 नवंबर तक मांगी स्टेटस रिपोर्ट

नई दिल्ली, (हि.स.)। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने बढ़ते वायु प्रदूषण पर नौ राज्य सरकारों को फटकार लगाई है। एनजीटी ने राज्यों को वायु गुणवत्ता में सुधार के लिए और कड़े कदम उठाने का आदेश दिया। एनजीटी ने सभी नौ राज्यों से 22 नवंबर तक स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया है। एनजीटी ने दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, यूपी, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार और झारखंड को स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया। एनजीटी ने कहा कि दिल्ली में वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए उठाए गए कदम संतोषजनक नहीं हैं। संबंधित अधिकारियों को इस मुद्दे पर पूरी गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। दिल्ली-एनसीआर में वायु गुणवत्ता में कोई सुधार दिखाई नहीं दे रहा है बल्कि स्थिति सुधरने की बजाय बदतर हो गई है। 16 नवंबर को दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण कमेटी (डीपीसीसी) ने एनजीटी में दाखिल एक्शन टेकन रिपोर्ट में कहा है कि दिल्ली में प्रदूषण रोकने के लिए स्मॉग टावर्स प्रभावी नहीं है और वो प्रदूषण का व्यावहारिक समाधान नहीं है। डीपीसीसी ने आईआईटी बॉम्बे और दिल्ली की रिपोर्ट का जिक्र करते हुए कहा कि स्मॉग टावर्स अपने सौ मीटर की परिधि में 17 फीसदी ही प्रदूषण कम करता है। ऐसे में पूरी दिल्ली को कवर करने के लिए करीब 40 हजार स्मॉग टावर्स लगाने पड़ेंगे। दरअसल 8 नवंबर को एनजीटी ने दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, यूपी, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के बढ़ते वायु प्रदूषण पर स्वतः संज्ञान लेते हुए इन राज्यों से वायु प्रदूषण को रोकने के लिए तुरंत कदम उठाने को कहा था। एनजीटी ने राज्यों के मुख्य सचिवों, वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग के चेयरमैन, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया था। एनजीटी ने पराली जलने पंजाब सरकार को फटकार लगाते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद भी पूरे पंजाब में पराली जलाई जा रही है। एनजीटी ने कहा था कि आपका पूरा तंत्र पूरी तरह से फेल हो चुका है, इसलिए सुप्रीम कोर्ट ने इतना सख्त फैसला दिया है। एनजीटी ने कहा कि ऐसा लगता है आप अपने द्वारा उठाए गए कदम से खुश हैं। दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण को लेकर सख्ती बरतते हुए एनजीटी ने कहा था कि सभी सरकारी प्रोजेक्ट को छूट दी हुई है, अगर फ्लाईओवर, हाई-वे प्रोजेक्ट में 15 दिन की देर हो जाएगी तो कोई आसमान नहीं टूट जाएगा। एनजीटी ने कहा था कि जब लोग मरने लगेंगे तब दवा देते हैं कि शायद बच जाएगा वरना मरना तो है ही।

राजस्व मंत्री आतिशी ने लिया छठ घाटों की तैयारियों का जायजा

अजय त्यागी

नई दिल्ली। दिल्ली में आस्था के महापर्व छठ को श्रद्धालु भव्यता के साथ मना सकें, इसके लिए दिल्ली सरकार ने राजधानी दिल्ली में एक हजार से ज्यादा घाटों का निर्माण करवाया है। छठ घाटों पर तैयारियों की समीक्षा करने के दिल्ली सरकार के सभी विधायक ग्राउंड जीरो पर मौजूद हैं। इसी क्रम में राजस्व मंत्री आतिशी ने शनिवार को मयूर विहार फेज-3 स्थित छठ घाट का दौरा कर अंतिम दौर में चल रही तैयारियों का जायजा लिया। इस मौके पर आतिशी ने कहा कि दिल्ली में छठ महापर्व की तैयारियों में कोई कमी न रहे, इस दिशा में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के निर्देश पर सभी विधायक और सम्बन्धित विभागीय अधिकारी व कर्मचारी ग्राउंड जीरो पर मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि छठ का चार दिन का त्योहार कल से शुरू हो गया है। छठ दिल्ली वालों के लिए और पूर्वांचली भाई-बहनों के लिए बहुत महत्वपूर्ण त्योहार है। इसलिए दिल्ली सरकार छठ पर बहुत भव्य आयोजन करती है। सरकार द्वारा शहर भर में मोहल्लों में छठ घाटों का इंतजाम किया जाता है, कृत्रिम घाट बनाए जाते हैं। उन्होंने कहा कि ज्यादातर घाटों पर काम लगभग पूरा हो चुका है और बचा हुआ काम कल सुबह तक पूरा हो जाएगा। कल शाम श्रद्धालु यहां भव्यता से छठी मइया की उपासना कर सकेंगे। उन्होंने साझा किया कि पूरी दिल्ली में प्रदेश सरकार द्वारा एक हजार से ज्यादा घाट तैयार किए गए हैं ताकि किसी भी व्यक्ति को छठ का त्योहार मनाने के लिए अपने घर से दूर न जाना पड़े। इन घाटों पर तालाब बनाने से लेकर यहां टेंट, लाइट्स, साफ-सफाई और सुरक्षा आदि का इंतजाम दिल्ली सरकार द्वारा किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान राजस्व मंत्री ने ज़िला प्रशासन और पुलिस को निर्देश दिये कि सभी घाटों पर सुरक्षा के पुख़्ता इंतजाम किए जाएं, ताकि श्रद्धालुओं को किसी भी समस्या का सामना न करना पड़े। मयूर विहार फेज-3 स्थित डीडीए ग्राउंड में केजरीवाल सरकार ने 8 कृत्रिम तालाब का निर्माण करवाया है, जहां हजारों श्रद्धालु एक साथ पूजा कर सकेंगे।

आबकारी घोटाला: सत्येंद्र जैन पर आरोप तय करने के मामले में अगली सुनवाई 25 नवंबर को

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट ने दिल्ली आबकारी घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में आरोपित दिल्ली के पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन के खिलाफ आरोप तय करने के मामले में आज आंशिक दलीलें सुनी। स्पेशल जज विकास ढल ने 25 नवंबर को अगली सुनवाई करने का आदेश दिया। सत्येंद्र जैन की ओर से आज दस्तावेजों की जांच की मांग करते हुए अर्जी दाखिल की गई। 25 अक्टूबर को सुनवाई के दौरान ईडी ने कहा था कि चार्जशीट से जुड़े दस्तावेजों और अन्य दस्तावेज की लिस्ट सत्येंद्र जैन के वकील को दे दी गई है। मामले की जांच में आय से अधिक संपत्ति का पता चला है। इस स्टेज पर उनका खुलासा नहीं किया जा सकता। छापेमारी के समय पहुंचने और निकलने के दौरान क्या-क्या चीजें जब्त की गईं, वह सब रिकॉर्ड पर हैं। सुनवाई के दौरान सत्येंद्र जैन के वकील ने कहा था कि ईडी द्वारा जो लिस्ट दी गई है वह पूरी नहीं है। जुलाई 2022 के बाद मेरे और इस मामले के सह-आरोपितों के बयान दर्ज किए गए थे, जिसकी जानकारी अभी तक एजेंसी ने सत्येंद्र जैन को नहीं दी है।

उन्होंने कहा था कि जुलाई 2022 के बाद अगर कोई बयान दर्ज नहीं कराया है तो इसकी भी जानकारी कोर्ट को देनी होगी, क्योंकि ईडी के मुताबिक मामले की जांच अभी जारी है। पांच अक्टूबर को सुनवाई के दौरान सत्येंद्र जैन की ओर से मामले से जुड़े कुछ दस्तावेज और जब्त इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों को देने की मांग की थी। ईडी ने सत्येंद्र जैन की इस मांग का विरोध किया था। इसके पहले 20 सितंबर को राऊज एवेन्यू कोर्ट के प्रिंसिपल डिस्ट्रिक्ट एंड सेशंस जज ने सत्येंद्र जैन की ईडी और सीबीआई से जुड़े मामलों को दूसरी कोर्ट में ट्रांसफर करने की मांग खारिज कर दिया था। प्रिंसिपल डिस्ट्रिक्ट एंड सेशंस जज अंजू बजाज चांदना ने कहा था कि इस याचिका में कोई मेरिट नहीं है। जैन पर आरोप है कि उन्होंने 2009-10 और 2010-11 में फर्जी कंपनियां बनाईं। इन कंपनियों में अकिंचन डेवलपर्स प्रा.लि. इंडो मेटल इम्पेक्स प्रा.लि. प्रयास इंफो सॉल्यूशंस प्रा.लि. मंगलायतन प्रोजेक्ट्स प्रा.लि. शामिल हैं।

छठ महापर्व को लेकर दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने जारी की एडवाइजरी

अजय त्यागी

नई दिल्ली। छठ महापर्व को लेकर दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने एडवाइजरी जारी की है। देश में छठ महापर्व की शुरूआत के बाद दिल्ली में भी छठ पर्व को लेकर हर जगह पर तैयारी की जा रही है। ट्रैफिक पुलिस की तरफ से जारी की गई एडवाइजरी में कहा गया है कि छठ पर्व को लेकर दिल्ली में प्रमुख तालाब और घाटों से सटे सड़कों पर रविवार को यातायात प्रभावित रहने की संभावना है। एडवाइजरी में छठ पूजा उत्सव के लिए आवंटित स्थलों के पास की सड़कों से गुजरने से बचने की सलाह दी गई है। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस की तरफ से जारी एडवाइजरी में कहा गया है कि 19 नवंबर दोपहर/शाम को यातायात का सामान्य प्रवाह प्रभावित होने की संभावना है। 20 नवंबर, 2023 की सुबह प्रमुख तालाबों से लगी सड़कों पर यातायात पुलिस द्वारा आवश्यकता के आधार पर उचित मार्ग परिवर्तन किए जाएंगे। यात्रियों को छठ पूजा स्थलों से सटी सड़कों से बचने की सलाह दी जाती है। ट्रैफिक पुलिस द्वारा आउटर रिंग रोड, पुराने वजीराबाद ब्रिज से आईटीओ, विकास मार्ग, पुश्ता रोड (खजूरी/शास्त्री पार्क), कालिंदी कुंज ब्रिज, जीटीके रोड, रोहतक रोड, पंखा नजफगढ़ रोड, एमबी रोड, मां आनंदमई मार्ग आदि तक जाने वाली सड़कों पर जाने से बचने की सलाह दी गई है।

ट्रैफिक पुलिस की अपील: नई दिल्ली रेलवे स्टेशन, पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन, निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन और आईएसबीटी के लिए कोई प्रतिबंध नहीं होगा। हालांकि, लोगों को पहले से निकलना चाहिए और मार्गों में संभावित देरी को समायोजित करने के लिए पर्याप्त समय रखना चाहिए। लोगों से अनुरोध है कि वे सड़कों पर भीड़भाड़ कम करने के लिए दिल्ली मेट्रो जैसे सार्वजनिक परिवहन का लाभ उठाएं। अपने वाहन केवल निर्धारित पार्किंग स्थल पर ही पार्क करें।

सड़क किनारे पार्किंग से बचें, क्योंकि इससे यातायात के सामान्य प्रवाह में बाधा उत्पन्न होती है।

कोई भी अज्ञात वस्तु या संदिग्ध व्यक्ति दिखने पर सूचना अवश्य दें, ड्यूटी पर मौजूद निकटतम पुलिसकर्मी को सूचित किया जाएगा।

आम जनता और मोटर चालकों को सलाह दी जाती है कि वे धैर्य रखें, यातायात नियमों और सड़क अनुशासन का पालन करें और सभी चौराहों पर तैनात यातायात कर्मियों के निदेर्शों का पालन करें।

लोगों से अनुरोध है कि असुविधा से बचने के लिए वे अपनी यात्रा की योजना पहले से बनाएं।

प्रधानमंत्री के उप सचिव मंगेश पहुंचे सिलक्यारा सुरंग का निरीक्षण करने

उत्तरकाशी, (हि.स.)। प्रधानमंत्री के उप सचिव मंगेश घिल्डियाल उत्तरकाशी के सिलक्यारा सुरंग हादसे और रेस्क्यू आपरेशन का निरीक्षण करने के लिए शनिवार को घटनास्थल पर पहुंचे। ताकि सुरंग में खामियों के कारण हुए हादसे और बचाव कार्यों को बेहतर करने के साथ और तेजी से किया जा सके। इधर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि आगे के लिए हम इस तरह के सभी निर्माण कार्यों की समीक्षा करेंगे। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि प्रदेश में सभी टनल प्रोजेक्ट की समीक्षा की जाएगी। शहरों की वहन क्षमता का भी हम आकलन कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि मसूरी, देहरादून-टिहरी समेत प्रदेश में कई टनल प्रोजेक्ट प्रस्तावित व विचाराधीन हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि टनल निर्माण का कार्य एनएचआईडीसीएल कर रही है। सुरंग का काम पूरा होने वाला ही था। करीब 400 मीटर का काम शेष रह गया था। इसकी मॉनिटिरंग भी वही लोग कर रहे थे, तभी यह हादसा हो गया और सुरंग में 40 श्रमिक फंस गए। उन्होंने बताया कि एजेंसियां बचाव कार्य में जुटी हैं और राज्य सरकार इसमें उनका सहयोग कर रही है। प्रधानमंत्री कार्यालय भी बचाव अभियान पर नजर बनाए हुए हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी स्वयं लगातार बचाव कार्य देख रहे हैं। आज प्रधानमंत्री कार्यालय के उप सचिव मंगेश घिल्डियाल ने उत्तरकाशी सुरंग दुर्घटनास्थल का निरीक्षण करने पहुंचे हैं। इस दौरान उन्होंने बीते सात दिनों से चले रेस्क्यू कार्य की फीड बैक लिया। मुख्यमंत्री धामी ने बताया कि प्रधानमंत्री के उप सचिव घिल्डियाल इस बारे में समीक्षा कर रहे हैं और सभी लोगों से टनल में हुए हादसे और राहत-बचाव संबंधी जानकारी ले रहे हैं। उप सचिव घिल्डियाल उनसे भी फीडबैक लिया है। प्रधानमंत्री और केंद्र सरकार के स्तर से निर्देश दिए गए हैं कि ऐसी कठिन परिस्थितियों में जो एजेंसियां व विशेषज्ञ काम करते हैं, उनसे संपर्क किया जाए। मुख्यमंत्री ने बताया कि ऐसे सभी लोग अभियान से जुड़े हैं और उनका मार्गदर्शन प्राप्त हो रहा है। मुख्यमंत्री ने बताया कि वहां पर जितनी भी एजेंसियां काम कर रही हैं, उन्हें राज्य सरकार की ओर से हर प्रकार का सहयोग दिया जा रहा है। मुख्य सचिव व अन्य अधिकारी उनके संपर्क में हैं। तकनीकी चीजें उन्हीं को करनी है, राज्य सरकार उनको पूरा सहयोग दे रही है। मुख्यमंत्री ने बताया कि टनल में फंसे सभी श्रमिक सुरक्षित हैं। उनसे लगातार संपर्क हो रहा है। सभी को खाना, पानी, ऑक्सीजन सभी व्यवस्थाएं की जा रही हैं। टनल हादसे के दौरान जो हालात बनें, उन्हें पहले नहीं देखा जाना चाहिए था। इस सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि अभी हमारी सबसे पहली प्राथमिकता सभी मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकालने की है।

अशोक गहलोत के खिलाफ आपराधिक मानहानि मामले में समन को चुनौती देने वाली याचिका पर फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट के सेशंस कोर्ट ने राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के खिलाफ केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत की ओर से दायर आपराधिक मानहानि मामले में एडिशनल मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट कोर्ट से जारी समन को चुनौती देने वाली याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया है। स्पेशल जज एमके नागपाल ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया। तीस अक्टूबर को सुनवाई के दौरान मुख्यमंत्री गहलोत की ओर से वकील आरोही मिक्किलिनेनी और गजेंद्र सिंह शेखावत की ओर से पेश वकील विकास पाहवा ने दलीलें रखी थीं। इसके पहले 16 सितंबर को अशोक गहलोत की ओर से कहा गया था कि गजेंद्र सिंह का कहना है कि मानहानि का मामला इसलिए बनता है, क्योंकि शेखावत का नाम एफआईआर में नहीं है। शेखावत का नाम चार्जशीट में भी नहीं था। गहलोत का बयान राज्य के गृहमंत्री के रूप में दिया गया था। जो बयान गहलोत द्वारा सदन में दिया गया था वह राज्य के स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप की ओर से उपलब्ध कराई गई जानकारी के मुताबिक था। ऐसे में गहलोत के खिलाफ आपराधिक मानहानि का मामला नहीं बनता है। इस पर गजेंद्र सिंह की ओर से पेश वकील ने इसका विरोध करते हुए कहा था कि केस डायरी से छेड़छाड़ की गई थी। सेशंस कोर्ट ने एक अगस्त को गहलोत के खिलाफ जारी समन पर रोक लगाने से इनकार करते हुए गहलोत को वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये पेश होने की अनुमति दी थी। छह जुलाई को एडिशनल मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट हरजीत सिंह जसपाल ने शेखावत की ओर से दायर आपराधिक मानहानि के मामले पर अशोक गहलोत को समन जारी किया था। कोर्ट ने गहलोत को 7 अगस्त को कोर्ट में पेश होने का आदेश दिया था। एडिशनल मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट हरजीत सिंह जसपाल के इसी आदेश को गहलोत ने सेशंस कोर्ट में चुनौती दी है। दिल्ली पुलिस ने 25 मई को अपनी जांच रिपोर्ट कोर्ट दाखिल की थी। इस मामले में गजेंद्र सिंह शेखावत ने कोर्ट में दिए अपने बयान में कहा था कि संजीवनी घोटाले से मेरा कोई संबंध नहीं है। शेखावत ने कहा था कि जांच एजेंसियों ने मुझे आरोपित नहीं माना, मेरे ऊपर झूठे आरोप लगाए गए हैं। शेखावत ने कहा था कि अशोक गहलोत ने उनकी छवि खराब करने के लिए उनके खिलाफ झूठे आरोप लगाए। याचिका में कहा गया है कि अशोक गहलोत ने सार्वजनिक बयान दिया कि संजीवनी कोआपरेटिव सोसायटी घोटाले में शेखावत के खिलाफ स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) की जांच में आरोप साबित हो चुका है। याचिका में कहा गया है कि मुख्यमंत्री गहलोत ने ट्वीट कर कहा कि संजीवनी कोआपरेटिव सोसायटी ने करीब एक लाख लोगों की गाढ़ी कमाई लूट ली। इस घोटाले में करीब नौ सौ करोड़ रुपये की हेराफेरी का आरोप लगाया गया है। याचिका में कहा गया है कि गहलोत ने अपने ट्वीट में कहा कि ईडी को संपत्ति जब्त करने का अधिकार है न कि एसओजी को। एसओजी ने कई बार ईडी से संजीवनी कोआपरेटिव सोसायटी की संपत्ति जब्त करने का आग्रह किया है लेकिन ईडी ने कोई कार्रवाई नहीं की जबकि ईडी विपक्ष के नेताओं पर लगातार कार्रवाई कर रही है। गहलोत ने अपने ट्वीट में शेखावत से कहा कि अगर आप निर्दोष हैं तो आगे आइए और लोगों के पैसे वापस कीजिए। याचिका में कहा गया है कि मुख्यमंत्री गहलोत ने शेखावत का नाम एक ऐसी कोऑपरेटिव सोसाइटी के साथ जोड़कर चरित्र हनन करने की कोशिश की जिसका न तो वे और न ही उनके परिवार का कोई सदस्य जमाकर्ता है।

हलाल सर्टिफिकेशन 'हराम', यूपी में लग सकता है प्रतिबंध

लखनऊ, (हि.स.)। बिना किसी अधिकार के खान-पान एवं सौंदर्य प्रसाधन के उत्पादों को अवैध ढंग से 'हलाल सर्टिफिकेट' देने के काले कारोबार पर अब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का चाबुक चलने जा रहा है। मजहब की आड़ लेकर एक धर्म विशेष को बरगलाने और अन्य धर्मों के बीच विद्वेष भड़काने की इस नापाक कोशिश का मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संज्ञान लिया है और कठोर कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। आशंका है कि कूटरचित दस्तावेजों का सहारा लेकर हलाल सर्टिफिकेट के नाम पर इकट्ठा हो रही अवैध कमाई से आतंकवादी संगठनों व राष्ट्रविरोधी गतिविधियों की फंडिंग की जा रही है। वहीं अब लखनऊ कमिश्नरेट में एफआईआर भी दर्ज की गई है। एफआईआर के मुताबिक हलाल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड चेन्नई, जमीयत उलेमा हिन्द हलाल ट्रस्ट दिल्ली, हलाल काउंसिल ऑफ इंडिया मुम्बई, जमीयत उलेमा महाराष्ट्र मुम्बई आदि द्वारा एक धर्म विशेष के ग्राहकों को मजहब के नाम से कुछ उत्पादों पर हलाल प्रमाणपत्र प्रदान कर उनकी बिक्री बढ़ाने के लिए आर्थिक लाभ लेकर अवैध कारोबार चलाया जा रहा है। इन कंपनियों के पास किसी उत्पाद को प्रमाण पत्र देने का कोई अधिकार नहीं है। उक्त कम्पनियों द्वारा कूटरचित प्रमाण पत्र तैयार कर आर्थिक लाभ लेकर विभिन्न कम्पनियों को हलाल प्रमाण पत्र निर्गत किया जा रहा है। यह सामाजिक विद्वेष बढ़ाने वाला तो है ही, जनआस्था के साथ छल भी है। शिकायतकर्ता ने इसे बड़ी साजिश की आशंका जताते हुए कहा है कि जिन कम्पनियों ने ऐसा हलाल प्रमाण पत्र इनसे नहीं प्राप्त किया है, उनके उत्पादन की बिक्री को घटाने का प्रयास भी किया जा रहा है, जो कि आपराधिक कृत्य है। आशंका है कि इस अनुचित लाभ को समाज विरोधी/राष्ट्र विरोधी तत्वों को पहुंचाया जा रहा है। खास बात यह कि शाकाहारी उत्पादों जैसे तेल, साबुन, टूथपेस्ट, मधु आदि की बिक्री के लिए भी हलाल प्रमाण पत्र दिया जा रहा है, जबकि शाकाहारी वस्तुओं पर ऐसे किसी प्रमाण पत्र की आवश्यकता नहीं होती है। जाहिर है कि एक समुदाय विशेष एवं उनके उत्पादों के विरुद्ध आपराधिक षड्यंत्र किया जा रहा है। शिकायतकर्ता का आरोप है कि मजहब की आड़ लेकर एक वर्ग विशेष के बीच अनर्गल प्रचार-प्रसार भी किया जा रहा है कि ऐसे उत्पाद का प्रयोग न करें जिसे इनकी कम्पनी द्वारा हलाल प्रमाणपत्र न दिया गया हो। परिणाम स्वरूप दूसरे समुदाय विशेष के व्यावसायिक हितों का नुकसान हो रहा है। इस प्रकार आम नागरिकों के लिए उपयोग होने वाली वस्तुओं पर भी हलाल प्रमाण पत्र जारी कर अनुचित आर्थिक लाभ कमाने का कुत्सित प्रयास किया जा रहा है। उपरोक्त कम्पनियों द्वारा ऐसा न केवल आर्थिक लाभ के लिए बल्कि समाज में वर्ग विद्वेष फैलाने, आम जनमानस मे विभेद कराकर देश को कमजोर करने के लिए पूर्व सुनियोजित योजना के अनुसार किया जा रहा है, जिसमें उक्त कम्पनियों के मालिक प्रबन्धक के अलावा अन्य तमाम लोगो की भी एक आपराधिक षड्यंत्र के तहत सहभागिता है तथा इसमें राष्ट्रविरोधी षड्यंत्र करने वाले व देश को कमजोर करने वाले अन्य तमाम लोग भी शामिल हैं। शिकायतकर्ता ने उक्त लोगों द्वारा करोड़ों रुपये का अनुचित लाभ भी कमा कर उससे आतंकी संगठनों व राष्ट्र विरोधी गतिविधियों की फंडिंग किये जाने की आशंका भी जताई है। बता दें कि खान-पान के उत्पादों की गुणवत्ता आदि के प्रमाण पत्र के लिए एफएसएसएआई व आईएसआई जैसी संस्थाओं को अधिकृत किया गया है।

8 माह बाद भी जमीन पर नहीं आया कोई प्रस्ताव, सीएम ने दिये समीक्षा के आदेश

-ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट

लखनऊ (ईएमएस)। यूपी में पिछले ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट को 8 महीने बीत चुके हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को विभिन्न विभागों के साथ विशेष बैठक कर विभागवार और जनपदवार निवेश प्रस्तावों की समीक्षा की और क्रियान्वयन के दिशा-निर्देश दिए। सीएम ने स्पष्ट कि 15 लाख करोड़ रुपये की परियोजनाओं को अंतिम रूप देने के बाद ही सेरेमनी होगी। समिट में 39.52 लाख करोड़ के औद्योगिक निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुये थे। सीएम योगी ने निवेश प्रस्तावों को जमीन पर उतारने की तैयारी तेज करने के निर्देश दिए। सभी प्रस्तावों पर यदि निवेश हुआ तो राज्य में 1.10 करोड़ रोजगार के अवसर सृजित होंगे। ये प्रस्ताव मैन्युफैक्चरिंग, ग्रीन एनर्जी, ईवी, टेक्सटाइल, डेटा सेंटर, फूड प्रोसेसिंग, सर्कुलर इकॉनमी, स्वास्थ्य, शिक्षा सहित विभिन्न सेक्टरों से हैं। समीक्षा बैठक में अधिकारियों ने सीएम को बताया कि 8 हजार से अधिक परियोजनाएं जमीन पर उतरने को तैयार हैं। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि नवगठित बुंदेलखंड औद्योगिक विकास प्राधिकरण में 36 हजार एकड़ भूमि अधिग्रहण किया जाना है। यहां सीईओ व अन्य मानव संसाधन की तैनाती तत्काल कर दी जाए। यह प्रयास प्रदेश में बुंदेलखंड के विकास को एक नई ऊंचाई देने वाला होगा। उन्होंने कहा कि उद्योगों के लिए भूमि प्राथमिक आवश्यकता है। भूमि अधिग्रहण के लिए नवगठित बुंदेलखंड औद्योगिक विकास प्राधिकरण सहित विभिन्न प्राधिकरणों को आवश्यक धनराशि जारी की गई है। इनका यथोचित उपयोग करते हुए लैंडबैंक का विस्तार किया करें।

यूपी को टीबी मुक्त करने के लिये सभी जिले टीबी के केसों की जांच बढ़ाएं

लखनऊ (ईएमएस)। यूपी को ट्यूबरक्लोसिस मुक्त करने के लिये गति से काम हो रहा है। इसके लिए टीबी के मरीजों को खोज कर उनका इलाज किया जा रहा है। योगी सरकार ने केसों की जांच कराने का फैसला किया है। स्टेट टीबी अफसर डॉ शैलेंद्र भटनागर ने इस संबंध में सभी जिला क्षय रोग अधिकारियों को पत्र जारी किया है। पत्र में निर्देश दिया गया है कि सभी जिले प्रीजेम्टिव टीबी के केसों की जांच बढ़ाएं। इस साल प्रीजेम्टिव टीबी इक्जामिनेशन रेट 2 हजार प्रति वर्ष होना चाहिए। ज्यादातर जिले इस लक्ष्य को अभी तक प्राप्त नहीं कर सके हैं इसलिए साल के बचे कार्यदिवसों में लक्ष्य को प्राप्त करें। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने हालांकि टीबी मरीज खोजने के मामले में भारत की तारीफ की है। डब्ल्यूएचओ की ग्लोबल टीबी रिपोर्ट 2023 के अनुसार वर्ष 2022 में टीबी से होने वाली मौतें भी घटी हैं। इस दौरान दुनिया के 27 फीसदी टीबी मरीज भारत में पाए गए हैं। ये आंकड़े बताते हैं कि देश-प्रदेश में टीबी मरीजों को चिंहिकरण का काम तेज हुआ है। नेशनल स्ट्रेटजिक प्लान 2017-2025 के अनुसार टीबी उन्मूलन का लक्ष्य 44 केस प्रति लाख निर्धारित किया गया है।

ग्लोबल टीबी रिपोर्ट 2023 के अनुसार देश में बीते साल 199 केस प्रति लाख मिले हैं जिससे 2023 में 77 प्रति लाख होने की उम्मीद है। एसटीओ ने हाई रिस्क वाले क्षेत्रों में एक्टिव केस फाइंडिंग कैम्पेन कराने, क्षय रोगियों के संपर्क में रहने वाले सभी व्यक्तियों की जांच कराने, गैर संचारी रोग क्लीनिक, आरबीएसके/आरकेएसके की स्क्रीनिंग कराने के लिए जांच कराने और समस्त स्वास्थ्य सुविधाओं की नियमित मानीटरिंग के निर्देश दिए हैं।

चलती कार से युवक पिस्टल लहराता दिखाई दिया

गाजियाबाद (ईएमएस)। गाजियाबाद से सामने आये एक वीडियो में चलती कर से एक युवक हाथ बाहर निकले हुए पिस्टल को लहराता दिखाई दे रहा है। उस कार के पीछे चल रही चल रहे दूसरे कार सवार ने इसका वीडियो बनाया और सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। काफी देर तक यह युवक कार के शीशे से हाथ बाहर निकाल कर पिस्टल लहराता हुआ आसपास के वाहन चालकों को दिखा रहा था। वीडियो के सोशल मीडिया पर आने के बाद पुलिस जल्द ही कड़ी कार्रवाई की बात कर रही है। यह वीडियो गाजियाबाद के न 24 सिद्धार्थ विहार के पास का बताया जा रहा है। कार सवार बिना पुलिस के डर के और बेहद बेखौफ तरीके से पिस्टल बाहर लहराता दिखाई दे रहा है। वीडियो बनाने वाले ने 38 सेकंड का वीडियो बनाया है। इसमें साफ तौर पर देखने को मिल रहा है की गाड़ी एनएच 24 पर दौड़ रही है और आगे से साइन बोर्ड पर सिद्धार्थ विहार और अन्य इलाकों के साइन बोर्ड दिखाई दे रहे हैं। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस वाहन चालक की तलाश कर है।

अनहोनी से निपटने की तैयारी : छठ घाटों पर तैनात रहेंगे गोताखोर

गोरखपुर, (हि.स.)। छठ घाटों पर हुए सुरक्षा व्यवस्था को लेकर जिले के आला अधिकारी काफी संजीदा हैं। शनिवार को अधिकारियों ने छठ घाटों का जयाजा लिया और सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक पुख्ता करने के निर्देश दिये। इ स दौरान किसी अनहोनी से निपटने की तैयारियों पर भी विचार किया गया। छठ घाटों पर गोताखोरों की तैनाती सुनिश्चित की गयी। लोक आस्था के महापर्व छठ पर्व को लेकर गंभीर जिले के आला अधिकारी शनिवार को अचानक छठ घाट पहुंचे। यहाँ पहुंचे एडीजी जोन अखिल कुमार, आईजी रेंज जे रविंद्र गौड़, मंडलायुक्त अनिल ढींगरा, जिला अधिकारी कृष्ण करुणेश, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. गौरव ग्रोवर, नगर आयुक्त गौरव सिंह सोगरवाल और जीडीए उपाध्यक्ष आनंद वर्धन ने छठ घाट का निरीक्षण शुरू किया। छठ घाट पर मौजूद पुलिस अधीक्षक नगर कृष्ण बिश्नोई और अपर आयुक्त दुर्गेश मिश्रा ने भी निरीक्षण कार्य में अपनी जिम्मेदारी निभानी शुरू कर दी। कुछ हि देर में घाट के सभी क्षेत्रों का निरीक्षण पूरा हो गया। अधिकारियों ने इस दौरान एक बिंदु पर सूक्ष्मता से विचार किया। कुछ देर बाद सुरक्षा में लगे अन्य अधिकारियों से बातचीत शुरू की और अन्य सभी जानकारियां इकट्ठा की। छठ घाटों पर आने वाली व्रती महिलाओं की सुरक्षा के बावत हो रही बातचीत के दौरान घाट के किनारों पर गोताखोरों को तैनात करने के निर्देश दिये गये।

राजघाट के राप्ती नदी पर रामघाट व गोरखनाथ धाम घाट, रामगढ़ ताल साहित्य अन्य स्थानों पर बनाए गए छठ घाटों के किनारे व्रती महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद रखने को कहा गया। अधिकारियों ने इन घाटों के किनारे एनडीआरफ, एसडीआरएफ और गोताखोरों की टीम तैनाती के निर्देश दिये। ये जवान रविवार की शाम से सोमवार की सुबह तक यहाँ तैनात रहेंगे। किसी भी अनहोनी से निपटेंगे। बता दें कि व्रती महिलाओं की सुरक्षा के लिए घाटों पर साफ-सफाई से लेकर सुरक्षा के इंतजाम पुख्ता कर लिए गये हैं। लाइटिंग और खतरे के निशान पर बैरिकेडिंग भी लगाई गई है। आपात स्थिति से निपटने के लिए स्वास्थ्य विभाग ने घाटों पर चिकित्सा के पुख्ता इन्तजाम किये हैं।

महिला समन्वय समिति के संयोजन में होगा जनपद स्तरीय नारी चेतना सम्मेलन

बिजनौर,(हि.स.)। जनपद के विवेक कॉलेज में महिला समन्वय समिति बिजनौर विभाग मेरठ प्रांत द्वारा नारी चेतना सम्मेलन का आयोजन आज 19 नवंबर को किया जा रहा है जिस-का उद्घाटन नैना सहस्त्र बुद्दे रिटायर्ड जीएम बैंक ऑफ बड़ौदा करेंगी। उक्त जानकारी महिला संबंध में समिति की जिलाध्यक्ष डॉक्टर मंजू चौधरी ने प्रेस वार्ता कर शनिवार को दी। उन्होंने बताया कि सम्मेलन का उद्देश्य है महिलाओं को एक मंच पर लाकर देश तथा समाज के लिए एक जुट होकर कार्य करने के लिए प्रेरित करना है। उन्होंने बताया कि समापन सत्र की मुख्य वक्ता प्रसिद्ध लेखक दिल्ली विश्वविद्यालय में डायरेक्टर प्रेरणा मेहरोत्रा होगी। इस सम्मेलन में वकील, शिक्षक, डाक्टर, साइसिंस्ट से लेकर आम ग्रहणी बड़ी संख्या में शामिल होगी जिनके बीच विचारों के आदान प्रदान के साथ देश व समाज, संस्कृति के विकास पर भी गहन चिंतन किया जायेगा। सकुंजबाला ने बताया कि भारतीय समाज में नारी का सदैव विशिष्ट सम्मानित स्थान रहा है इसीलिए राष्ट्र को सुधार करने के लिए मातृशक्ति की भूमिका को सर्वोच्च स्थान देने की परिकल्पना करते हुए इस नई चेतना सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है जो 19 नवंबर को 10:00 बजे से 3:00 बजे तक होगा। इस मौके पर उनके साथ कार्यक्रम की सहसंयोजक लीना सिंघल, सुरभि चौधरी, रजनी डॉक्टर मुकेश चौधरी, डा० जूही, मधुमति देशवाल आदि मौजूद रहीं।

गढ़वा में सतबहिनी झरना तीर्थ और पर्यटन स्थल पर बनारस की तर्ज पर होगी गंगा आरती

गढ़वा, (हि.स.)। जिले के कांडी प्र-खंड क्षेत्र अंतर्गत प्रसिद्ध सतबहिनी झरना तीर्थ और पर्यटन स्थल में र-विवार को बनारस की तर्ज पर गंगा आरती कराई जाएगी। यह जानकारी युवा संघर्ष सेना प्रमुख अनूप कुमार उपाध्याय उर्फ बड्डू उपाध्याय ने दी। अनूप ने कहा कि रविवार की दोपहर दो बजे से छठ व्रतियों के बीच फल का वितरण किया जाएगा। शाम छह बजे से वाराणसी से पहुंचे विद्वान पंडितों की टीम विधिवत गंगा आरती करेगी। यह बनारस की तर्ज पर आधारित होगा। रात 9 बजे से भव्य भक्ति जागरण कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। युवा संघर्ष सेना की टीम सोमवार की अहले सुबह उगते भगवान भास्कर को अर्घ्य देने के लिए व्रतियों को दूध भी उपलब्ध कराएगी। कार्यक्रम के सफल संचालन में युवा संघर्ष सेना के केंद्रीय अध्यक्ष झुनू सिंह, उपाध्यक्ष ब्रह्मदयाल उपाध्याय व महासचिव विवेक पांडेय लगे हुए हैं।

डालसा ने तपकारा साप्ताहिक हाट में लगाया कानूनी जागरुकता शिविर

खूंटी, (हि.स.)। झालसा रांची के निर्देश पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार खूंटी ने प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह डालसा अध्यक्ष सत्य प्रकाश के मार्गदर्शन में शनिवार को तपकारा साप्ताहिक हाट में 100 दिवसीय बच्चों के हित संबंधी विशेष विधिक एवं सहायता अभियान के तहत कानूनी जागरुकता शिविर का आयोजन किया। डालसा के एलएड-ीसी डिप्टी चीफ ने हाट में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि यह कार्यक्रम खासकर दूर-दराज के ग्रामीण इलाकों में रहने वाले बच्चे व उनके विभाग को जागरूक करने के लिए चलाया जा रहा है। बच्चों के माता-पिता और अभिभावकों को जागरूक करते हुए उन्होंने कहा कि बच्चों को शिक्षा से जोड़ें और मानव तस्करों से दूर रहें। साथ ही बच्चों को किसी भी व्यक्ति या संस्था को न सौंपें और न ही किसी के बहकावे में आएं। लोगों को वाहन दुर्घटना के बारे में जागरूक करते हुए उन्होंने कहा कि यातायात के नियमों का पालन करें और बिना हेलमेट, लाइसेंस, बीमा और अन्य जरूरी कागजात के वाहन न चलाएं। दुर्घटना होने की स्थिति में सड़क जाम न करें, बल्कि मुआवजा प्राप्त करें। कानून को हाथ में न लें, बल्कि कानून का साथ दें।

हाई कोर्ट से मनी लांड्रिंग के आरोपित निदेशक को मिली अग्रिम जमानत

रांची, (हि.स.)। झारखंड हाई कोर्ट से शनिवार को मनी लांड्रिंग के आरोपित रामगढ़ स्पंज आयरन प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक महावीर प्रसाद रूंगटा को अग्रिम जमानत मिल गई। मामले में ईडी ने ईसीआईआर 7/2022 दर्ज किया था। न्यायाधीश गौतम कुमार चौधरी की कोर्ट ने मामले में आदेश सुनाया है। पूर्व में ईडी के विशेष न्यायाधीश पीके शर्मा की अदालत ने 4.33 करोड़ रुपये के मनी लांड्रिंग के आरोपित महावीर प्रसाद रूंगटा की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी थी, जिसके बाद उसने हाई कोर्ट में अग्रिम जमानत के लिए याचिका दाखिल की थी। मामले में चार्जशीट दाखिल होने के बाद उस पर गिरफ्तारी की तलवार लटक रही थी। इसी से बचने के लिए अग्रिम जमानत अर्जी दाखिल की थी। इस मामले में राकेश कुमार सिंघानिया भी आरोपित हैं। व्यक्तिगत उपस्थिति से छूट संबंधी महावीर प्रसाद की याचिका को भी कोर्ट पूर्व में खारिज कर चुकी है।

विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान डीआईएलआरएमपी में सफल गांव का होगा अभिनंदन : गिरिराज सिंह

बेगूसराय, (हि.स.)। केन्द्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा है कि केन्द्र सरकार योजनाओं की परिपूर्णता प्राप्त करने के लिए जन संपर्क गतिविधियों के माध्यम से जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से 15 नवम्बर से 26 जनवरी 2024 तक विकसित भारत संकल्प यात्रा का आयोजन कर रही है। उन्होंने बताया कि भूमि संसाधन विभाग ने विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत पात्र गांवों को अभिनंदन पत्र वितरित करने और ग्राम पंचायतों को सम्मानित करने की योजना बनाई है। डिजिटल इंडिया भूमि अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम का उद्देश्य एक आधुनिक, व्यापक और पारदर्शी भूमि रिकॉर्ड प्रबंधन प्रणाली विकसित करना है। विकसित भारत संकल्प यात्रा के पहले चरण में जनजातीय जिलों की ग्राम पंचायतों को अभिनंदन पत्र प्रदान किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा है कि केन्द्र सरकार के केंद्रीय क्षेत्र की योजना डिजिटल इंडिया भूमि अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम (डीआईएलआरएमपी) द्वारा एक सौ प्रतिशत वित्त पोषण के साथ भूमि संसाधन विभाग (डीओएलआर) द्वारा कार्यान्वित की जा रही है। डिजिटल इंडिया भूमि अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम का उद्देश्य आधुनिक, व्यापक और पारदर्शी भूमि रिकॉर्ड प्रबंधन प्रणाली विकसित करना है। डिजिटल इंडिया भूमि अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम के माध्यम से भूमि संबंधी मामलों में काफी प्रगति हुई है। भूमि संसाधन विभाग ने जिलों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा और निगरानी की दिशा में एक कदम के रूप में जिलों के बीच ग्रेडिंग प्रक्रिया शुरू की है। प्लेटिनम ग्रेडिंग उन जिलों को प्रदान जा रही है, जिन्होंने 26 अक्टूबर तक छह बुनियादी घटकों में 99 प्रतिशत और उससे अधिक काम पूरा कर लिया है। राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों द्वारा प्रदान किए गए आंकड़ों के अनुसार 14 राज्यों के 157 जिलों ने बुनियादी छह घटकों में 99 प्रतिशत और उससे अधिक कार्य पूरा कर लिया है। जिसमें भूमि अभिलेखों का कम्प्यूटर-ीकरण, कैडस्ट्रल मानचित्र/एफएमबी का डिजिटलीकरण, कैडस्ट्रल मानचित्रों के साथ आरओआर का जुड़ाव, पंजीकरण का कम्प्यूटरीकरण, भूमि रिकॉर्ड के साथ पंजीकरण का एकीकरण तथा आधुनिक रिकार्ड रूम प्रमुख घटक है। इन छह घटकों के कार्यान्वयन से भूमि पर वास्तविक समय की जानकारी प्राप्त करने में सुधार की सुविधा प्राप्त होगी। भूमि संसाधनों का अधिकतम उपयोग भूस्वामियों और भविष्यवक्ताओं दोनों को लाभ तथा नीति एवं योजना में सहायता मिलेगा। इससे भूमि विवादों को कम करने, धोखाधड़ी और बेनामी लेनदेन की जांच करने, राजस्व और पंजीयन कार्यालयों में भौतिक दौरे की आवश्यकता को समाप्त करने तथा विभिन्न संगठनों और एजेंसियों के साथ जानकारी साझा करने में सक्षम बनाने की सुविधा प्राप्त होगी। सरकार योजनाओं की परिपूर्णता प्राप्त करने के लिए जनसंपर्क गतिविधियों के माध्यम से जागरूकता बढ़ाने के लिए 15 नवम्बर से 26 जनवरी तक विकसित भारत संकल्प यात्रा का आयोजन कर रही है। इसके लिए पूरे मंडल में ठोस प्रयासों के साथ-साथ सक्रिय जनभागीदारी की आवश्यकता होगी। जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि देश के हर एक व्यक्ति और सबसे कमजोर लोगों तक प्रभावी ढंग से योजनाओं का लाभ पहुंचाया जा सके। विकसित भारत संकल्प यात्रा का उद्देश्य है, उन वंचित लोगों तक पहुंचना जो विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत पात्र हैं, लेकिन अभी तक योजना का लाभ प्राप्त नहीं कर सके हैं। उनमें योजनाओं के संबंध में जानकारी का प्रसार एवं जागरूकता पैदा करना। नागरिकों से सीखना-व्यक्तिगत कहानियों और अनुभव स-झा करने के माध्यम से सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों के साथ बातचीत की जाएगी। संभावित लाभार्थियों का नामांकन होगा। विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत भूमि संसाधन विभाग ने पात्र गांवों को विकसित भारत संकल्प यात्रा के कार्यक्रम के अनुसार भूमि अभिलेखों के डिजिटलीकरण का कार्य पूरा करने में 99 प्रतिशत या उससे अधिक सफलता प्राप्त करने के लिए अभिनंदन पत्र और प्रमाण पत्र वितरण तथा गावों को सम्मानित किया जाएगा।

मोहिनी देवी चेरिटेबल ट्रस्ट ने छठव्रतियों के बीच छठ सामग्री, साड़ी और कंबल का किया वितरण

अररिया, (हि.स.)। अररिया के आ-रएस स्थित मोहिनी देवी मेमोरियल स्कूल परिसर में मोहिनी देवी मेमोरियल चेरिटेबल ट्रस्ट की ओर से शनिवार को छठव्रतियों के बीच छठ की सामग्री के साथ जरूरतमंदों के बीच साड़ी और कंबल का वितरण किया। इसके अतिरिक्त लोक आस्था के पर्व को लेकर ट्रस्ट की ओर से स्कूल परिसर में पचास परिवारों के लिए कृत्रिम तालाब का निर्माण कराया गया है। कृत्रिम तालाब में 50 से अधिक छठव्रती भगवान सूर्य का आराधना करते हैं।स्कूल निदेशक डा.संजय प्रधान ने स्कूल परिसर में शनिवार को छठव्रतियों के बीच फल -फूल, नारियल, धूप, सूप, अगरबत्ती प्रदान किया गया। वहीं जरूरतमंद महिलाओं और बुजुर्गों के बीच साड़ी और कंबल वितरित किया गया। मौके पर निदेशक डा.संजय प्रधान ने कहा कि मोहिनी देवी मेमोरियल ट्रस्ट सामाजिक सरोकार से जुड़ा है। बाढ़,अग्निकांड, महामारी और कोरोना जैसे आपदा काल में अपने सामाजिक सरोकार के तहत सेवा भाव के साथ निर्वहन करते आई है। छठ हिंदी पट्टी क्षेत्र का सबसे बड़ा और लोक आस्था का पर्व है और सभी लोग आस्था के साथ पर्व को मनाए। इसलिए हरेक साल ट्रस्ट की ओर से सैकड़ों छठव्रतियों के बीच छठ सामग्री का वितरण करती है। मौके पर ट्रस्ट के सदस्यों में कृपाशंकर द्विवेदी, राजप्रकाश भाटिया, सुशील गुप्ता, मनोज भगत, आरटीआई एक्टिविस्ट अजय सिंह,अन्नू गुप्ता, स्कूल के प्राचार्य राजेश रंजन, एन के दास, प्रद्युत मंडल, विनोद राय, बीरेंद्र गुप्ता, पंकज द्विवेदी, राजेश गुप्ता, राकेश सिंह, विकास ठाकुर, विकास पाठक, धीरज राय, अरुण गुप्ता आदि उपस्थित थे।

संपादकीय

सुधीर शर्मा की एक्यूरेसी

सत्ता के दिन और महीने यूं ही गुजर जाएंगे, याद तब आएगी जब सरोकार डूब जाएंगे। कांग्रेस सरकार लगभग अपने एक साल पूरा होने की कोशिश में न जाने कितने किले बना चुकी है और यह यथार्थ भी है कि आगामी लोकसभा चुनाव सत्ता के दामन से गुजरेंगे। बहरहाल नरवाणा में प्री.वल्ड एक्यूरेसी प्रतियोगिता में पैराग्लाइडिंग उड़ान भर रही है, तो सियासत के पंख भी उड़ रहे हैं क्योंकि जिक्र उस विधायक का होने लगा जो कभी पहले वीरभद्र सरकार का अहम किरदार और सशक्त मंत्री रहा है। धर्मशाला से पहले बैजनाथ के विधायक रहे सुधीर शर्मा अपने विजन की बदौलत जाने गए हैं। आज बीड़-बिलिंग पैराग्लाइडिंग की ग्लोबल पहचान है तो यह इस विधायक की दूरदृष्टि का परिणाम है। पर्यटन आर्थिकी का यह प्रयोग अब बीड़-बिलिंग से उतर कर नरवाणा का स्पर्श कर रहा है, तो इसे क्यों न सुधीर शर्मा की विजन एक्यूरेसी माना जाए। कुछ माह की मेहनत ने नरवाणा को पैराग्लाइडिंग की जन्नत बना दिया, तो यह खोज हर विधानसभा क्षेत्र के विविध पहलुओं से तसदीक हो सकती है। दिव्य हिमाचल पिछले दो दशकों से हिमाचल को पर्यटन राज्य के तौर पर मुकम्मल करने के लिए हर विधानसभा क्षेत्र में कम से कम एक टूरिस्ट विलेज के विकास की राय दे रहा है। ये पर्यटक गांव विभिन्न विभागीय गतिविधियों के दायित्व में कहीं वनसंपदा के साथ ईको टूरिज्म, कहीं मंदिर-गुरुद्वारे के साथ धार्मिक पर्यटन, कहीं ट्रैकिंग या वाटर स्पोट्र्स के साथ साहसिक पर्यटन, कहीं खेतीबाड़ी-बागबानी के साथ एग्रो टूरिज्म, कहीं कला-संस्कृति के साथ कला पर्यटन, कहीं हाई-वे टूरिज्म तो कहीं हाट बाजार की शक्ल में 68 पर्यटक गांव विकसित करके ग्रामीण आर्थिकी का सहारा बन सकते हैं। हमारी खड्डें अगर जलापूर्ति-सिंचाई के साथ-साथ बाढ़ नियंत्रण तथा लघु बांध परियोजनाओं के साथ तटीकरण का स्थायी ढांचा विकसित करें, तो यही पानी पर्यटन को अमृत बना देगा। नौकाविहार से कैनोइंग तक के मनोरंजन के साथ क्षेत्र को पर्यटक गांव बना सकता है। बहरहाल यहां यही जिक्र सुधीर शर्मा के सरोकारों से जुड़ता है। होती होगी सियासत, वरना इस विधायक की वरिष्ठता प्रदेश मंत्रिमंडल में नजर आती। हो सकता है सुधीर आगे भी विधायक ही बने रहें, लेकिन बतौर विधायक उन्हें जनता के ताज को अपने प्रदर्शन का सिंहासन सौंपना होगा। राजनीतिक नेतृत्व से हट कर भी लोग सामाजिक नेतृत्व में अपने इरादों को परवान चढ़ाते रहे हैं। इस विधायक की खूबी विकासात्मक नजरिए के कारण अगर आज नरवाणा को चमका रही है, तो कभी सुधीर ने चामुंडा-मकलोडगंज और एयरपोर्ट के नेटवर्क में स्काई बस का खाका बुना था और रज्जु मार्ग से मकलोडगंज को जोड़ा था। आश्चर्य यह कि सात साल पहले बन गए प्रदेश के पहले ट्यूलिप गार्डन में पिछली सरकार ने ऐसे कांटे बोए कि आज भी वहां भुतहा माहौल है। नरघोटा में सेटेलाइट टाउन की निशानदेही राजनीतिक कारणों से उजड़ गई और जदरांगल में केंद्रीय विश्वविद्यालय की नींव नीलाम होने लगी है। पिछले कुछ महीने पहले आई तमाम अनापत्तियों और स्वीकृतियों के बावजूद सरकार अगर तीस करोड़ जमा कराने में भी अक्षम है, तो नरवाणा के पंछी जदरांगल तक के मौसम की खबर जान सकते हैं। वाकई कितनी घृणित होती है सियासत जो एकतरफा होने के लिए तर्क ढूंढ लेती है। उदाहरण के लिए वनखंडी का चिड़ियाघर अगर उपयुक्त स्थल है, तो इसकी वजह पौंग वेटलैंड की समीपता के दायरे भी हैं। पौंग वेटलैंड के बीचोंबीच केंद्रीय विश्वविद्यालय का देहरा परिसर शायद प्रवासी पक्षियों की भाषा बदल दे, लेकिन जदरांगल को नजरअंदाज करके कांग्रेस सरकार अनुराग ठाकुर के सपने को ही पूरा कर रही है। खैर यह हिमाचल का सियासी नजरिया है जो कांगड़ा से नेतृत्व को पनपने नहीं देता। आखिर में वीरभद्र सिंह भी संभले तो तपोवन में विधानसभा परिसर, शीतकालीन सत्र और शीतकालीन प्रवास के बाद धर्मशाला शीत कालीन राजधानी बन गई, लेकिन अब कांग्रेस सरकार का नया दौर यानी परिवर्तन का दौर है। ऐसे में कांगड़ा के चाहे बीड़-बिलिंग या नरवाणा से सियासी पैराग्लाइडिंग हो, एक्यूरेसी तो आनी ही चाहिए। हम खेल को राजनीति से अलहदा रखकर नरवाणा में युवा उमंगों को उत्साहित होता देखना चाहते हैं, लेकिन ऐसे नेताओं को हाशियों से बाहर करके पार्टियों का उत्थान भी तो संभव नहीं। कुछ महीनों बाद राजनीति का एक बड़ा खेल लोकसभा चुनाव भी खेलेंगे, तब जनता को आश्वासन देने के लिए कर्मठ विधायक व मंत्री चाहिए। क्या कांगड़ा से भाजपा या कांग्रेस के लिए नए उम्मीदवार चुनना आसान होगा।

पर्यटन आर्थिकी का यह प्रयोग अब बीड़-बिलिंग से उतर कर नरवाणा का स्पर्श कर रहा है, तो इसे क्यों न सुधीर शर्मा की विजन एक्यूरेसी माना जाए। कुछ माह की मेहनत ने नरवाणा को पैराग्लाइडिंग की जन्नत बना दिया, तो यह खोज हर विधानसभा क्षेत्र के विविध पहलुओं से तसदीक हो सकती है। दिव्य हिमाचल पिछले दो दशकों से हिमाचल को पर्यटन राज्य के तौर पर मुकम्मल करने के लिए हर विधानसभा क्षेत्र में कम से कम एक टूरिस्ट विलेज के विकास की राय दे रहा है। ये पर्यटक गांव विभिन्न विभागीय गतिविधियों के दायित्व में कहीं वनसंपदा के साथ ईको टूरिज्म, कहीं मंदिर-गुरुद्वारे के साथ धार्मिक पर्यटन, कहीं ट्रैकिंग या वाटर स्पोट्र्स के साथ साहसिक पर्यटन, कहीं खेतीबाड़ी-बागबानी के साथ एग्रो टूरिज्म, कहीं कला-संस्कृति के साथ कला पर्यटन, कहीं हाई-वे टूरिज्म तो कहीं हाट बाजार की शक्ल में 68 पर्यटक गांव विकसित करके ग्रामीण आर्थिकी का सहारा बन सकते हैं।

कुछ अलग

बाइडेन-शी मुलाकात

करीब छह लंबे सालों के बाद चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग अमरीका गए। उन्होंने वहां 'एशिया पेसिफिक इकोनॉमिक को-ऑपरेशन' (एपेक) के शिखर सम्मेलन में भाग लिया, लेकिन उसी दौरान अमरीकी राष्ट्रपति जोसेफ बाइडेन से देर रात मुलाकात और बातचीत महत्वपूर्ण मानी जा सकती है। एक मुलाकात से ही दो देशों के आपसी तनाव, विवाद और छाया-युद्ध के संकट हल होने लगेंगे, ऐसा सोचना ही फिजूल है। अलबत्ता दोनों राष्ट्रपति फिर से सैन्य-वार्ता (हॉटलाइन) को बहाल करने पर सहमत हुए हैं, यह ही महत्वपूर्ण निष्कर्ष है। जी-20 देशों के बाली शिखर सम्मेलन के करीब एक साल बाद दोनों राष्ट्रपति मिले हैं, तो संवाद और संचार का सिलसिला भी बंध सकता है। उसी से कई संघर्ष और तनाव शांत पड़ सकते हैं, लेकिन एक मुलाकात से ही अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य और समीकरण बदल जाएंगे, यह फिलहाल संभव नहीं है। अमरीका और चीन के बीच सैन्य स्तर पर संबंध खटास में पड़ गए थे अथवा टूटने के कगार तक पहुंच चुके थे, क्योंकि अमरीका की तत्कालीन स्पीकर नैन्सी पेलोसी ताइवान के प्रवास पर गई थीं। अब उनमें बहाली होगी, तो कुछ गलतफहमियां पिघल भी सकती हैं। ताइवान और दक्षिण चीन सागर आदि के मुद्दों पर चीन अब भी अडियल है, क्योंकि वह ताइवान को अपना हिस्सा मानता है और अपने में मिलाना चाहता है। बताया जा रहा है कि चीनी राष्ट्रपति ने यह मुद्दा अमरीकी समकक्ष के सामने उठाते हुए आग्रह किया है कि अमरीका ताइवान को हथियार देना बंद करे। लेकिन शी जिनपिंग का यह कहना महत्वपूर्ण है कि हम आक्रमण का रास्ता अपनाने से बचें। चीन अमरीका को पछाड़ना अथवा उसकी जगह लेना नहीं चाहता, लिहाजा अमरीका भी चीन को दबाना बंद करे। इस संदर्भ में शी ने पहली बार चीन को 'महाशक्ति' करार दिया। दूसरी तरफ अमरीकी राष्ट्रपति बाइडेन ने स्पष्ट किया कि ताइवान पर अमरीका का रुख बदलने वाला नहीं है। दरअसल आपसी प्रतिस्पर्धा को किसी भी स्थिति में संघर्ष में तबदील करने से बचा जाए। बहरहाल यदि ताइवान पर संवाद किया गया है, तो क्वाड, ऑकस (अमरीका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया के बीच एक सुरक्षा, सैन्य समझौता) और पुराने साथी देश जापान के साथ संबंध सुधारते हुए रणनीतिक विस्तार पर भी अमरीकी-चीनी राष्ट्रपतियों में बातचीत हुई होगी। दरअसल बीते एक दशक या उससे कुछ अधिक समय के दौरान अमरीका ने एशिया में अपनी रणनीति को व्यापकता और मजबूती दी है। भारत और जापान इसके सबसे अहम उदाहरण हैं। वे आपस में रणनीतिक साझेदार भी हैं। हिंद प्रशांत महासागर, दक्षिण चीन सागर आदि बेहद संवेदनशील क्षेत्रों में अमरीका और उसके साथी देश मिलकर चीन को कितना 'प्रभावहीन' बना सकेंगे, यह भी संवाद का एक महत्वपूर्ण पक्ष रहा होगा। दोनों राष्ट्रपतियों के संवाद के संदर्भ में भारत की यह भूमिका जरूर कारगर रहेगी कि वह वाशिंगटन-बीजिंग के बदलते संबंधों पर गहरी निगाह रखे। यदि अमरीका-चीन में तनाव और टकराव के हालात शांत होते हैं, तो उसका फायदा वैश्विक बाजार को भी होगा।

पिछले कई वर्षों से रख रखाव नहीं होने के कारण यह सड़क बिल्कुल ख़राब स्थिति में पहुँच चुकी है

नाममात्र की सड़क से गुजरती कठिनाइयां

पुष्पा आर्या

हमारे देश की अर्थव्यवस्था मुख्यतः ग्रामीण क्षेत्रों पर निर्भर करती है। आज भी देश की 74 प्रतिशत आबादी यहीं से है। लेकिन इसके बावजूद ग्रामीण क्षेत्र आज भी कई प्रकार की बुनियादी सुविधाओं से वंचित है। इनमें सड़क की समस्या भी अहम है। कुछ दशक पूर्व देश के ग्रामीण क्षेत्रों के सड़कों की हालत काफी खराब थी। लेकिन वर्ष 2000 में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) के लांच होने के बाद से इस स्थिति में काफी सुधार आया है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के शुरू होने से पूर्व देश के लगभग आठ लाख 25 हजार गांवों और बस्तियों में से करीब तीन लाख 30 हजार गाँव और बस्तियां ऐसी थी जो पूरी तरह से सड़कविहीन थी। यहां सड़कें केवल नाममात्र की थी। इसका सीधा असर ग्रामीण जनजीवन और अर्थव्यवस्था पर देखने को मिलता था। इन क्षेत्रों में उत्तराखंड भी प्रमुख रहा है. जहां के कई दूर दराज ग्रामीण क्षेत्र ऐसे हैं जो आज भी सड़कविहीन हैं। राज्य के गठन के 23 साल बाद भी कई ग्रामीण क्षेत्रों में सड़कों की हालत खस्ता है। इन्हीं में एक कन्यालीकोट गाँव भी है। बागेश्वर जिला से करीब 25 किमी दूर इस गाँव में सड़क नाममात्र स्थिति में है। इसकी स्थिति इतनी जर्जर है कि इस पर से गुजरना किसी विपत्ति को आमंत्रण देने जैसा है। पिछले कई वर्षों से रख रखाव नहीं होने के कारण यह सड़क बिल्कुल ख़राब स्थिति में पहुँच चुकी है। बारिश ने इसकी हालत को और भी बुरा बना दिया है। सड़क पर बड़े बड़े गड्ढे बन चुके हैं। जिससे होकर किसी भी बड़ी गाड़ियों को गुजरना मुश्किल हो जाता है। ग्रामीणों का ऐसा कोई वर्ग नहीं है, जिसे इसकी वजह से कठिनाइयों का सामना नहीं करना पड़ता है। चाहे वह बुजुर्ग हों, मरीज़ हो, आम आदमी हो या फिर स्कूली छात्र-छात्राएं, सभी यहां की जर्जर सड़क से आए दिन किसी न किसी प्रकार की परेशानियों का सामना करते रहते हैं। सड़क की खराब स्थिति का खामियाजा ग्रामीणों को दैनिक जीवन में भुगतनी पड़ती है। इसकी वजह से कोई भी सवारी गाड़ी गाँव में नहीं आती है। लोगों को शहर जाने के लिए गाँव से कई किमी दूर पैदल चलकर आना पड़ता है, जहां से फिर उन्हें गाड़ी मिलती है। अलबत्ता गांव में गड्ढों के बीच सड़कों के कुछ अंश देखने को अवश्य मिल जाते हैं।

इस स्थिति में यह अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं होगा कि बारिश के दिनों में यहां के लोगों के लिए किस प्रकार की कठिनाइयां आती होगी? इस दौरान गांव में यातायात की सुविधा लगभग ठप्प होकर रह जाती है। इस कारण लोगों को पैदल ही आना-जाना पड़ता है। इस पैदल सफर में भी उनकी मुश्किल खत्म नहीं होती है। गड्ढों की वजह से अक्सर लोग दुर्घटना का शिकार हो जाते हैं, जिसमें एक बड़ी संख्या वृद्धों और गर्भवती महिलाओं की है। अक्सर गाँव की गर्भवती महिलाओं को प्रसव के समय जर्जर सड़क का खामियाजा भुगतनी पड़ती है। एक तरफ जहां वह प्रसव पीड़ा से गुजरती हैं वहीं दूसरी ओर उनके परिजन निजी वाहनों के लिए पैसों की व्यवस्था में परेशान रहते हैं। राज्य में 108 पर कॉल कर एंबुलेंस बुलाई जा सकती है, लेकिन सड़क नहीं होने के कारण गाँव तक एंबुलेंस नहीं पहुँच पाती है। ऐसे में आर्थिक रूप से सशक्त परिजन किसी प्रकार निजी वाहन की व्यवस्था कर लेते हैं। लेकिन गरीब परिवार जो निजी वाहन की व्यवस्था करने में असमर्थ होते हैं, वह मरीज को खाट पर बांध कर मुख्य सड़क तक लाते हैं। ऐसे में वर्षा के दिनों में क्या स्थिति होती होगी इसका सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है। इस संबंध में गाँव की एक महिला का कहना है कि सड़क खराब होने के कारण गांव की महिलाओं और बुजुर्गों को सबसे अधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। सबसे ज्यादा कठिनाई तो गर्भवती महिलाओं को होती है। जब उन्हें चेकअप के लिए अस्पताल जाना होता है। वह खराब सड़क की वजह से कभी भी समय पर अस्पताल नहीं पहुंच पाती हैं, जिस कारण कई बार वह चेकअप कराने से वंचित रह जाती हैं। इससे उनका पैसा और समय दोनों ही बर्बाद हो जाता है। प्रसव के समय उन्हें सही सलामत अस्पताल पहुंचाना परिजनों की सबसे बड़ी चुनौती होती है। अक्सर इसके कारण महिलाओं की मौत तक हो जाती है। इन महिलाओं का कहना है कि सड़क की जर्जर स्थिति और मुश्किल समय को देखते हुए निजी वाहन वाले भी मनमाना किराया वसूलते हैं, जो आर्थिक रूप से कमज़ोर परिवारों के लिए आसान नहीं होता है। सड़क की खराब हालत के कारण गांव में कभी भी समय पर एम्बुलेंस नहीं पहुंच पाती है और बारिश के समय तो उसका पहुंचना लगभग असंभव हो जाता है। सड़क की जर्जर व्यवस्था ने केवल गाँव की सामाजिक ज़िंदगी को ही नहीं, बल्कि उसे आर्थिक रूप से भी नुकसान पहुंचाया है। ऐसा लगता है कि गाँव का विकास भी इन्हीं किसी गड्ढों में दुर्घटनाग्रस्त हो चुका है। गाँव की आर्थिक स्थिति खराब होने के कारण युवा रोजगार के लिए शहरों का रुख करने लगे हैं। इस संबंध में सामाजिक कार्यकर्ता नीलम ग्रैंडी का कहना है कि सड़क की जर्जर हालत ने कन्यालीकोट के सामाजिक और आर्थिक व्यवस्था को ठप्प कर दिया है। एक तरफ जहां यह प्रशासनिक उदासीनता का शिकार हुआ है वहीं दूसरी ओर राजनीतिक रूप से भी इसे नजरअंदाज किया जाता रहा है। इस गाँव में सड़क का मुद्दा न केवल ग्राम पंचायत चुनाव बल्कि विधानसभा चुनाव में प्रमुख रहा है। सभी उमीदवारों ने जीतने के बाद सड़क की हालत को सुधारने का वादा अवश्य किया, लेकिन गाँव वाले आज भी इस वादा के पूरा होने का इंतज़ार कर रहे हैं। बहरहाल, गांवों के लोगों के लिए सड़क का नहीं होना किसी अभिशाप की तरह है। ऐसा नहीं है कि गांव वाले इसके लिए गंभीर नहीं हैं. लोग सड़क की हालत सुधारने के लिए गुहार लगाते-लगाते थक चुके हैं. धीरे धीरे उनकी उम्मीदें भी टूटने लगी हैं. यही कारण है कि जो ग्रामीण सामर्थ्यवान थे वे परिवार के साथ गांव छोड़ कर शहरों का रुख कर चुके हैं. लेकिन आर्थिक रूप से कमज़ोर और लाचार ग्रामीण आज भी मुसीबत झेलने के लिए विवश हैं। राज्य गठन के बाद लोगों को उम्मीद थी कि उनके घर या आसपास तक उन्नत सड़क पहुंच जाएगी लेकिन 23 साल बाद भी उनकी यह आस अब तक पूरी नहीं हुई है। देखना यह है कि उनकी उम्मीदें कब पूरी होंगी।

आज भी देश की 74 प्रतिशत आबादी यहीं से है। लेकिन इसके बावजूद ग्रामीण क्षेत्र आज भी कई प्रकार की बुनियादी सुविधाओं से वंचित है। इनमें सड़क की समस्या भी अहम है। कुछ दशक पूर्व देश के ग्रामीण क्षेत्रों के सड़कों की हालत काफी खराब थी। लेकिन वर्ष 2000 में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) के लांच होने के बाद से इस स्थिति में काफी सुधार आया है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के शुरू होने से पूर्व देश के लगभग आठ लाख 25 हजार गांवों और बस्तियों में से करीब तीन लाख 30 हजार गाँव और बस्तियां ऐसी थी जो पूरी तरह से सड़कविहीन थी।

पैसों-पर्यावरण को आग लगाते समृद्ध लोग

दशहरा धनतेरस, छोटी दीपावली, बड़ी दीपावली, गोवर्धन पूजा तथा भाई दूज सब त्योहार धूमधाम तथा हर्षोल्लास से बीत गए। लोगों ने खूब मिठाई बांटी, बहुत पटाखे तथा धमाके चले। खूब बधाई भी दी तथा त्योहारी सीजन बहुत ही आनन्ददायक एवं उल्लासपूर्वक बीता, परन्तु इतनी खुशी प्रसन्नता तथा हर्षोल्लास में हम एक बधाई देना तो भूल ही गए। इस बार हम दुनिया में पहले स्थान पर पहुंच गए हैं। प्रथम आने पर बधाई तो बनती ही है। जी हां, बधाई हो दीपावली मनाने के अगले ही दिन के बाद भारतवर्ष के तीन महानगर दिल्ली, मुम्बई तथा कोलकाता वायु प्रदूषण में प्रथम स्थान पर पहुंच गए हैं। भारतवर्ष की राजधानी दिल्ली वायु प्रदूषण की दृष्टि से दुनिया का सबसे प्रदूषित महानगर बन गया। दिल्ली के साथ-साथ गाजियाबाद, नोएडा, ग्रेटर नोएडा तथा फरीदाबाद तथा गुरुग्राम जैसे शहर भी गम्भीर वायु प्रदूषण की चपेट में हैं। पटाखाबाजी से पंजाब तथा हरियाणा में सांस लेना दूभर हो गया है। केन्द्रीय पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की चेतावनी के अनुसार अगले कुछ दिनों तक दमघोंटू धुएं के साथ आसमान पर समोग की जहरीली चादर छाई रहने की संभावना है। दीपावली के पटाखों के जहरीले धमाकों से हिमाचल प्रदेश जैसे स्वच्छ राज्य की हवा भी प्रदूषित होने से नहीं बच सकी। दीपावली के अगले दिन सुंदरनगर, पांवटा साहिब, काला अम्ब, शिमला, धर्मशाला, बद्दी, नालागढ़, घुमारवीं, मण्डी, कुल्लू जैसे शहरों में प्रदूषित तथा जहरीली हवा की परत देखी तथा महसूस की गई। राज्य प्रदूषण बोर्ड की रिपोर्ट में धर्मशाला जैसे शहर का प्रदूषण स्तर 44 से 144 माइक्रोग्राम पहुंचना सभी को चिंतित करता है। अप्रत्यक्ष रूप से यह प्रदूषण स्तर हमारी समृद्ध आर्थिकी तथा बेपरवाह गैर जिम्मेदाराना व्यवहार को भी प्रदर्शित करता है। यह ठीक है कि लगभग 1.5 अरब जनसंख्या के साथ भारतवर्ष पूरे विश्व में सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश है। हम विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र हैं। यह भी सही है कि हम पूरी दुनिया की वैश्विक आर्थिकी में सबसे आगे हैं। आम, केला, अरंडी के बीज, जूट तथा दालों के उत्पादन में विश्व में शीर्ष स्थान पर हैं। स्टील उत्पादन, टेलीकॉम सेक्टर तथा सोलर सिस्टम में भी हम विश्व में सबसे आगे हैं। हम चावल, गेहूं, गन्ना, कपास, मूंगफली, सब्जियां तथा फल उत्पादन में भी दुनिया में द्वितीय स्थान पर रह कर शीर्ष की ओर अग्रसर हैं। लेकिन इस बार हमने वायु प्रदूषण में भी प्रथम स्थान पर पहुंच कर झण्डे गाड़ दिए हैं। हालांकि वायु प्रदूषण में दुनिया में भारत का प्रथम आना सैलिब्रेट तो नहीं किया जा सकता, न ही बधाई दी जा सकती है, क्योंकि प्रथम स्थान पर रहने की आड़ में कहीं फिर से पटाखाबाजी तथा आतिशबाजी न शुरू हो जाए। बहुत ही विचित्र स्थिति है। एक ओर शीर्ष अदालत के आदेशों की धज्जियां उडऩा, दूसरी ओर सरकारों की असमर्थता तथा लोगों की धार्मिक आस्था, स्वतन्त्रता, उमंग, उल्लास, बेपरवाही, पैसे की गर्मी या फिर बेखरापन। 'वाायु प्रदूषण में भारत दुनिया में सबसे आगे'- दीपावली सैलिब्रेशन के अगले ही दिन भारतवर्ष के सभी मुख्य समाचारपत्रों में यह खबर सुर्खियों में आती है। बहुत ही शर्मनाक है यह। स्विस कम्पनी ए क्यू एयर के अनुसार दिल्ली को 358 ए क्यू आई के साथ दुनिया का सबसे वायु प्रदूषित शहर तथा मुम्बई को पांचवें एवं कोलकाता को छठे नम्बर पर पाया गया। शीर्ष अदालत तथा दिल्ली सरकार द्वारा पटाखों पर सख्त प्रतिबंध के बाबजूद पूरी रात आतिशबाजी चलती रही। शीर्ष अदालत के आदेश, सरकार के फरमान के विरुद्ध ये शहर जहरीला धुआं उगलते रहे। इस बारे पिछले दिनों हुई बारिश से दिल्ली वासियों को एक्यूआई में काफी राहत मिली थी जो दीपावली की रात में धुआं-धुआं हो गई। क्या हम जानते हैं कि वायु प्रदूषण से हर वर्ष लाखों लोग मौत के आगोश में चले जाते हैं? क्या खुशी और उल्लास के लिए पटाखे फोडऩा बहुत आवश्यक है? क्या हमें पता है कि भगवान राम के चौदह वर्ष के वनवास काटने के बाद पटाखे नहीं, दीप जलाए गए थे। कितने नासमझ और गैर-जिम्मेदार हैं हम। पढ़े-लिखों के इन महानगरों में यह जानते हुए कि यह जहरीली वायु हमारे ही विनाश का कारण बन सकती है। कितने जीव-जंतुओं, पशु-पक्षियों, पालतु जानवरों, छोटे-छोटे बच्चों, बुजुर्गों, मनुष्यों, बीमारों को तकलीफ हुई होगी? कितने अस्थमा रोगी परेशान हुए होंगे? कितने पशु-पक्षी तथा घरेलू जानवर दुबक कर तथा सहम कर रहे होंगे? यह हमारी असंवेदनशीलता की पराकाष्ठा का परिचय देता है। ईमानदारी से स्वीकार करते हुए आत्मचिंतन करें कि हम कितने असभ्य एवं असंवेदनशील हैं जो अपनी खुशी, मस्ती, उल्लास, आनन्द तथा बेपरवाही से किसी के दुःख-तकलीफ तथा परेशानी को नहीं समझते। प्रकृति ने अनेकों बार हमें हमारे कृत्यों की सजा दी है। कितनी बार हमने प्रकृति की सजा को भुगता है। इसके बावजूद हम कितने नासमझ हैं कि समझते हुए भी अपने स्वार्थ के लिए समझना नहीं चाहते। हमें यह समझना होगा कि किसी भी धर्म या धर्मग्रंथ में खुशी और उल्लास के अवसर पर पटाखे फोडऩा या वायु में जहरीले अवयव घोल कर उसे प्रदूषित करने की बात नहीं लिखी गई है। विचार करें कि पंचभूतों में वायु एक मुख्य घटक है। श्वास के बिना हम एक पल भी जीवित नहीं रह सकते। इस वायु में जहर न घोलें क्योंकि इस पर केवल तुम्हारा अधिकार नहीं, बल्कि सम्पूर्ण प्रकृति के जीव-जंतु तथा मनुष्य इस पर निर्भर करते हैं। यह वायु जीवनदायिनी है, इसे प्रदूषित न कर इसका वास्तविक मूल्य समझें। इसी में ही मानवीय कल्याण है।

केन्द्रीय पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की चेतावनी के अनुसार अगले कुछ दिनों तक दमघोंटू धुएं के साथ आसमान पर समोग की जहरीली चादर छाई रहने की संभावना है। दीपावली के पटाखों के जहरीले धमाकों से हिमाचल प्रदेश जैसे स्वच्छ राज्य की हवा भी प्रदूषित होने से नहीं बच सकी। दीपावली के अगले दिन सुंदरनगर, पांवटा साहिब, काला अम्ब, शिमला, धर्मशाला, बद्दी, नालागढ़, घुमारवीं, मण्डी, कुल्लू जैसे शहरों में प्रदूषित तथा जहरीली हवा की परत देखी तथा महसूस की गई। राज्य प्रदूषण बोर्ड की रिपोर्ट में धर्मशाला जैसे शहर का प्रदूषण स्तर 44 से 144 माइक्रोग्राम पहुंचना सभी को चिंतित करता है। अप्रत्यक्ष रूप से यह प्रदूषण स्तर हमारी समृद्ध आर्थिकी तथा बेपरवाह गैर जिम्मेदाराना व्यवहार को भी प्रदर्शित करता है। यह ठीक है कि लगभग 1.5 अरब जनसंख्या के साथ भारतवर्ष पूरे विश्व में सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश है। हम विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र हैं।

देश दुनीया से

आरक्षण की आग से खेलते सियासी दल

आरक्षण की आग से अभी तक रह-रह कर सुलग रहे मणिपुर से देश के राजनीतिक दलों ने कोई सबक नहीं सीखा। राजनीतिक दल आरक्षण को वोट बैंक का हथियार बनाए हुए हैं। सत्ता पाने की होड़ इस कदर मची हुई है कि सुप्रीम कोर्ट के निर्णय की परवाह भी नहीं है। राजनीतिक दलों का यदि जोर चलता तो शायद सुप्रीम कोर्ट के आदेश का उल्लंघन करने में पीछे नहीं रहते। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव और आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर आरक्षण का जिन्न फिर से नजर आ रहा है। इतना ही नहीं, तमाम तरह के भ्रष्टाचार और लालफीताशाही से जूझते हुए अपने बलबूते चलने वाले निजी क्षेत्र राजनीतिक दलों की महत्वाकांक्षाओं की बलिवेदी पर चढ़ रहे हैं। निजी क्षेत्रों में आरक्षण की मांग जोर पकड़ती जा रही है। देश की एकता-अखंडता को नुकसान पहुंचाने की आरक्षण की राजनीति में कोई भी दल पीछे नहीं है। हालांकि भारतीय जनता पार्टी अंदरूनी तौर पर आरक्षण विरोधी रही है, किन्तु राजनीतिक दलों से मुकाबला करने के लिए उसे भी इसे चुनावी हथियार की तरह उपयोग करना पड़ा है। तेलंगाना में विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने निजी शैक्षणिक संस्थानों और निजी कंपनियों की नौकरियों में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षण का वादा किया। पार्टी ने यह भी वादा किया है कि एससी के लिए आरक्षण बढ़ाकर 18 प्रतिशत कर दिया जाएगा। कांग्रेस के आरक्षण को वोट बैंक के तौर पर इस्तेमाल करने से भाजपा को भी यही रणनीति अपनानी पड़ी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हैदराबाद में एक जनसभा में कहा कि केंद्र जल्द ही एक समिति बनाएगा जो अनुसूचित जाति के वर्गीकरण की मडिगा (एक एससी समुदाय) की मांग के संबंध में उसे सशक्त बनाने के लिए सभी संभावित तरीके अपनाएगी। मोदी ने यह बात मडिगा आरक्षण पोराटा समिति (एमआरपीएस) द्वारा आयोजित एक रैली में कही, जो मडिगा समुदाय का एक संगठन है। यह समुदाय तेलुगू राज्यों तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में अनुसूचित जाति के सबसे बड़े घटकों में से एक है। एमआरपीएस पिछले तीन दशकों से इस आधार पर एससी के वर्गीकरण के लिए लड़ रहा है कि आरक्षण और अन्य का लाभ उन तक नहीं पहुंचा है। पीएम मोदी ने कहा कि भाजपा पिछले तीन दशकों से हर संघर्ष में उनके साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि हम इस अन्याय को जल्द से जल्द खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारा वादा है कि हम जल्द ही एक समिति का गठन करेंगे जो आपको सशक्त बनाने के लिए हरसंभव तरीके अपनाएगी। आप और हम यह भी जानते हैं कि एक बड़ी कानूनी प्रक्रिया सुप्रीम कोर्ट में चल रही है। हम आपके संघर्ष को सही मानते हैं। उन्होंने कहा कि हम न्याय सुनिश्चित करेंगे। यह भारत सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है कि आपको अदालत में भी न्याय मिले। भारत सरकार पूरी ताकत के साथ आपके सहयोगी के रूप में न्याय के पक्ष में खड़ी रहेगी। आरक्षण की राजनीति करने से हुई हिंसा और तोडफ़ोड़ से राजनीतिक दलों का कोई सरोकार नहीं रह गया है। इसका प्रमाण महाराष्ट्र का मराठा आरक्षण आंदोलन है। मराठा आरक्षण समर्थक प्रदर्शनकारियों ने महाराष्ट्र के विधायक प्रकाश सोलंके के घर में तोडफ़ोड़ की और आग लगा दी। गुस्साई भीड़ ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के एक कार्यालय को भी निशाना बनाया, जिससे अधिकारियों को नए सिरे से हुई हिंसा के बीच बीड और मराठवाड़ा क्षेत्र के कुछ हिस्सों में सुरक्षा कड़ी करनी पड़ी।

राजनीतिक दलों का यदि जोर चलता तो शायद सुप्रीम कोर्ट के आदेश का उल्लंघन करने में पीछे नहीं रहते। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव और आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर आरक्षण का जिन्न फिर से नजर आ रहा है। इतना ही नहीं, तमाम तरह के भ्रष्टाचार और लालफीताशाही से जूझते हुए अपने बलबूते चलने वाले निजी क्षेत्र राजनीतिक दलों की महत्वाकांक्षाओं की बलिवेदी पर चढ़ रहे हैं। निजी क्षेत्रों में आरक्षण की मांग जोर पकड़ती जा रही है। देश की एकता-अखंडता को नुकसान पहुंचाने की आरक्षण की राजनीति में कोई भी दल पीछे नहीं है। हालांकि भारतीय जनता पार्टी अंदरूनी तौर पर आरक्षण विरोधी रही है, किन्तु राजनीतिक दलों से मुकाबला करने के लिए उसे भी इसे चुनावी हथियार की तरह उपयोग करना पड़ा है। तेलंगाना में विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने निजी शैक्षणिक संस्थानों और निजी कंपनियों की नौकरियों में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षण का वादा किया।

दृष्टिकोण

छिलकों की छाबड़ी : सभी के लिए माफी

प्रसिद्ध और महान लोग कहते रहते हैं कि क्षमा का आदान-प्रदान कर लेने से बड़ी से बड़ी गलतफहमियां, गुस्ताखियां और समस्याएं खत्म हो जाती हैं। फेसबुक जैसी महान किताबों के रचयिता ने भी तो हमारे जैसे विश्वगुरु देशों से बार बार माफी मांगकर अपना धंधा कायम रखा है। यह नीम में लिपटा गुलाब जामुन टाइप एक हजार प्रतिशत सच है कि फेसबुक, यूट्यूब, इन्स्टाग्राम, वहत्सेप जैसा गजब स्वादिष्ट चारा चरने वाले हमसे बेहतर दुनिया भर में नहीं मिल सकते। हर समझदार प्रबंधन बुद्धिमान ज्योतिषी की मानिंद होता है जिसे पता होता है कि अपना सामान बेचने के लिए बाज़ार में माहौल कैसे तैयार करना है, वहां किस रंग ढंग के कौन कौन से सच और झूठ बिक सकते हैं। किसी को भी माफ न करने वाली महारानी राजनीतिजी लोकतंत्र को कभी नाराज़ नहीं करती। बेचारे विदेशी तो न के बराबर गलती पर भी माफी मांग लेते हैं, लेकिन हम ठहरे लंबी और ठोस नाक वाले, हम उनकी नकल क्यों करेंगे। रहीम ने भी बड़ों द्वारा क्षमा करने की सलाह दी है, लेकिन आज तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि सचमुच 'बड़े' लोग माफ करेंगे या सिर्फ उम्र में बड़े। इन छोटन लोगों के उत्पात तो जारी रहते ही हैं। बड़प्पन की धरती पर कौन छोटा है, जिसके कृत्य छोटे हैं या उम्र। बदली हुई परिभाषाओं की क्यारी में समझ की घास का बड़ा गड़बड़झाला है। बढ़ते तनाव, दबाव, बहाव और रक्तचाप की स्थिति में खालिस भारतीय नुस्खों को ओढ़ते हुए माफी का प्रयोग किया जाए तो नैतिक परिवर्तन हो सकता है। वो 'बड़े' व्यक्ति पर निर्भर करेगा कि माफ करे या न करे या किसी भी कीमत पर न करे। अच्छी बात तो अच्छी ही होती है। हम यही मानते हैं क्षमा मांगने या कर देने से कोई छोटा नहीं हो जाता, बल्कि यह पता चलता है कि हम रिश्तों की कितनी कद्र करते हैं। वैसे आजकल रिश्ते वस्तुओं की मानिंद ट्रेंडी हैं। राजनैतिक, धार्मिक, सामाजिक, पारिवारिक और आर्थिक अस्वस्थताओं के कारण रिश्ते लगातार रिसते जा रहे हैं। तभी ज़माना दिल से नहीं, दिमाग से क्षमा मांगता है। वक्त चाहता है कि हम विदेशियों का यह (अव) गुण भी अपना लें। विदेशों में तो बाकायदा राष्ट्रीय सॉरी दिवस मनाया जाता है और उस दिन क्षमा वितरित करने की शुभ राष्ट्रीय शुरुआत हो सकती है। अपनी अपुष्ट कारगुजारियों के लिए सरकारें भी इस दिन एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दुःख निवारण दिवस मना सकती हैं। क्षमा मांगने या करने को यदि व्यवसाय में न बदला जाए तो कई दशाएं सुधर सकती हैं। यह नई किस्म का मानवीय प्रायोजन हो सकता है। संशय यह है कि माफ 'बड़े' करेंगे या 'छोटे' और उत्पात कौन मचाएगा। क्योंकि बड़ा आदमी, छोटा उत्पात मचाना नहीं चाहता और छोटा आदमी, बड़ा उत्पात मचाने के काबिल नहीं होता। वास्तव में पहले खुद को क्षमा करने की ज़रूरत है, फिर दूसरों को उनके उन क्रियाकलापों के लिए जो हमें गुस्ताखियां लगे, के लिए माफ कर देना चाहिए। अनाम, बेनाम और बदनाम लोगों को उनके प्रसिद्ध कृत्यों के लिए भी माफ कर देने से इनसानियत का भला बढ़ सकता है।

दूसरे देश की सेना मालदीव में नहीं रहेगी, राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने पद संभालते ही दोहराई शपथ

माले (मालदीव)।
मालदीव के नवनियुक्त राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने शपथ ग्रहण के बाद विदेशी सैन्य उपस्थिति से अपने देश को मुक्त रखने का संकल्प दोहराया। उन्होंने कहा, वह यह सुनिश्चित करने के लिए दृढ़ता से प्रतिबद्ध हैं कि हिंद महासागर में रणनीतिक अहमियत वाला देश मालदीव अपनी सुरक्षा, स्वतंत्रता और संप्रभुता को लेकर सजग है। मुइज्जू ने देश की विदेश नीति साफ करते हुए आठवें राष्ट्रपति के रूप में शपथ के तुरंत बाद मालदीव में विदेशी सैन्य मौजूदगी को लेकर बयान दिया। मुइज्जू की टिप्पणी इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि 45 वर्षीय राष्ट्रपति ने मालदीव से भारतीय सैन्य कर्मियों को बाहर निकालने के अपने चुनावी वादे को बरकरार रखा था। इंजीनियर से नेता बने मुइज्जू ने भारत से निमंत्रण के बाद आधिकारिक दौरे पर मालदीव गए किरेन रिजिजू की मौजूदगी में अपना संकल्प दोहराया। मालदीव की स्वतंत्रता और संप्रभुता को बनाए रखने की प्रतिज्ञा करते हुए, मुइज्जू ने प्रतिबद्धता जताई कि मालदीव किसी भी विदेशी सैन्य उपस्थिति से मुक्त रहेगा। हालांकि, उन्होंने अपने संबोधन के दौरान किसी भी देश का नाम नहीं लिया। मालदीव की आजादी पर मुइज्जू ने कहा, वह मालदीव को एक ऐसा देश बनाएंगे जो सभी बाहरी सांस्कृतिक प्रभाव से मुक्त हो। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार की नीतियों में मालदीव के लोग सूची में सबसे पहले आते हैं! सबसे ऊपर! गौरतलब है कि मालदीव हिंद महासागर क्षेत्र में भारत के प्रमुख समुद्री पड़ोसियों में से एक है। पिछले कुछ वर्षों में रक्षा और सुरक्षा के क्षेत्रों सहित समग्र द्विपक्षीय संबंध ऊपर की ओर बढ़ रहे हैं। मालदीव के पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल्ला यामीन के करीबी सहयोगी मुइज्जू की नीतियों पर करीबी नजरें रहेंगी। यामीन ने 2013 से 2018 तक अपने राष्ट्रपति पद के दौरान चीन के साथ घनिष्ठ संबंध बनाए थे। उन्होंने सितंबर में आयोजित राष्ट्रपति पद के चुनाव में भारत से मित्रवत रिश्ते रखने वाले इब्राहिम मोहम्मद सोलिह को हराया था। भारतीय प्रतिनिधि के तौर पर शपथ ग्रहण समारोह में पहुंचे केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने एक्स पर पोस्ट किया, मालदीव के प्रतिष्ठित रिपब्लिक स्क्वायर में राष्ट्रपति महामहिम डॉ. मोहम्मद मुइज्जू और उपराष्ट्रपति महामहिम हुसैन मोहम्मद लतीफ के शपथ ग्रहण समारोह में सभारत का प्रतिनिधित्व करना सम्मान और सौभाग्य की बात है। चीन के राष्ट्रपति के विशेष दूत और स्टेट काउंसलर शेन यिकिन भी शपथ ग्रहण के दौरान मौजूद रहे। इसमें दुनिया भर से बड़ी संख्या में गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया।

न्यूज़ ब्रीफ

अमेरिका ने ईरान के चरमपंथी समूहों पर लगाया प्रतिबंध, घोषित किया वैश्विक आतंकवादी संगठन

वाशिंगटन। अमेरिका ने हमास और इजराइल संघर्ष के बीच ईरान समर्थित मिलिशिया समूहों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। उसने कताइब सैयद अल-शुहादा (केएसएस) और उसके महासचिव हाशिम फिनियन रहीम अल-साराजी के खिलाफ नए प्रतिबंधों की घोषणा की है। साथ ही इन्हें वैश्विक आतंकवादी करार दिया है। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन का कहना है कि केएसएस आतंकवादी गतिविधियों ने इराक और सीरिया में आईएसआईएस कर्मियों को हराने के लिए अमेरिका और वैश्विक गठबंधन दोनों के जीवन को खतरे में डाल दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी ट्रेजरी विभाग ने ईरान से जुड़े मिलिशिया समूह कताइब हिजबुल्लाह (केएच) से जुड़े छह व्यक्तियों पर भी प्रतिबंध लगा दिया है। ब्लिंकन ने ईरान पर आरोप लगाया कि उसने इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स और इसके बाहरी अभियान बल के माध्यम से केएसएस, केएच और अन्य ईरान संबद्ध मिलिशिया समूहों को प्रशिक्षण, वित्त पोषण और हथियार देकर समर्थन दिया है। इस प्रशिक्षण में घातक हवाई प्रणाली भी शामिल हैं। केएसएस ने केएच और हरकत अल-नुजाबा सहित अन्य अमेरिकी-नामित संगठनों के साथ काम किया है, जिसने अमेरिकी कर्मियों के खिलाफ हमलों की योजना बनाई है और उनका समर्थन किया है। उन्होंने कहा, ईरान आतंकवाद को बढ़ावा देने वाला दुनिया का सबसे बड़ा देश है। अमेरिका आतंकवाद के लिए ईरान के समर्थन का मुकाबला करने और आतंकवादी हमलों को अंजाम देने की ईरान समर्थित समूहों की क्षमता को कम करने और बाधित करने के लिए सभी उपलब्ध साधनों का उपयोग करने के लिए प्रतिबद्ध है।

इजराइल ने फिर हमास की करतूतों का दिया सबूत, गाजा के स्कूल में रखे रॉकेट लॉन्चर्स का वीडियो किया जारी

यरुशलम। इजराइल के सुरक्षा बलों ने एक नया वीडियो जारी किया है। इसमें गाजा में छोटे बच्चों के लिए बने स्कूलों यानी किंडरगार्टन्स के अंदर रॉकेट लॉन्चर और मोर्टार के गोले रखे देखे जा सकते हैं। जंग के थमने के आसार दूर-दूर तक नहीं गौरलतब है, इजराइल और हमास के बीच एक महीने से अधिक समय से युद्ध जारी है। इस जंग के थमने के आसार दूर-दूर तक नहीं दिखाई दे रहे हैं। अभी तक 12 हजार से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। इस संघर्ष के बीच, संयुक्त राष्ट्र और फलस्तीन सरकार लगातार गाजा पट्टी में मानवीय संकटों का हवाला देकर इजराइल पर हमले न करने का दबाव डाल रहा है। जबकि दूसरी ओर, इजराइली सेना का मानना है कि हमास के आतंकवादी गाजा पट्टी में स्थित स्कूल, अस्पताल और नागरिकों के बीच छिपकर बैठे हैं। इसके वह आए दिन सबूत भी देते रहते हैं। इजराइली बलों ने एक वीडियो जारी कर बताया कि उत्तरी गाजा में एक किंडरगार्टन और एक प्राथमिक स्कूल के अंदर आईडीएफ सैनिकों को आरपीजी, मोर्टार के गोले और अन्य हथियार मिले हैं। सेना ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा कि किंडरगार्टन को खिलौनों को स्टोर करना चाहिए, न कि घातक हथियारों को।

अरब देशों के साथ मिलकर गाजा में प्रशासन चला सकता है इजराइल, यूएन में इजराइली राजनयिक ने दिए संकेत

तेल अवीव। संयुक्त राष्ट्र में इजराइल के राजनयिक ने कहा है कि गाजा पट्टी में हमास के खात्मे और ऑपरेशन पूरा होने के बाद इजराइल अरब देशों के साथ मिलकर गाजा के भविष्य पर बात करेगा। इजराइली राजनयिक गिलाड एरदान ने मीडिया से बात करते हुए कहा हम कई अरब देशों के लिए अपने हाथ गंदे कर रहे हैं। गिलाड ने साफ किया कि गाजा में मिलकर प्रशासन के लिए अरब देशों से अभी इजराइल ने बात शुरू नहीं की है लेकिन जल्द ही यह शुरू हो सकती है। गिलाड ने कहा मुझे विश्वास है कि कई अरब देश ये जानते हैं कि हमास उनका भी दुश्मन है। वह जितना हमारा दुश्मन है, उतना ही वह कई नरमपंथी मुस्लिम देशों का भी दुश्मन है। गिलाड ने ये भी कहा कि इजराइल गाजा में संयुक्त राष्ट्र के नेतृत्व में अंतरराष्ट्रीय बलों की तैनाती को स्वीकार नहीं करेगा। गिलाड ने इजराइल हमास युद्ध को लेकर संयुक्त राष्ट्र के स्टैंड की भी तीखी आलोचना की और गाजा के मौजूदा संकट का ठीकरा संयुक्त राष्ट्र पर फोड़ा। गिलाड ने कहा कि हमास द्वारा गाजा पट्टी को युद्ध की मशीन में बदलने में भी संयुक्त राष्ट्र की बड़ी भूमिका है।

गाजा में मानवीय संकट गहराया

भुखमरी का खतरा ; इजराइल ने नियमित ईंधन आपूर्ति को दी मंजूरी

यरूशलम।
ईंधन की कमी और संचार बंद होने के कारण गाजा के लिए संयुक्त राष्ट्र की सहायता आपूर्ति दोबारा रुक गई। मानवीय संकट गहराने से भुखमरी और आवासहीन फलस्तीनियों के समक्ष चुनौती खड़ी हो गई है। उधर, इजराइली सेना का हमास के आतंकियों से युद्ध जारी है। संयुक्त राष्ट्र ने कहा है कि गाजा में भुखमरी के हालात हैं और दूसरा सुरक्षित मार्ग एकमात्र उम्मीद होगा।

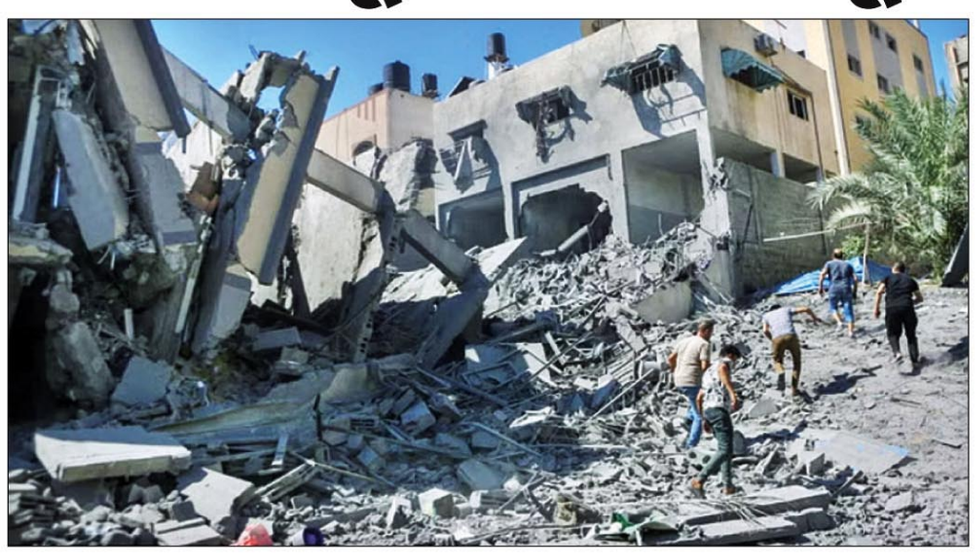

इस बीच, इजराइल की युद्ध कैबिनेट ने मानवीय संकट को देखते हुए गाजा में नियमित ईंधन आपूर्ति की मंजूरी दे दी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, इसके बाद दो ईंधन टैंकरों ने राफा क्रॉसिंग से गाजा में प्रवेश किया। अंतरराष्ट्रीय संगठनों, विशेष रूप से संयुक्त राष्ट्र राहत और कार्य एजेंसी (यूएनआरडब्ल्यूए) द्वारा कुल 60,000 लीटर डीजल ईंधन ले जाने की व्यवस्था की गई है। इजराइली सेना के प्रवक्ता डैनियल हैगारी ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय संगठनों के उपयोग के लिए ईंधन आपूर्ति की मंजूरी दी गई है। ईंधन दक्षिणी गाजा पट्टी को पानी आपूर्ति करने वाली सुविधाओं का समर्थन करेगा। इनकी निगरानी अमेरिका और मिस्र कर रहे हैं।

संयुक्त राष्ट्र के विश्व खाद्य कार्यक्रम के मध्य पूर्व क्षेत्रीय प्रवक्ता अबीर एतेफा ने कहा कि गाजा को अब हर दिन अपनी जरूरी खाद्य आपूर्ति का सिर्फ 10 प्रतिशत ही मिल रहा है। उधर, गाजा पट्टी और मिस्र के बीच राफा सीमा के पास विस्थापितों के एक समूह पर इजराइली हमला हुआ जिसमें कई फलस्तीनी मारे गए। अल-जजीरा ने कहा, हमले में 9 के मरे व कई घायल हुए। इजराइल ने कहा, उसके सैनिकों को गाजा के अल शिफा अस्पताल में हमास द्वारा इस्तेमाल एक सुरंग मिली है। उसने कहा, हमास ने हथियार, गोला-बारूद जमा कर शिफा जैसे अस्पतालों के नीचे सुरंगों के एक नेटवर्क में बंधकों को रखा है।

बंधक रिहाई समझौते पर चर्चा...

हमास व इजराइल बंधकों की रिहाई के लिए समझौते पर पहुंचने के उद्देश्य से प्रारंभिक चर्चा में जुटे हैं। एक अरब राजनयिक के हवाले से बताया कि प्रस्तावित समझौता विशेष रूप से गाजा में हमास द्वारा वर्तमान में रखे गए 240 बंधकों में से लगभग 50 महिलाओं व बच्चों की संभावित रिहाई पर केंद्रित है। इसमें 3-5 दिनों के युद्धविराम, मानवीय मदद वृद्धि और इजराइली जेलों में बंद महिलाओं-बच्चों की रिहाई शामिल है।

जेनिन में 5 फलस्तीनी आतंकी मरे...

इजराइली रक्षा बलों ने कहा कि जेनिन में रात भर आतंक-रोधी छापों के दौरान पांच फलस्तीनी आतंकी मारे गए। छापे के दौरान यहूदिया और सामरिया के आसपास कुल 21 फलस्तीनियों को गिरफ्तार किया गया, जिनमें से छह हमास से जुड़े थे।

नेतन्याहू बोले, मौतों को कम करने के प्रयास में सफल नहीं रहा इजराइल...

इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि गाजा में हमास के खिलाफ लड़ाई में उनका देश लोगों को नुकसान से बचाने के हरसंभव प्रयास कर रहा है। यहां तक कि भागने की चेतावनी के पर्चे तक बंटवाए गए, लेकिन हताहतों की संख्या को कम करने के प्रयास सफल नहीं रहे। इसके लिए हमास जिम्मेदार है।

बच्चों में टीबी खत्म करने के लिए गर्भवती महिलाओं पर फोकस, डब्ल्यूएचओ ने जारी किए दिशा-निर्देश

संयुक्त राष्ट्र।
बच्चों और किशोरों में पतेदिक (टीबी) को समाप्त करने के लिए अब प्रभावित गर्भवती, प्रसवोत्तर महिलाओं पर फोकस किया जाएगा। क्योंकि प्रतिरक्षाविज्ञानी गर्भावस्था वाली महिलाओं की अपेक्षा गैर-गर्भवती महिलाओं को अव्यक्त टीबी संक्रमण या डे नोवो संक्रमण की सक्रियता को अधिक संभावित मानते हैं। ऐसे में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने अपने 2023 के संशोधित रोडमैप में पहली बार प्रभावित गर्भवती, प्रसवोत्तर महिलाओं पर ध्यान केंद्रित करने को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। संयुक्त राष्ट्र स्वास्थ्य एजेंसी ने कहा कि तीसरे चरण के परीक्षणों के पूरा होने से पहले सभी नई टीबी दवाओं (संवेदनशील व प्रतिरोधी) और टीकों के लिए समर्पित सुरक्षा अध्ययन में मातृ, गर्भावस्था, जन्म और शिशु परिणामों को शामिल करना अनिवार्य है। ऐसा करने पर प्रभावित देश इस दिशा में तेजी से आगे बढ़ पाएंगे। मातृ तपेदिक के बोझ का अनुमान लगाने और लक्षित उद्देश्य प्राप्त करने के लिए समय-समय पर इसका मूल्यांकन करना महत्वपूर्ण है। रिपोर्ट में कहा कि 2027 तक टीबी से पीड़ित लगभग 90 प्रतिशत लोगों का निदान और इलाज किया जाना चाहिए। इसके तहत 2023 से 2027 के बीच 4 करोड़ 50 लाख लोगों को जीवन रक्षक उपचार प्रदान करना, जिनमें करीब 45 लाख बच्चे और दवा प्रतिरोधी तपेदिक से पीड़ित डेढ़ लाख लोग शामिल हैं। रिपोर्ट के अनुसार 2022 में टीबी से होने वाली 13 लाख मौतों में से 2 लाख 14 हजार मौतें 14 साल और उससे कम उम्र के बच्चों की थीं। निष्कर्षों से पता चला कि 96 प्रतिशत मौतें उन बच्चों की हुई जिन्हें टीबी का इलाज नहीं मिला। लक्ष्य हासिल करने के लिए उचित और कठोर परिचालन अनुसंधान वैश्विक रजिस्ट्रियों में डाटा संग्रह को सटीक बनाएगा। यह प्रक्रिया जन्म दोषों सहित असामान्य तथा प्रतिकूल मातृ स्वास्थ्य, गर्भावस्था एवं जन्म परिणामों का व्यवस्थित और तेजी से पता लगाने में सक्षम होगी। जन्मजात टीबी को दुर्लभ माना जाता है जबकि उच्च एचआईवी बोझ सेटिंग्स के डेटा से पता चला है कि यह तथ्य गलत है। अब संयुक्त राष्ट्र एजेंसी की देखरेख में एक प्रणाली स्थापित की जाएगी, जिससे उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाएं नियमित राष्ट्रीय तपेदिक नियंत्रण कार्यक्रम (एनटीपी) स्क्रीनिंग स्टेशनों पर आ सकें।

हमास की कैद में मां बनी महिलाः इजराइली पीएम नेतन्याहू की पत्नी ने अक्षता मूर्ति को लिखा पत्र, कही यह बात

वाशिंगटन।
इजराइल और हमास के बीच जारी जंग में बंधकों को छुड़ाने की कार्रवाई के बीच मां बनी एक इजराइली महिला के लिए इजराइल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू की पत्नी सारा नेतन्याहू ने ब्रिटिश पीएम सुनक की पत्नी अक्षता मूर्ति को भावुक पत्र लिखा है। पत्र में सारा ने लिखा, हमास की कैद में एक इजराइली महिला ने एक बच्चे को जन्म दिया है। आप उन हत्यारों के बीच मां बनी महिला की स्थिति समझ सकती हैं। हमास की कैद में 32 बच्चे भी हैं इनमें से एक बच्चा तो केवल 10 महीने का है, जिसने चलना भी नहीं सीखा और उनका अपहरण हो गया है। सारा ने ये पत्र अक्षता के अलावा अमेरिकी राष्ट्रपति की पत्नी जिल बाइडन व फ्रांसीसी राष्ट्रपति की पत्नी ब्रिजेटी मैक्रों को भी भेजा है। सारा ने लिखा, सभी देश मिलकर बंधकों की बिना शर्त रिहाई की मांग करें। सारा ने कहा कि अगवा किए गए इजराइल के बच्चों में न सिर्फ अपहरण का दर्द है बल्कि उनकी आंखों के सामने उनके भाई बहनों और उनके परिजनों को नृशंस तरीके से मौत के घाट उतारे जाने का भी खौफ है। यह सब देखना इन बच्चों के लिए कितना दर्दनाक होगा, यह कल्पना से परे है। सारा नेतन्याहू ने कहा कि एक मां होने के नाते वो ये पत्र लिख रही हैं। उन्होंने कहा कि वो इन बच्चों की तरफ से तत्काल उन्हें रिहा कराए जाने का जिल बाइडन से आग्रह करती हैं।

गर्भपात पर लगे प्रतिबंध को लेकर बवाल, हेली ने जताई सहमति तो बाइडन प्रशासन ने साधा निशाना

वाशिंगटन।
अमेरिका में राष्ट्रपति पद की दावेदार निक्की हेली ने गर्भधारण के छह सप्ताह बाद गर्भपात पर प्रतिबंध लगाने का समर्थन किया है। इस पर बाइडन-हैरिस के प्रचार अभियान ने हेली को गर्भपात विरोधी चरमपंथी करार दिया है।

अमेरिका में गर्भपात पर है प्रतिबंध

हेली से शुक्रवार को पूछा गया था, यदि आप दक्षिण कैरोलिना की गवर्नर होतीं और यह आपके सामने आता, तो क्या आप हार्टबीट विधेयक पर मुहर लगातीं इस पर हेली ने जवाब दिया हां। बता दें, अमेरिका में छह सप्ताह के गर्भपात पर पूरी तरह से प्रतिबंध है। इसके लिए लाए गए विधेयक को फेटल हार्टबीट विधेयक भी कहा जाता है।

हेली उदारवादी नहीं

बाइडन-हैरिस के प्रचार अभियान ने शुक्रवार को 51 वर्षीय हेली की गर्भपात प्रतिबंधों का समर्थन करने पर आलोचना की। बाइडन-हैरिस 2024 रैपिड रिस्पांस के निदेशक अम्मार मूसा ने कहा कि निक्की हेली उदारवादी नहीं हैं, वह गर्भपात विरोधी एमएजीए (मेक अमेरिका ग्रेट अगेन) चरमपंथी हैं जो महिलाओं की स्वतंत्रता को छीनना चाहती हैं जैसा कि उन्होंने दक्षिण कैरोलिना की गवर्नर रहते हुए किया था।

ट्रंप का नारा

मेक अमेरिका ग्रेट अगेन एक राजनीतिक नारा है, जिसे डोनाल्ड ट्रंप ने अपने 2016 के राष्ट्रपति अभियान के दौरान लोकप्रिय बनाया था।

हेली हर महिला तक पहुंचा रहीं डर

उन्होंने कहा कि अब हेली वादा कर रही हैं कि वह उसी चिंता और डर को देश की हर महिला तक पहुंचाएंगी, जो उन्होंने दक्षिण कैरोलिना की महिलाओं पर थोपा था। मूसा ने आगे कहा, चाहे वह डोनाल्ड ट्रंप, निक्की हेली या कोई अन्य एमएजीए चरमपंथी हो, पूरा क्षेत्र एक खतरनाक स्वतंत्रता विरोधी एजेंडे पर चल रहा है। हालांकि, अमेरिका के लोगों ने स्पष्ट कर दिया है कि वे इन्हे नहीं चाहते हैं।

रूसी कलाकार एलेक्जेंड्रा को यूक्रेन युद्ध के खिलाफ जाना पड़ा महंगा, अब सात साल की काटेंगी सजा

मॉस्को।
रूसी कलाकार एलेक्जेंड्रा स्कोचिलेंको को यूक्रेन युद्ध के विरोध में कथित तौर पर युद्ध रोकने की मांग को लेकर सुपरमार्केट मूल्य टैग को बदलकर विरोध प्रदर्शन किया था, जिसके चलते उन्हें सात साल की जेल की सजा सुनाई गई है। अदालत की प्रेस सेवा के अनुसार, स्कोचिलेंको को गुरुवार को रूसी संघ के सशस्त्र बलों के उपयोग के बारे में जानबूझकर गलत जानकारी के सार्वजनिक प्रसार का दोषी पाया गया।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार गुरुवार को, अभियोजन पक्ष ने दावा किया कि पिछले साल मार्च में, स्कोचिलेंको ने सेंट पीटर्सबर्ग में एक चेन सुपरमार्केट में मूल्य टैग को कागज के टुकड़ों से बदलकर विरोध प्रकट किया था। महिला को सेना के बारे में भ्रामक जानकारी फैलाने के आरोप में दोषी पाया गया है।

अदालत की प्रेस सेवा ने एक टेलीग्राम पोस्ट में कहा कि स्कोचिलेंको द्वारा आरोप में दोषी न होने की दलील देने के बावजूद और बचाव पक्ष बरी करने की मांग कर रहा है। इसके बावजूद, अदालत ने इलेक्ट्रॉनिक या सूचना और दूरसंचार नेटवर्क के उपयोग से संबंधित गतिविधियों पर तीन साल के प्रतिबंध के साथ सात साल की सजा सुनाई।

2022 से प्री-ट्रायल हिरासत में हैं स्कोचिलेंको

स्थानीय मीडिया से पता लगा कि स्कोचिलेंको को अप्रैल 2022 से प्री-ट्रायल हिरासत में रखा गया है, इस अवधि में उनका स्वास्थ्य बिगड़ रहा है। स्कोचिलेंको ने फैसले से पहले अदालत में अपने आखिरी बयान में कहा, हमारे अभियोजक को अपने देश और समाज पर कितना कम विश्वास है, अगर वो ऐसा मानते हैं कि कागज के कुछ टुकड़ों से हमारा देश और सार्वजनिक सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है

खुद को शांतिवादी बताते हुए स्कोचिलेंको ने कहा कि वह यूक्रेन के खिलाफ रूस की आक्रामकता के उद्देश्य को नहीं समझती हैं। उन्होंने आगे कहा, दुनियाभर के वैज्ञानिक और डॉक्टर मानव जीवन प्रत्याशा बढ़ाने और घातक बीमारियों का इलाज खोजने के लिए लड़ रहे हैं। इसलिए, मुझे समझ में नहीं आताः यह युद्ध किस लिए है युद्ध से तो उम्र घटती है, युद्ध मृत्यु है।

सजा की हो रही कड़ी निंदा

इस बीच, एमनेस्टी इंटरनेशनल की पूर्वी यूरोप और मध्य एशिया निदेशक मैरी स्ट्रूथर्स ने सजा की कड़ी निंदा की है। एक बयान में, स्ट्रूथर्स ने स्पष्ट रूप से अन्यायपूर्ण फैसले की निंदा की, जिसमें कहा गया कि स्कोचिलेंको को मनमाने ढंग से उसकी स्वतंत्रता से वंचित किया गया और 19 महीने तक यातनापूर्ण परिस्थितियों में रखा गया।

स्ट्रूथर्स ने कहा, स्कोचिलेंको बस यूक्रेन के लोगों के खिलाफ रूसी आक्रामकता को उजागर करने की कोशिश कर रही थीं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उनका उत्पीड़न अपने देश के आपराधिक युद्ध का खुले तौर पर विरोध करने वाले रूसियों द्वारा सामना किए जाने वाले बेतुके क्रूर उत्पीड़न का पर्याय बन गया है।

भरतपुर और नागौर में कांग्रेस पर बरसे प्रधानमंत्री

कहा, कांग्रेस की कोने-कोने से सफाई कर दीजिए

भरतपुर/नागौर (हिंस)। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को राजस्थान में चुनावी अभियान पर रहे। इस दौरान मोदी ने भरतपुर के कॉलेज ग्राउंड और नागौर में भाजपा प्रत्याशी ज्योति मिर्धा समेत जिले की 10 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ रहे प्रत्याशियों के पक्ष में जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने भरतपुर में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए वादा किया कि भाजपा सरकार बनते ही राजस्थान में पेट्रोल-डीजल के रेट की समीक्षा की जाएगी और लोकहित में जल्दी निर्णय लिया जाएगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस सरकार राजस्थान में 12 रुपए लीटर लोगों की जेब से मार रही है और कांग्रेस नेताओं की तिजोरी भर रही है। इसके विपरीत यूपी, हरियाणा और गुजरत में पेट्रोल के रेट 97 रुपए लीटर हैं। नागौर में मोदी ने इस चुनाव में कांग्रेस के सफाए का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि मारवाड़ का फैसला साफ है कि कांग्रेस को हटाना है। जैसे दीपावली पर कोने-कोने से घर की सफाई करते हैं, वैसे ही इस चुनाव में कांग्रेस की कोने-कोने से सफाई करनी है। मोदी ने नागौर के खरनाल में जाट समाज के लोक देवता तेजाजी के मंदिर में पूजा-अर्चना की। इसके बाद जनसभा में उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने विश्वासघात के अलावा कुछ नहीं किया। भ्रष्ट और घोटालों वाली सरकार दी। सामान्य आदमी की जान सुरक्षित नहीं, बहन-बेटियों का सम्मान सुरक्षित नहीं है। कहते हैं कि दिन में एक बार जुबान पर सरस्वती आ जाती हैं तो सच निकल जाता है। अभी-अभी जादूगर मुख्यमंत्री के साथ ऐसा ही हुआ। यहां के मुख्यमंत्री ने खुद जनसभा में स्वीकार किया कि उनके उम्मीदवारों, विधायकों ने कोई काम नहीं किया। क्योंकि वे यहां अपनी कुर्सी बचाने में जुटे रहे। अपने में खोया कांग्रेसी आपके लिए क्या करेगा। उन्होंने कहा कि दिल्ली दरबार अपने ही सीएम की कुर्सी लूटने में बहुत बिजी था, सीएम उनसे निपटने में बिजी। इन लोगों ने राजस्थान की जनता को अपने हाल पर छोड़ दिया था। चुनाव के समय ये लोग बेमन से साथ-साथ फोटो खिंचवा रहे हैं। मैं एक परिवार को जानता हूं। एक मैडम ने परिचितों को कार्ड छापकर निमंत्रण भेजा। आप जरूर आइए। बेमन से मुख्यमंत्री और सीएम का इंतजार कर रहे नेता की हाथ मिलाने की सेंचुरी हो गई। दिल्ली से लोग आते हैं, बेमन से हाथ मिलवाते हैं। आज भी उनके मन में खटास है। मोदी ने कहा कि पिछले कई महीनों से राजस्थान की लाल डायरी की बड़ी चर्चा है। लाल डायरी में कांग्रेस के अपने नेता ने कांग्रेस के कुशासन की कथा को पूरे विस्तार से लिखा है। तभी तो मुख्यमंत्री का अपना बेटा ये लिखकर देने को तैयार है कि पापा की सरकार इस बार नहीं आने वाली। अरे गहलोत जी, आपका जादू, आपके बेटे पर भी नहीं चल रहा है क्या? एक तरफ कांग्रेस के पास लूट का लाइसेंस है, वहीं दूसरी तरफ मोदी का गारंटी कार्ड है। आपका किस पर भरोसा है, मोदी के गारंटी कार्ड पर पूरा देश भरोसा करता है तो उसके कुछ ठोस कारण है। हवाबाजी नहीं है। जमीनी सच्चाई है। गारंटी पूरी करने के लिए समय का प्रत्येक पल, दिन-रात खपा दिए हैं। गारंटी दी थी कि जम्मू-कश्मीर से 370 हटाएंगे, अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण होगा, तीन तलाक खत्म करेंगे, यह सभी गारंटी मोदी ने पूरी कर दी है। उन्होंने कहा कि कोरोना में भारत लोगों को टीके लगा रहा था। देश में वैक्सीन बनाई लेकिन कांग्रेस के लोगों ने विदेशी टीके की मुहिम चलाई कि कितना ही पैसा लगे बाहर से लाओ। मुझे तो समझ नहीं आता कि विदेश से कांग्रेस को इशारा करने वाला कौन है? कांग्रेस टीके लगाने की मुहिम फेल करने पर जुटी थी, ताकि हाहाकार मचे। आप सब लोगों के आशीर्वाद ने कांग्रेस की साजिश को नाकाम कर दिया। जयपुर के गणपति प्लाजा से पैसा निकल रहा है। सचिवालय की अलमारी से सोना निकल रहा है। यह खजाना कांग्रेस का पाप है। यह सोने की ईंट मोदी बाहर निकाल रहा है। जिन्होंने देश को लूटा है, उन्हें लौटाना पड़ेगा। कांग्रेस वाले मेरे ऊपर बौखलाए हुए हैं। उन्होंने कहा कि कल कांग्रेस अध्यक्ष ने मेरे पिताजी को गाली दी। उन्हें गुजरे हुए 40 साल हो गए हैं। खड़गे जी, आप तो ऐसे नहीं थे, आपका हाल ऐसा-कैसे हो गया। मुझे कितनी ही गाली क्यों न पड़े, मेरे लिए कितना ही बुरा क्यों न सोचा जाए, मैंने गारंटी दी है कि भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ता रहूंगा। हर भ्रष्टाचारी का हिसाब होगा। इससे पहले भरतपुर के कॉलेज ग्राउंड में आयोजित जनसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को वादा किया कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनते ही राजस्थान में पेट्रोल-डीजल की दरों की समीक्षा की जाएगी और लोकहित में जल्द ही दरें कम करने के लिए लोकहित में निर्णय किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कांग्रेस की लूट नीति के कारण महंगाई बढ़ी है। उन्होंने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर तंज कसते हुए कहा कि कुछ लोग यहां अपने आप को जादूगर कहते हैं, अब उन्हें आज राजस्थान की जनता कह रही है कि 3 दिसंबर को कांग्रेस छू-मंतर। उन्होंने कहा कि अब राजस्थान में कांग्रेस के काले कारनामों की लाल डायरी के पन्ने खुलने लगे हैं। लाल डायरी के चार पन्ने, 40 पन्नों से कम नहीं है। मोदी ने कहा कि भाजपा सरकार किसानों के कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है। जहां-जहां भाजपा सरकार है, वहां के किसानों को पीएम किसान सम्मान निधि के 12 हजार रुपए मिल रहे हैं, 6 हजार केंद्र के और 6 हजार राज्य के। राजस्थान भाजपा ने अपने संकल्प पत्र में आपसे ये भी वादा किया है कि जैसे ही यहां भाजपा सरकार बनेगी, राजस्थान के किसानों को भी पीएम किसान सम्मान निधि के 12 हजार रुपए मिलने शुरू हो जाएंगे। आपका सपना ही मोदी का संकल्प है। मोदी का परिवार तो आप ही हैं। मेरा संकल्प है कि हर गरीब, दलित, पिछड़े, हर परिवार तक जीवन की मूल सुविधाएं पहुंचे। इसलिए देश में अब भारत सरकार आपके गांव आ रही है। 15 नवंबर से देश में विकसित भारत संकल्प यात्रा शुरू हुई है। भरतपुर के गांव गांव से ये यात्रा गुजरेगी। उन्होंने कहा कि एक तरफ भारत दुनिया में अग्रणी बन रहा है।

विधायक ने लिया छठ पूजा की तैयारियों का जायजा

कैथल (हिंस)। विधायक लीला राम ने शनिवार को छठ पूजा की तैयारी को लेकर डेरा बाबा शीतलपुरी के तालाब का निरीक्षण किया। उन्होंने समिति के सदस्यों को कहा कि वह अधिकारियों के साथ तालमेल करके कार्य पूरा करना सुनिश्चित करें। छठ पूजा के दौरान किसी भी व्यक्ति को कोई परेशानी नहीं आनी चाहिए। छठ पूजा में व्रती महिलाओं को व्यवस्थित सुरक्षा व्यवस्था, साफ-सफाई, लाईट आदि की व्यवस्था की जाए। वर्ती महिलाओं के लिए आने जाने व उनके सुरक्षा के लिए विशेष इंतजाम की काफी जरूरत है। शहर में कहीं भी जाम की स्थिति न बने। समिति के सदस्यों में जय कृष्ण राय, धनंजय सिंह, अशोक कुमार, सचिन कुमार, आवधेस सिंह, राजन, सदन रॉय, पटवेंद्र कुमार, निक्कू, अर्जुन शाह, शंकर, अजय, अशोक, साहिल शामिल हुए।

भाजपा के राज में बेटियां ही सुरक्षित नहीं : रजनीश जैन

जींद (हिंस)। आम आदमी पार्टी की महिला प्रदेशाध्यक्ष डॉ. रजनीश जैन ने शनिवार को पत्रकारों से बातीचत में कहा कि उचाना क्षेत्र के राजकीय स्कूल में प्रिंसीपल पर छात्राओं के साथ छेड़छाड़ आरोपों से संबंधित मामले में अब तक हुई जांच पर उन्हें संतुष्टि नहीं है। जो पीड़ति बेटियां हैं, हो सकता है उन पर दबाव बने और वह आगे नहीं आएं। हमें निरंतर इस मामले को लेकर आवाज उठानी पड़ेगी ताकि भविष्य में इस तरह की घटना न हो। उन्होंने कहा कि यह मामला बेटियों के सम्मान का है। इस मामले में किसी तरह की लीपापोती हुई तो सहन नहीं किया जाएगा। जो-जो इस मामले में दोषी हैं, उनके खिलाफ मामला दर्ज होना चाहिए। बेशक इस मामले में प्रिंसिपल को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया हो, लेकिन जिस तरह के आरोप प्रिंसिपल पर छात्राओं ने लगाए है, उसमें वह अकेला नहीं हो सकता। ऐसे में इस मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ का नारा भाजपा ने दिया है, लेकिन आज भाजपा के राज में स्कूलों में भी बेटियां सुरक्षित नहीं है। इस घटना ने हरियाणा को पूरे देश में शर्मशार करने का काम किया है। डॉ. जैन ने कहा कि बेटियों को इंसाफ दिलाने के लिए कितना ही बड़ा आंदोलन करना पड़े, वह पीछे नहीं हटेंगी।

अंबाला में अवैध शराब फैक्टरी पर चला बुलडोजर

यमुनानगर (हिंस)। अंबाला जिले में पकड़ी गई शराब की अवैध फैक्टरी पर शनिवार सुबह बड़ी कार्रवाई करते हुए इस पर बुलडोजर चला दिया गया। इस मौके पर भारी पुलिस बल तैनात रहा। प्रदेश के गृह मंत्री अनिल विज ने कहा था कि जहरीली शराब मामले में अंबाला और यमुनानगर जिले की 2 एसआईटी जांच कर रही हैं और फैक्टरियों पर बुलडोजर की कार्रवाई की जाएगी। अंबाला जिला पुलिस अधीक्षक जशनदीप सिंह रंधावा ने बताया कि गैंगस्टर मोनू राणा ने ही धनौरा के फैक्टरी मालिक उत्तम और पुनीत को बोलकर यह अवैध फैक्टरी अंकित उर्फ मोगली को दिलाई थी। इसके बाद उत्तम ने मोगली को अपने खेत में बनी फैक्टरी किराए पर दी थी। इस फैक्टरी में काम करने वाले सारे मजदूर उत्तर प्रदेश से बुलाए गए थे। पूछताछ में मोगली से खुलासा हुआ कि वह अवैध शराब बनाने के लिए करनाल से इथेनॉल मंगवाता था। कुरुक्षेत्र जेल में मोगली का गैंगस्टर मोनू राणा से संपर्क हुआ था।

हमारे बनाए कॉलेजों में पढ़कर भाजपा वाले हमें ही दे रहे गालियां : मल्लिकार्जुन खड़गे

भरतपुर/अलवर (हिंस)। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि गरीब और दलितों के लिए झूठा वादा करने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गिर्राज सिंह मलिंगा को टिकट दिया। वो एक तरफ गरीबों और दलितों की बात करते हैं और दूसरी तरफ दलितों को मारने और पीटने वालों को टिकट देने के लिए बुला लेते हैं। मोदी जी आपका क्या जा सकता था, यदि एक टिकट उसे नहीं देते तोड़ एक आदमी ऐसी विचारधारा का हो तो उसे जगह नहीं देनी चाहिए। यहां मारो और पीटो और जाकर भाजपा से टिकट लो। खड़गे शनिवार को भरतपुर के वैर और अलवर के तिजारा में आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। खड़गे ने कहा कि ये सभी लोग (भाजपा) मिलकर मारने और पीटने वालों को प्रोत्साहित कर रहे हैं। मध्य प्रदेश में जाओ, जहां एक आदिवासी बच्चे के मुंह में पेशाब कर दिया। वहां के मुख्यमंत्री शिवराज चौहान पैर धोते हैं और कहते हैं मुझे माफ कर दो। क्या ऐसा करने से पाप धुल जाता है, ये कलंक भाजपा के ऊपर से कभी नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि अफसोस की बात है कि जिस गिर्राज सिंह मलिंगा का हमने टिकट काटा, मैं और राहुल गांधी मिलकर सोचे। एक आदमी एक कार्यकर्ता को इतना मारता है, उसकी जान जाने तक मारता है तो ऐसे आदमी को टिकट देना मंजूर नहीं। चाहे बेशक हार जाएं। एक आदमी दलित को पीट रहा है, ये देखा नहीं जाता। ये बात इसलिए कह रहा हूं। देश में जो गरीब लोगों को और जो कांग्रेस पार्टी के लोगों को चुन-चुनकर मारते हैं। उनको हम बर्दाश्त नहीं कर सकते। सभा में भाजपा जिंदाबाद के नारे लगे तो खड़गे ने कहा कि भाजपा का कोई एजेंट आया है, इसे मत सुनो। उन्होंने कहा कि ये लोग हमें एडवाइज करते हैं। ये लोग गरीबों के लिए कुछ करते भी नहीं हैं। इस देश को पंडित जवाहरलाल नेहरू ने मजबूत किया। इनके टाइम में एक भी बड़ा कारखाना नहीं बना। हमारे टाइम में बड़े-बड़े कारखाने, यूनिवर्सिटी, इंजीनियरिंग कॉलेज बने। भाजपा के लोग हमारे बनाए कॉलेजों में ही पड़े और हमको ही गालियां देते हैं। ये जो गरीबों के प्रति उनका रवैया है, इसको देखकर मुझे हैरानी होती है। गरीबों की बात करते हैं और कहते हैं गरीबों के लिए लड़ते हैं। हाथी के दांत दिखाने के और तथा खाने के और होते हैं। इससे पहले मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि भाजपा की कथनी और करनी में अंतर है। केंद्र सरकार राजस्थान से भेदभाव कर रही है। ईआरसीपी को लेकर मुद्दा बनाओ। भाजपा के संकल्प पत्र पर उन्होंने कहा कि हमारी स्कीमों को बदल-बदल कर लिखा गया। इसे लेकर कोई होमवर्क नहीं किया गया। वादा किया कि भविष्य में किसानों की जमीनें कुर्क नहीं होगी। चुनाव आए हैं तो प्रधानमंत्री मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह भी आएंगे और वे झूठे वादे भी करेंगे और लोगों को भड़काएंगे भी। हमारी स्कीमों पर चर्चा नहीं करेंगे।

नौकरियों में आरक्षण के नाम पर युवाओं को 4 साल से बहकाया जा रहा : बलवान सिंह

फतेहाबाद (हिंस)। फतेहाबाद के पूर्व विधायक एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता बलवान सिंह दौलतपुरिया ने कहा प्रदेश सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार द्वारा नौकरियों में आरक्षण के नाम पर प्रदेश के युवाओं को पिछले 4 साल से बहकाया जा रहा था। प्राइवेट क्षेत्र में 75 प्रतिशत आरक्षण का जो कानून भाजपा-जजपा सरकार लेकर आई थी वो महज एक धोखा था। फतेहाबाद अनाज मंडी स्थित अपने कार्यालय में कार्यकर्ताओं से मुलाकात करते हुए उन्होंने कहा कि पंजाब एंड हरियाणा हाई कोर्ट द्वारा आरक्षण रद्द करने के फैसले ने साबित कर दिया कि जजपा-भाजपा गठबंधन सरकार केवल युवाओं को पथ भ्रमित करने पर लगी थी। हरियाणा सरकार कोर्ट में यह साबित ही नहीं कर पाई कि संविधान के किस अनुच्छेद के तहत यह बिल लाया गया। सरकार की कार्रवाई से लगता है कि सरकार आरक्षण बिल के प्रति गंभीर नहीं थी और इस केस की पैरवी अच्छे ढंग से नहीं की गई।

भाजपा की बांटने वाली नीतियों से तंग आई देश की जनता : अमर गुप्ता

हिसार (हिंस)। वरिष्ठ कांग्रेस नेता अमर गुप्ता ने पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में भारी बहुमत से कांग्रेस की जीत का दावा किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा की जनविरोधी व बांटने वाली नीतियों से तंग जनता अब उसे नकारने का मन बना चुकी है। चुनावों पर चर्चा करते हुए अमर गुप्ता ने शनिवार को कहा कि पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों की प्रक्रिया शुरू है और इन राज्यों की जनता का रूझान देखने से साफ पता चलता है कि वहां पर कांग्रेस भारी बहुमत से जीतकर सरकार बना रही है। केवल इन पांच राज्यों की ही नहीं बल्कि देश की जनता ने अब अच्छी तरह जान लिया है कि केवल कांग्रेस ही ऐसी पार्टी है, जो हर वर्ग के हित की नीतियां बनाकर उन्हें लागू कर सकती है। वास्तव में कांग्रेस ने देश के आजादी के बाद ऐसा करके भी दिखाया है। हरियाणा के साथ लगते राजस्थान में भाजपा के नेता सरकार बनाने के लिए जोर लगा रहे हैं और लंबे चौड़े दावे कर रहे हैं लेकिन जनता को भाजपा के दावे गले नहीं उतर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कर्मचारी वर्ग के हित में बड़ा फैसला लेते हुए राजस्थान की गहलोत सरकार ने पुरानी पैंशन बहाल की, जिसका भाजपा ने उस समय भी विरोध किया और अब भाजपा के चुनाव घोषणा पत्र में भी ओपीएस का कोई जिक्र नहीं है। ऐसे में कर्मचारी वर्ग जान चुका है कि ओपीएस को लेकर भाजपा की नीयत में खोट है। इसके अलावा गहलोत सरकार ने 100 यूनिट बिजली फ्री, 500 रुपए का गैस सिलेंडर, आयुष्मान योजना के तहत 25 लाख तक का इलाज फ्री जैसे अनेक ऐसे काम शुरू कर रखें है, जिनके बारे में भाजपा की बोलती बंद है। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि राजस्थान के अलावा मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना व मिजोरम में भी कांग्रेस पूर्ण बहुमत से सरकार बनाएगी और इन चुनावों के बाद देश से भाजपा की उल्टी गिनती शुरू हो जाएगी।

नगरपालिका कर्मचारियों ने मंत्री कमल गुप्ता के आवास पर डाला पड़ाव

हिसार (हिंस)। पिछले कई दिनों से चल रहा आंदोलन नगरपालिका कर्मचारियों का आंदोलन बड़ा रूप लेता जा रहा है। प्रदेशभर से पहुंचे सफाई कर्मचारियों ने शनिवार को शहर में नगर पालिका कर्मचारी संघ हरियाणा के बैनर तले शहरी स्थानीय निकाय मंत्री डॉ. कमल गुप्ता के आवास के सामने पड़ाव डाल दिया है। संघ का दावा है कि इसमें 60 पालिकाओं, 22 नगर परिषदों, 11 नगर निगमों और 89 दमकल केंद्रों के कर्मचारी शामिल है। राज्य प्रधान नरेश शास्त्री ने बताया कि पड़ाव दिन-रात का रहेगा। रविवार दोपहर बाद शहर की मार्केट में सफाई कर्मचारी प्रदर्शन करेंगे और इस दौरान कोई भी सफाई कर्मचारी ड्यूटी पर नहीं रहेगा। उन्होंने कहा कि कई बार लंबित मांगों बारे निकाय मंत्री के साथ बैठक की जा चुकी है, लेकिन बैठक में आश्वासन ही मिलता है, जिसके चलते सफाई कर्मचारियों में काफी रोष है। इस बारे में यूनियन के जिला अध्यक्ष ने निकाय मंत्री को संदेश भेज दिया था कि 18 नवंबर को निवास स्थान पर पड़ाव डाला जाएगा। इसके बावजूद निकाय मंत्री अपने आवास पर नहीं है। ऐसी जानकारी मिल रही है कि वह राजस्थान में गए हुए हैं। संगठन नेताओं ने इस दौरान मांगों का विस्तार से ब्यौरा दिया। मांगों में शहरी व ग्रामीण सफाई कर्मचारियों के वेतन में बढ़ोतरी करने, ठेकेदारी प्रथा को समाप्त करने, समान काम-समान वेतन ग्रामीण व शहरी सफाई कर्मचारी सहित अन्य तृतीय व चतुर्थ श्रेणी व फायर के कर्मचारियों को पक्का करने, सफाई कर्मचारी व सीवरमैन के रिक्त पदों पर नियमित भर्ती करने, वेतन बढ़ाने नए पद सर्जित करने 1000 रुपए स्वच्छता भत्ता दिए जाने की मांग प्रमुख है। संगठन नेताओं ने कहा कि आगामी रणनीति के तहत 22 से 25 नवंबर को शहर में प्रदर्शन किया जाए।

डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी के प्रतिनिधिमंडल ने ब्लॉक अधिकारी मीरा साहिब से की मुलाकात

आरएसपुरा (हिंस)। डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी के एक प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार को ग्रामीण विकास विभाग अधिकारी गुरजीत सिंह से मुलाकात की और ब्लॉक मीरा साहब के अधीन आती पंचायत में जारी विकास कार्यों को लेकर चर्चा की। डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी के ब्लॉक प्रधान मीरा साहिब चौधरी साई अहमद की अध्यक्षता में मिले इस प्रतिनिधिमंडल में पार्टी के जम्मू सेंट्रल जोन प्रधान तथा पूर्व मंत्री चौधरी गारू राम, बलबीर सिंह अजी, इंजीनियर नीरज चौधरी, ज्योति देवी, चंपा देवी, दर्शना देवी, सत्य देवी सहित अन्य लोग भी मौजूद रहे। इस मौके पर पूर्व मंत्री चौधरी गारू राम ने कहा कि उन्होंने पिछले दिनों अलग-अलग पंचायत का दौरा कर लोगों की समस्याओं को सुना और उन्होंने देखा कि आज भी पंचायत के लोगों को सरकार की योजनाओं का कोई भरपूर लाभ नहीं मिल पा रहा है। गलियों नालियों की हालत काफी खस्ता बनी हुई है तथा स्ट्रीट लाइटों की भी काफी कमी है। इसके अलावा बच्चों के पास खेलने के लिए क्षेत्र में कोई बेहतर मैदान की सुविधा नहीं है। उन्होंने मांग करते हुए कहा कि जल्द से जल्द लोगों की समस्याओं का समाधान होना चाहिए ताकि लोगों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। इस मौके पर ब्लॉक अधिकारी सरदार गुरजीत सिंह ने प्रतिनिधिमंडल में शामिल लोगों को भरोसा दिलाते हुए कहा कि इन समस्याओं का जल्द समाधान करने हेतु प्रयास किए जाएंगे।

फैक्टरी से निकले कारोबारी को अगवा कर मांगी फिरौती, पुलिस जांच में जुटी तो गोली मार फेंक गए

लुधियाना। लुधियाना के सबसे भीड़भाड़ वाले इलाके नूरवाला रोड इलाके में होजरी फैक्टरी चलाने वाले कारोबारी संभव जैन उर्फ शोबी को शुक्रवार रात अज्ञात आरोपियों ने अगवा कर लिया। आरोपियों ने संभव की पत्नी को फोन कर नकदी और जेवरात की मांग की। इसके बाद वे करीब दो से तीन घंटे तक जैन को शहर में ही घुमाते रहे। इसके बाद पुलिस ने आरोपियों को काबू करने के लिए ट्रैप लगा दिया। जब आरोपियों को पुलिस के ट्रैप की जानकारी मिली तो उन्होंने संभव की जांघ पर गोली मार कर उसे जगरांव पुल के पास फेंक दिया और वहां से उसी की कार में ही फरार हो गए। सूचना मिलने के बाद तरुण जैन बावा संभव के परिवार के साथ वहां पहुंचे और उसे डीएमसी अस्पताल में दाखिल कराया। फिलहाल जैन की हालत खतरे से बाहर है। प्रसिद्ध शरमण जी फैब्रिक्स के मालिक प्रेम सागर जैन के भतीजे और जैन होजरी के मालिक संभव जैन की नूरवाला रोड पर होजरी फैक्टरी है। जहां होजरी गुड्स तैयार किया जाता है। शुक्रवार रात करीब आठ से नौ बजे के बीच वह अपनी कीया कार में फैक्टरी से निकले। कुछ ही दूरी पर बाइक सवार कुछ युवकों ने उसे टक्कर मार दी। टक्कर के बाद संभव ने आरोपियों से बात करनी चाही तो आरोपियों ने हथियार दिखाकर संभव को उसी की कार में बैठा लिया और अगवा कर लिया। आरोपियों ने संभव के फोन से ही उसकी पत्नी को फोन किया और उससे कहा कि पति की जान चाहती है तो घर में जितना कैश और जेवरात पड़े है वह इकट्ठा कर उन्हें देने की तैयारी कर ले। आरोपियों ने कहा कि वह अगला फोन जल्द ही करेंगे और उसके बाद वह जगह बता देंगे जहां कैश देना है। घबराई पत्नी ने सभी परिवार वालों को सूचना दी और कारोबारी तरुण जैन बावा को बताया। जिन्होंने तुरंत इसकी जानकारी पुलिस को दी और खुद भी पुलिस के साथ लुटेरों के पीछे लग गए। कारोबारी संभव जैन को अगवा करने वाले आरोपी उसे किसी जगह पर ले जाने की बजाए उसे उसकी कार में ही लेकर घुमाते रहे। आरोपियों ने करीब दो से तीन घंटे तक संभव को घुमाया। जब उन्हें पता चल गया कि पुलिस उनका पीछा कर रही है तो उन्होंने संभव जैन को जांघ पर गोली मारी और जगरांव पुल के पास फेंक कर फरार हो गए।

सतरंगी सप्ताह : वॉकथॉन के जरिए किया मतदान के प्रति जागरूक

जोधपुर (हिंस)। भारत निर्वाचन आयोग एवं मुख्य निर्वाचन अधिकारी जयपुर के निर्देशानुसार विधानसभा आम चुनाव 2023 में मतदाता जागरूकता एवं मतदान प्रतिशत में वृद्धि सुनिश्चित करने के लिए जिले में मतदान से पूर्व सतरंगी सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। इस सप्ताह के अंतर्गत आज तीसरे दिन सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा ब्लू थीम पर सुबह ट्रांसजेंडर व घुमन्तु ग्रुप को लक्षित करते हुए कर्तव्य पथ पर राष्ट्र हित में थीम पर वॉकथॉन का आयोजन किया गया। स्वीप नोडल अधिकारी एवं जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अभिषेक सुराणा ने बताया कि जिले में सतरंगी सप्ताह के अंतर्गत आगामी 22 नवंबर तक विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। सतरंगी सप्ताह के शनिवार को कचहरी परिसर से वॉकथॉन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया जो पावटा, नागौरी गेट, घण्टाघर होते हुए नई सड़क पर पहुंचकर संपन्न हुई। इस वॉकथॉन के जरिए मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरित किया गया। उन्होंने मतदाताओं से अपील करते हुए कहा कि लोकतंत्र में भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए मतदान दिवस पर बूथ जाकर अपने मत का अवश्य प्रयोग करें। स्वीप नोडल अधिकारी अभिषेक सुराणा ने बताया कि सतरंगी सप्ताह के तहत 19 नवंबर को सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा ग्रीन थीम पर सुबह 10 बजे विशेष योग्यजन ग्रुप को लक्षित करते हुए हम भी सक्षम राष्ट्र भी सक्षम थीम पर कचहरी परिसर, नई सड़क से जालोरी गेट से पांचवी रोड़ से बॉम्बे मोटर्स चौराहा से आखलिया तक ट्राई स्कूटी रैली का आयोजन किया जाएगा। इसी श्रृंखला में 20 नवंबर को कॉलेज शिक्षा विभाग द्वारा येलो थीम पर सायं 6 बजे से 7 बजे तक यूथ वोटर्स अरबन एपेथी को लक्षित करते हुए मताधिकार का प्रयोग करेंगे, वोट करेंगे वोट करेंगे थीम पर एमबीएम यूनिवर्सिटी परिसर एवं आईआईटी परिसर में फ्लेश मोबाइल के माध्यम से जागरूकता का आयोजन किया जाएगा। अगले दिन 21 नवंबर को महिला अधिकारिता विभाग द्वारा ओरेंज थीम पर सुबह 10 बजे से दोपहर 12.15 बजे तक महिला वोटर को लक्षित करते हुए वोट करूंगी तभी तो बढ़ूंगी थीम पर न्यू रोड़वेज बस स्टैंड से पावटा सर्कल से खेतसिंह के बंगले सर्कल होते हुए शिप हाउस एवं मिर्धा सर्कल तक महिला रंगोली एवं महिला मार्च का आयोजन किया जाएगा। अंतिम दिन 22 नवंबर को कॉलेज शिक्षा विभाग द्वारा लाल थीम पर सायं 6 बजे से 7 बजे तक नैतिक एवं सूचित मतदान को लक्षित करते हुए लालच पर होगी चोट, सोच समझकर करेंगे वोट थीम पर बाईजी का तालाब में मतदान का पेड़ एवं दीपदान कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

एपल और डिज्नी जैसी कंपनियों ने एक्स पर ऐडवर्टाइजिंग रोकी : मस्क ने यहूदी समुदायों पर गोरों के खिलाफ नफरत के आरोप वाले पोस्ट का समर्थन किया था

वॉशिंगटन।

एपल और डिज्नी जैसी कंपनियों ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर ऐडवर्टाइजिंग बंद कर दी है। एक्स के मालिक एलन मस्क ने हाल ही में कहा था कि वह यहूदी समुदायों पर गोरे लोगों के खिलाफ नफरत को बढ़ावा देने का आरोप लगाने वाले सोशल मीडिया पोस्ट से सहमत हैं।

दोनों प्रमुख राजनीतिक दलों का प्रतिनिधित्व करने वाले 163 यहूदी नेताओं, एक्टिविस्ट और शिक्षाविदों के एक गठबंधन ने भी मस्क के हालिया व्यवहार के जवाब में इस हफ्ते एक बयान जारी किया था। इसमें डिज्नी, एपल और अमेजन जैसी कंपनियों से अपने विज्ञापन खर्च के माध्यम से एक्स को फंडिंग बंद करने का आह्वान किया गया था।

वार्नर ब्रदर्स, पैरामाउंट ग्लोबल ने भी ऐड कैंपेन रोकी

रिपोर्ट के अनुसार वार्नर ब्रदर्स डिस्कवरी, पैरामाउंट ग्लोबल और लायंस गेट एंटरटेनमेंट कंपनी पर अपनी कैंपेन को सस्पेंड कर रही है। कंपनी के प्रवक्ताओं ने इसकी पुष्टि की है। इसके अलावा कॉमकास्ट के एक प्रवक्ता ने कहा कि वह वह रियल-टाइम मैसेजिंग सर्विस पर अपने ऑनलाइन ऐडवर्टाइजिंग कैंपन को रोक रही है। आईबीएम के प्रवक्ता ने कहा कि कंपनी एक्स पर अपने ऑनलाइन ऐडवर्टाइजिंग कैंपेन तुरंत रोक दी है। आईबीएम में हेट स्पीच और भेदभाव के लिए शून्य सहिष्णुता है।

जानिए क्या है पूरा मामला...

चार्ल्स वेबर नाम के एक यूजर ने एक वीडियो शेयर करते हुए लिखा, इंटरनेट की गुमनामी के पीछे छिपने वाले और हिटलर सही था पोस्ट करने वाले कायरों के लिए: क्या आप कुछ कहना चाहते हैं आप इसे हमारे सामने क्यों नहीं कहते... चार्ल्स ने जो वीडियो शेयर किया था उसमें एक पिता अपने बेटे को यहूदी कम्यूनिटी के खिलाफ ऑनलाइन नफरत फैलाने के लिए डांटते हुए दिखाई दे रहा है। इसी पोस्ट पर रिप्लाई करते हुए एक यूजर ने लिखा, यहूदी समुदाय गोरों के खिलाफ ठीक उसी तरह की नफरत को बढ़ावा दे रहे हैं, जिसको वह चाहते हैं कि लोग उनके खिलाफ इस्तेमाल करना बंद कर दें। अब मुझे पश्चिमी यहूदी पॉपुलेशन के अशांति फैलाने के बारे में थोड़ी सी भी बकवास बताने में कोई दिलचस्पी नहीं है... इसी का समर्थन करते हुए मस्क ने लिखा, आपने वास्तविक सत्य कहा है।

न्यूज ब्रीफ

आरबीआई के पूर्व गवर्नर एस वेंकटरमणन का का निधन, 92 वर्ष की आयु में ली अंतिम सांस

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के पूर्व गवर्नर एस वेंकटरमणन का लंबी बीमारी के बाद शनिवार की सुबह निधन हो गया। वे 92 वर्ष के थे। वेंकटरमणन 18वें आरबीआई गवर्नर थे और वे 1990 से 1992 तक इस पद पर रहे। उन्होंने 1985 से 1989 तक वित्त मंत्रालय में वित्त सचिव के रूप में भी कार्य किया है। उनके परिवार में उनकी दो बेटियां गिरिजा और सुधा हैं। उनकी बेटी गिरिजा वैद्यनाथनक तमिलनाडु की पूर्व मुख्य सचिव रह चुकी हैं। एस वेंकटरमणन 1931 में नागरकोइल में जन्मे, जो उस समय त्रावणकोर रियासत का हिस्सा था। उन्होंने उस दौरान में देश के केंद्रीय बैंक की कमान संभाली देश को गंभीर भुगतान संकट का सामना करना पड़ा। आरबीआई ने अपनी वेबसाइट पर वेंकटरमणन के कार्यकाल के बारे में बताते हुए कहा, देश ने उनके कार्यकाल के दौरान ग्लोबल मार्चे पर कठिनाइयों का सामना किया। उनके प्रबंधन ने देश को भुगतान संतुलन के संकट से बाहर निकाला। उनके कार्यकाल में भारत ने आईएमएफ के स्थिरीकरण कार्यक्रम को अपनाया, जहां रुपये का अवमूल्यन हुआ और आर्थिक सुधार कार्यक्रम शुरू किया गया।

अगले हफ्ते 7377 करोड़ रुपये से अधिक का आ रहा है आईपीओ, टाटा,आईआरईडीए,फ्लेयर जैसी कंपनियों का नाम शामिल

नई दिल्ली। आगामी 21 नवंबर से शुरू हो रहे शेयर बाजार के नए कारोबारी हफ्ते में कई कंपनियां अपना इनिशियल पब्लिक ऑफर (आईपीओ) लेकर आने वाली है। इसमें 19 साल के बाद एक बार फिर से टाटा ग्रुप की किसी कंपनी का आईपीओ आ रहा है। निवेशकों की नजर तो इस कंपनी के आईपीओ पर है ही लेकिन इसके अलावा अन्य चार कंपनियां भी हैं जो अगले हफ्ते बाजार में अपना आईपीओ लेकर आ रही है। इन सभी कंपनियों का कुल आईपीओ 7,377 करोड़ रुपये से अधिक का है। टाटा टेक्नोलॉजीज का आईपीओ निवेशकों के लिए 22 नवंबर को ओपन हो रहा है। करीब 19 साल के बाद ऐसा हो रहा है जब टाटा ग्रुप की कोई कंपनी अपना आईपीओ ला रही है। इससे पहले साल 2004 में टाटा ग्रुप की टीसीएस अपना आईपीओ लेकर आई थी। कंपनी का आईपीओ 22 से 24 तक के लिए सब्सक्रीप्शन के लिए खुला रहेगा। इश्यू का प्राइस बैंड 475-500 रुपये है। इश्यू साइज 3,042 करोड़ का है। गांधार ऑयल रिफाइनरी का आईपीओ भी अगले हफ्ते के 22 नवंबर को ओपन हो रहा है। कंपनी का आईपीओ 22 से 24 नवंबर के लिए खुला रहेगा। इसका प्राइस बैंड 160 रुपये से 169 रुपये है। इसका इश्यू साइज 500 करोड़ रुपये है। आईपीओ 21 नवंबर 2023 यानी अगले हफ्ते मंगलवार को खुलेगा। कंपनी ने अपना प्राइस बैंड 30 से 32 रुपये तय किया है। इसका इश्यू साइज 2,150.21 करोड़ रुपये है।

भारत ने दिएरिकॉर्ड 41010 पेटेंट, भारतीयों ने 2022 में किए थे 32 प्रतिशत ज्यादा आवेदन, जो 11 साल में सर्वाधिक

नई दिल्ली। भारत ने चालू वित्त वर्ष में अब तक 40,010 पेटेंट दिएहैं, जो एक रिकॉर्ड है।वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोशल मीडिया मंच (एक्स) पर लिखा, भारतीय पेटेंट कार्यालय ने चालू वित्त वर्ष में 15 नवंबर तक रिकॉर्ड 41,010 पेटेंट प्रदान किया है। 2013-14 में सिर्फ 4,227 पेटेंट प्रदान किएगए थे। वर्ल्ड इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी इंडिकेटर्स (डब्ल्यूआईपीआई) रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीयों ने 2022 में पेटेंट के लिए 31.6 फीसदी ज्यादा आवेदन किए। पेटेंट आवेदनों के लिहाज से यह शीर्ष-10 देशों की तुलना में पिछले 11 वर्षों में सर्वाधिक वृद्धि है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कहना है कि यह एक उल्लेखनीय उपलब्धि है। यह नवाचार संचालित ज्ञान अर्थव्यवस्था की दिशा में भारत की यात्रा में मील का एक पत्थर है। भारत में पेटेंट आवेदनों में वृद्धि हमारे युवाओं के बढ़ते नवोन्वेषी उत्साह को दर्शाती है। यह आने वाले समय के लिए एक बहुत ही सकारात्मक संकेत है। पेटेंट की रिकॉर्ड संख्या अनुसंधान, विकास व तकनीकी नवाचार पर देश के बढ़ते जोर को दर्शाती है। सरकार इस क्षेत्र में योगदान को प्रोत्साहन दे रही है। डब्ल्यूआईपीआई रिपोर्ट के मुताबिक, 2022 में चीन, अमेरिका, जापान, दक्षिण कोरिया और जर्मनी सबसे अधिक पेटेंट दाखिल करने वाले देश थे।

पहले भी कई संस्थापकों-सीईओ को दिखाया गया बाहर का रास्ता! एपल-ट्विटर और फ्लिपकॉर्ट में भी हुआ ये खेल

नई दिल्ली।

चैटजीपीटी की निर्माता कंपनी ओपनएआई ने मुख्य कार्यकारी अधिकारी सैम आल्टमैन को पद से हटा दिया है। ओपनएआई के प्रेसिडेंट ग्रेग ब्रॉकमैन ने भी कंपनी के इस फैसले के विरोध में पद से इस्तीफा दे दिया है। कंपनी ने एक ब्लॉग में खुलासा किया कि ओपनएआई के बोर्ड को अब आल्टमैन पर भरोसा नहीं रह गया था। ऐसा पहली बार नहीं है जब किसी कंपनी ने अपने संस्थापक या मुख्य कार्यकारी अधिकारी से किनारा किया है। पूर्व में भी बड़ी-बड़ी कंपनियों ने अपनी स्थापना में अहम योगदान देने वाले संस्थापकों और सीईओ को कंपनी से बाहर करने का फैसला किया है। इसका एक अपना अलग इतिहास रहा है। एपल के संस्थापक दिवंगत स्टीव जॉब्स भी कभी अपनी ही बनाई कंपनी से निकाल दिए गए थे। भारत में भी फ्लिपकॉर्ट के संस्थापकों और भारतपे जैसी कंपनियों में हमें ऐसी घटानाएं देखने को मिल चुकी हैं। इस लिस्ट में ताजा नाम ओपनएआई के संस्थापक सैम अल्टमैन का है।

1. स्टीव जॉब्स, एपल के संस्थापक - स्टीव जॉब्स पर्सनल कंप्यूटर युग के एक करिश्माई बिजनेस लीडर थे। जॉब्स ने स्टीव वोज्नियाक के साथ मिलकर 1976 में ऐप्पल की स्थापना की और कंपनी को दुनिया की बहुमूल्य कंपनी में बदल दिया। उन्हें व्यापक रूप से एक दूरदर्शी और प्रतिभासंपन्न माना जाता है, उन्हें आईपॉड और आईफोन जैसे क्रांतिकारी उत्पादों को इजाद करने का श्रेय दिया जाता है। एपल के संस्थापक स्टीव जॉब्स को 1985 में अपनी ही कंपनी से निकाल दिया गया था, लगभग 10 साल बाद उन्होंने इसे अपने माता-पिता के गैरेज में शुरू किया था। हालांकि उन्होंने 90 के दशक के अंत में एपल के सीईओ के रूप में फिर वापसी की। एपल से दूर रहते हुए, जॉब्स ने दो बहुत सफल कंपनियों, की शुरुआत की और दुनियाभर में जाना माना नाम बन गए। एक स्पीच के दौरान उन्होंने कहा था कि मुझे पूरा यकीन है कि अगर मुझे एपल से नहीं निकाला गया होता तो शायद मैं इन दो कंपनियों को नहीं बना पाता।

2. सचिन और बिन्नी बंसल, फ्लिपकार्ट के संस्थापक - फ्लिपकार्ट की स्थापना अक्टूबर 2007 में सचिन बंसल और बिन्नी बंसल ने की थी, ये आईआईटी, दिल्ली के पूर्व छात्र और अमेजॉन के पूर्व कर्मचारी थे। कंपनी ने शुरू में देशव्यापी शिपिंग के साथ ऑनलाइन पुस्तक बिक्री पर ध्यान केंद्रित किया। धीरे-धीरे फ्लिपकार्ट का विस्तार हुआ और 2008 तक कंपनी को प्रति दिन सैकड़ों ऑर्डर मिलने लगे थे और कंपनी का राजस्व बढ़ने लगा था। सचिन बंसल का 2018 में वॉलमार्ट से अधिग्रहण डील के दौरान फ्लिपकार्ट के बोर्ड के साथ विवाद हो गया था। उन्होंने कंपनी में अपनी पूरी हिस्सेदारी एक अरब डॉलर से अधिक में बेच दी और कंपनी से बाहर निकल गए। उसके बाद, बिन्नी बंसल ने भी मूल कंपनी वॉलमार्ट द्वारा गंभीर व्यक्तिगत कदाचार के आरोपों की जांच के बाद 2018 में फ्लिपकार्ट से इस्तीफा दे दिया।

3. अशनीर ग्रोवर, सह-संस्थापक, भारतपे - कुछ समय पूर्व ही शार्क टैंक इंडिया के जज रहे अशनीर ग्रोवर को भी भारत पे से बाहर निकाल दिया गया था। वे कंपनी के सह-संस्थापक थे। अशनीर को कंपनी के खिलाफ दायर मध्यस्थता में हारने के बाद कंपनी बोर्ड की सदस्यता छोड़नी पड़ी थी। उनकी पत्नी माधुरी जैन को हाल ही में कंपनी में अनियमितता बरतने के आरोपों के बाद बर्खास्त कर दिया गया था। दंपती के खिलाफ इओडब्ल्यू की ओर से एलओपी जारी किया गया है जिसके कारण उन्हें एक दिन पूर्व ही दिल्ली में हवाई अड्डे पर विदेश जाने से रोक दिया गया था।

4. जैरी यांग, याहू के संस्थापक - जेरी यांग जो एक स्टैनफोर्ड स्नातक हैं उन्होंने याहू सर्च इंजन और वेब सेवा की स्थापना की की सह-स्थापना की है। वर्तमान में वे वेंचर फंड एएमई क्लाउड वेंचर्स के फाउंडिंग पार्टनर हैं, उन्हें स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज का अध्यक्ष भी चुना गया है। यांग को भी 2008 में अपनी ही बनाई कंपनी छोड़नी पड़ी थी। 2008 में, माइक्रोसॉफ्ट की ओर से कंपनी का अधिग्रहण का विरोध करने के बाद, याहू के सह-संस्थापक जेरी यांग ने सीईओ के रूप में अपनी भूमिका से इस्तीफा दे दिया। केवल चार साल बाद ही यांग ने कंपनी से पूरी तरह से इस्तीफा दे दिया जब कंपनी के शेयरधारक कंपनी को बेचना चाह रहे थे जिसका यांग ने विरोध किया था।

5. जैक डोर्सी, ट्विटर के संस्थापक और सीईओ - अपनी ही कंपनी से बाहर होने वालों में एक नाम जैक डोर्सी का भी है। जैक पैट्रिक डोर्सी ट्विटर के सह-संस्थापक और पूर्व सीईओ हैं। उन्होंने वित्तीय भुगतान सेवा प्रदान करने वाली कंपनी ब्लॉक भी बनाई है। जैक डोर्सी, इवान विलियम्स, बिज़ स्टोन और नूह ग्लास ने 2006 में ट्विटर की शुरुआत की थी। उस दौरान डोर्सी कंपनी के सीईओ बने। लेकिन उनकी खराब प्रबंधन शैली, बोर्ड के सदस्यों के साथ संचार की कमी के कारण उनकी आलोचना होने लगी। 2008 में, जैक डोर्सी को सह-संस्थापक इवान विलियम्स ने बाहार का रास्ता दिखा दिया। ईवान कंपनी के मुख्य निवेशक और चेयरमैन थे। हालांकि डोर्सी ने 2015 में कंपनी में फिर से सीईओ के रूप वापसी की। 2021 में जैक डोर्सी ने ट्विटर के सीईओ के रूप में पद छोड़ दिया, उन्होंने ट्विटर (अब एक्स) पर लिखा, मैंने ट्विटर छोड़ने का फैसला किया है क्योंकि मेरा मानना है कि कंपनी अपने संस्थापकों से आगे बढ़ने के लिए तैयार है।

6. पराग अग्रवाल, ट्विटर, सीईओ - जैक डोर्सी के बाद ट्विटर सीईओ बने भारतीय मूल के पराग अग्रवाल को भी गैर-सम्मानजनक तरीके से ट्विटर से विदा होना पड़ा। दरअसल, कंपनी का एलन मस्क की ओर से अधिग्रहण किए जाने के बाद मस्क ने कंपनी की टॉप लीडरशिप को अचानक बाहर निकाल दिया। ऐसे में जिस कंपनी में कभी पराग अग्रवाल सर्वेसर्वा के पद पर पहुंचे वहीं से उन्हें प्रतिकूल परिस्थितियों में बाहर होना पड़ा।

7. ट्रेविस क्लानिक, संस्थापक, ऊबर - ट्रैविस कॉर्डेल कलानिक एक अमेरिकी व्यवसायी हैं जिन्हें उबर के सह-संस्थापक और पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी के रूप में जाने जाते हैं। 2017 में, कंपनी की स्थापना करने के आठ साल बाद, कलानिक को कंपनी में विवादों की एक श्रृंखला के बाद सीईओ का पद छोड़ना पड़ा।

सप्ताह में दो दिन गिरावट और दो दिन तेजी रही सेंसेक्स 65,794.73 पर और निफ्टी 19,731.80 पर बंद

मुंबई।

बीते सप्ताह मंगलवार को बलि दिवाली प्रतिप्रदा के अवसर पर शेयर बाजार बंद रहने की वजह से पांच कारोबारी दिनों की बजाय केवल चार दिन ही कारोबार हुआ। सेंसेक्स 0.28 फीसदी और निफ्टी 0.17 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुए। हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार को बाजार के प्रमुख बेंचमार्क इंडेक्स कमजोर दिखे। इससे पहले दिवाली दिन मुहुर्त ट्रेडिंग के दौरान शेयर बाजार में मजबूती दिखी थी।

सोमवार को सेंसेक्स 271.41 अंकों की गिरावट के साथ 64,987.34 पर खुला और 325.58 अंक की गिरावट के साथ 64,933.87 के स्तर पर बंद हुआ। बुधवार को शुरुआती कारोबार में बीएसई सेंसेक्स करीब 600 अंक चढ़कर 65,500 पर खुला और 742.06 अंकों की बढ़त के साथ 65,675.93 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी भी करीब 150 अंकों की मजबूती के साथ 19600 पर खुला और 231.91 अंकों की बढ़त के साथ 19,675.45 के स्तर पर बंद हुआ। कारोबारी सप्ताह के चौथे दिन गुरुवार को शेयर बाजार की शुरूआत थोड़ी नरमी के साथ हुई थी. हालांकि दोपहर बाद सेंसेक्स और निफ्टी में काफी तेजी देखने को मिली।

सेंसेक्स 400 अंक बढ़कर 66,156.30 हजार पर खुला और 306.55 अंक यानी 0.47 फीसदी की तेजी में रहा और 65,982.48 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 0.67 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 19 हजार के पार खुला और 87.10 अंक की बढ़त के साथ 19,762.55 पर बंद हुआ। शेयर बाजार शुक्रवार को कमजोरी के साथ खुले। बाजार के प्रमुख इंडेक्स दो दिनों के अंतराल के बाद लाल निशान में कारोबार करते दिखे।

शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 140 अंक गिरकर 65,850 पर खुला और 187.75 (-0.28 फीसदी) अंकों की गिरावट के साथ 65,794.73 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी भी 20 अंकों की गिरावट के साथ 19,750 पर खुला और 33.41 (0.17 फीसदी) अंकों की गिरावट के साथ 19,731.80 पर बंद हुआ।

इस हफ्ते सोने-चांदी की कीमतों में शानदार तेजी: 61 हजार के पार निकला सोना, चांदी 74 हजार के करीब पहुंची

नई दिल्ली।

इस हफ्ते सोने-चांदी के दामों में शानदार तेजी देखने को मिली है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट के अनुसार सर्राफा बाजार में इस हफ्ते की शुरुआत, यानी 13 नवंबर को सोना 59,918 रुपए पर था, जो अब 18 नवंबर को 61,170 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। यानी इस हफ्ते इसकी कीमत 1,252 रुपए बढ़ी है।

चांदी में इस हफ्ते 4 हजार से ज्यादा की तेजी - आईबीजेए की वेबसाइट के अनुसार इस हफ्ते चांदी में 4 हजार रुपए से ज्यादा की तेजी देखने को मिली है। इस हफ्ते की शुरुआत में ये 69,400 रुपए पर थी जो अब 73,747 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है। यानी इस हफ्ते इसकी कीमत 4,347 रुपए बढ़ी है।

इस महीने अब तक सोने-चांदी में रही तेजी - इस महीने अब तक सोने-चांदी के दाम में मामूली बढ़त देखने को मिली है। 1 नवंबर को सोने के दाम 60,896 रुपए थे, जो अब 60,978 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गए हैं। वहीं चांदी की कीमत अब तक इस महीने 2,922 रुपए बढ़ी है। यह नवंबर के पहले दिन 70,825 रुपए पर थी, जो अब 73,210 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गई है।

62 हजार तक जा सकता है सोना - अंतरराष्ट्रीय और घरेलू बाजार में भी सोने-चांदी की कीमतों में तेजी जारी रहने के आसार हैं। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के कमोडिटी और करंसी हेड अनुज गुप्ता ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में बॉन्ड यील्ड घट रही है और डॉलर कमजोर हो रहा है। इससे गोल्ड को सपोर्ट जारी रहेगी। इसके अलावा शादियों का सीजन भी शुरू होने वाला है। ऐसे में डिमांड बढ़ने का असर कीमतों पर होगा। इससे आने वाले दिनों में सोना 62 हजार और चांदी 75 हजार तक जा सकती है।

एप्पल ने अपनी बेहद जरुरी सर्विस को एक साल के लिए बढ़ाया, यूजर्स हुए खुश

सैन फ्रांसिस्को।

प्रीमियम स्मार्टफोन बनाने वाली कंपनी एप्पल ने अपने आईफोन 14 के यूजर्स के लिए एक विशेष सर्विस को एक साल के लिए बढ़ा (एक्स्टेंड कर) दिया है। एप्पल के फोन में इमरजेंसी एसओएस एक महत्वपूर्ण सर्विस मिलती है। कंपनी ने पिछले साल नवबंर 2022 में आईफोन 14 के यूजर्स के लिए यह सर्विस लांच की थी। नए ऐलान के बाद यह सेवा अब नवबंर 2024 तक जारी रहेगी। बता दें कि सर्विस तब काम आती है, जब यूजर किसी मुसीबत में हो और किसी से संपर्क करने के लिए न तब नेटवर्क उपलब्ध हो और न ही वाई-फाई सुविधा उपलब्ध हो। इस सेवा का इस्तेमाल करके बहुत से लोगों ने अपने करीबियों को जानकारी भेजकर मुसीबत के समय में अपनी जान बचाई है। इसी वजह से एप्पल की यह सर्विस काफी चर्चा में भी रहती है। एप्प्ल ने आईफोन 14 के यूजर्स को बिना किसी शुल्क एक और साल के लिए यह सर्विस देकर खुश कर दिया है। आईफोन बनाने वाली कंपनी ने इसकी पुष्टि की है। कंपनी ने कहा है कि वह आईफोन उपयोगकर्ताओं के लिए सैटेलाइट फीचर के माध्यम से इमरजेंसी एसओएस के दो साल के नि: शुल्क परीक्षण को एक और साल के लिए बढ़ा रही है। एप्पल के वर्ल्डवाइड आईफोन प्रोडक्ट मार्केटिंग के उपाध्यक्ष कैयन डांस ने कहा, हम बहुत खुश हैं कि आईफोन 14 और आईफोन 15 के यूजर 2 वर्षों के लिए इस स्पेशल सर्विस का मुफ्त में लाभ उठा सकते हैं। फिलहाल सैटेलाइट के माध्यम से आपातकालीन एसओएस ऑस्ट्रेलिया, ऑस्ट्रिया, बेल्जियम,

कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, आयरलैंड, इटली, लक्ज़मबर्ग, नीदरलैंड, न्यूजीलैंड, पुर्तगाल, स्पेन, स्विट्जरलैंड, यूके और यूएस में उपलब्ध है। यह सुविधा भारत में कब आएगी, इस बारे में कोई जानकारी नहीं मिली है। सैटेलाइट कनेक्टिविटी क्षमता के आधार पर, ग्रिड से बाहर यात्रा करने वाले आइफोन 14 उपयोगकर्ता, जो कि ऐसी जगह पर हैं जहां सेलुलर या वायरलेस कनेक्टिविटी नहीं है, फाइंड माई एप का भी उपयोग कर सकते हैं। इसका इस्तेमाल करके सैटेलाइट के माध्यम से दोस्तों और परिवार के साथ अपने स्थान के बारे में जानकारी दे सकते हैं। एप्पल ने अमेरिका में सैटेलाइट फीचर के माध्यम से रोडसाइड असिस्टेंस की भी शुरुआत की थी। यह बिना सेलुलर और वाई-फाई कवरेज वाले क्षेत्र में कार की समस्या के मामले में कार मालिकों को एएए रोडसाइड हेल्प से जोड़ता है।

आरबीआई की सख्ती से व्यक्तिगत ऋण 0.50 फीसदी तक होगा महंगा, एनबीएफसी पर पड़ेगा सर्वाधिक असर

नई दिल्ली।

आरबीआई के बैंकों और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) के लिए असुरक्षित कर्ज से जुड़े नियमों को सख्त करने से पर्सनल लोन 0.50 फीसदी तक महंगा हो जाएगा। केंद्रीय बैंक ने असुरक्षित कर्ज के लिए जोखिम भार 25 फीसदी बढ़ाकर 125 फीसदी कर दिया है। इसका सबसे ज्यादा असर एनबीएफसी पर होगा क्योंकि बैंकों से पूंजी लेने की वजह से उनका कर्ज महंगा हो जाएगा।

इस फैसले से बैंकों और एनबीएफसी को अब ज्यादा पूंजी अपने पास रखनी होगी। इससे वे कर्ज देने की रफ्तार घटाने के साथ ब्याज दरें बढ़ा सकते हैं। मैक्वायरी कैपिटल ने कहा, इस सख्ती से बैंकों की कर्ज वृद्धि में दो फीसदी तक गिरावट आ सकती है। निजी बैंकों के लिए बहुत ज्यादा दिक्कत नहीं है, लेकिन सरकारी बैंकों के लिए यह बड़ा मुद्दा हो सकता है। रेटिंग एजेंसी नोमुरा ने कहा, आरबीआई की सख्ती स्पष्ट संकेत है कि वह असुरक्षित कर्ज वृद्धि पर अंकुश चाहता है। आईडीबीआई बैंक के उपप्रबंध निदेशक सुरेश खटनहर ने कहा, बैंक असुरक्षित कर्ज क्षेत्र में जोखिम घटाने पर विचार कर सकते हैं।

84,000 करोड़ रुपये की जरूरत पड़ेगी बैंकिंग प्रणाली को

एसबीआई के अर्थशास्त्रियों ने एक रिपोर्ट में कहा, कर्ज सख्ती से बैंकों को 84,000 करोड़ रुपये की पूंजी की जरूरत होगी। रिपोर्ट के मुताबिक, रेपो दर उच्च स्तर पर पहुंच चुकी है। ऐसे में आरबीआई वृद्धि और महंगाई के तय लक्ष्य पाने के लिए नकदी प्रबंधन व सूझबूझ वाले वृहद आर्थिक उपायों का सहारा ले रहा है। केंद्रीय बैंक ने मजबूत संदेश दिया है कि वह किसी भी शुरुआती वित्तीय स्थिरता से जुड़े जोखिम से निपटने को पूरी तरह से तैयार है।

वित्तीय क्षेत्र की साख पर असर नहीं: एसएंडपी

एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने कहा, आरबीआई के फैसले से बैंकों की पूंजी पर्याप्तता में 0.6 फीसदी कमी आ सकती है। एजेंसी की क्रेडिट विश्लेषक गीता चुघ ने कहा, धीमी कर्ज वृद्धि व जोखिम प्रबंधन पर बढ़ा जोर भारतीय बैंकिंग प्रणाली में परिसंपत्ति गुणवत्ता को बेहतर करेगा। इन बदलावों का भारत के वित्तीय क्षेत्र की साख पर कोई तत्काल प्रभाव देखने को नहीं मिलेगा।

क्रेडिट स्कोर और कमाई अच्छी तो पहले की तरह आसानी से मिलता रहेगा उधार

बैंक बाजार के सीईओ आदिल शेट्टी ने बताया, जिन ग्राहकों की कमाई व क्रेडिट स्कोर अच्छा है और जिन्होंने समय पर किस्त चुकाया है, उन पर इस फैसले का असर नहीं होगा। बैंक ऐसे ग्राहकों को पहले की तरह कर्ज देते रहेंगे। कर्ज भुगतान में डिफॉल्ट करने वाले पर पहले भी असर होता था। अब भी होगा। जो बैंक और वित्तीय संस्थान आक्रामक तरीके से क्रेडिट कार्ड व पर्सनल लोन बांट रहे थे, उन पर अंकुश। पूरा फैसला छोटे कर्ज को लेकर है, इसलिए इसका ज्यादा असर नहीं होगा।

सख्ती से हमारे बैंक पर पड़ेगा न्यूनतम प्रभाव

दिनेश कुमार खारा, चेयरमैन, एसबीआई का कहना है कि असुरक्षित कर्ज पर अंकुश लगाने के लिए आरबीआई के जोखिम भार में बढ़ोतरी का असर हमारे पर्सनल लोन और क्रेडिट कार्ड पर 0.50 से 0.60 फीसदी तक पड़ सकता है। पर्सनल लोन के लिए सख्त नियमों से पूंजी अनुपात पर न्यूनतम प्रभाव पड़ेगा।

6 फीसदी तक टूटे वित्तीय संस्थानों के शेयर

बैंकों और एनबीएफसी के शेयर करीब 6 फीसदी तक टूट गए। एसबीआई कार्ड का शेयर 5.19 फीसदी, बजाज फाइनेंस का दो फीसदी और आदित्य बिड़ला कैपिटल का शेयर 5.71 फीसदी गिरकर बंद हुआ। एसबीआई का शेयर 3.64 फीसदी, एक्सिस बैंक का 3.03 फीसदी, आईसीआईसीआई बैंक का 1.45 फीसदी, पंजाब नेशनल बैंक का दो फीसदी और केनरा बैंक का शेयर दो फीसदी गिरावट में बंद हुआ।

रंगभेद की टिप्पणी पर हंसना भारी पड़ा रमीज राजा को

-आग बबूला हुई नीना गुप्ता की बेटी मसाबा

मुंबई (ईएमएस)। पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर रमीज राजा को वेस्टइंडीज के पूर्व क्रिकेटर विवियन रिचड्र्स पर किये गए रंगभेद की टिप्पणी पर हंसना भारी पड़ गया है। विवियन रिचड्र्स और नीना गुप्ता की डिजाइनर बेटी मसाबा गुप्ता ने रमीज राजा की क्लास लगाते हुए उसे खूब खरी खोटी सुनाई है। मसाबा ने अपने ट्विटर अकाउंट पर पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर की क्लास लगाते हुए लिखा, डियर रमीज राजा, ग्रेस एक ऐसा गुण हैं, जो बहुत ही कम लोगों के पास होता है। मेरे पिता, मेरी माता और मेरे पास ये बहुत ज्यादा है। आप कोई भी नहीं हो। पाकिस्तान के नेशनल टीवी पर आपको उन चीजों पर हंसता हुआ देखकर अब सच में थक चुकी हूं, जिस पर दुनिया ने 30 साल पहले हंसना छोड़ दिया है। सब भविष्य की तरफ देखें। हम तीनों ही अपना सिर ऊपर करके चल रहे हैं। इसके साथ ही मसाबा ने इसे अपनी इंस्टा स्टोरी पर लिखा, हम 2024 के नजदीक पहुंच चुके हैं। कोई फर्क नहीं पड़ता आप कौन है, मैं आपका नाम खुलकर बोलूंगी, क्योंकि आपने नेशनल टीवी पर रंगभेद और मेरी मां के बारे में भद्दी टिप्पणी की है। ये अब भी मेरी एक लड़ाई है।

बता दें, हाल ही में एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें पाकिस्तानी पूर्व क्रिकेटर रमीज राजा मसाबा के पिता विवियन रिचड्र्स पर की गई रंगभेद की टिप्पणी पर हंसते नजर आए। वीडियो में एक महिला कॉमेडियन विवियन रिचड्र्स की स्किन कलर का मजाक उड़ा रही हैं। वह पाकिस्तान के नेशनल टीवी पर कहती हैं, मैं क्रिकेट मैच देखती थी, लेकिन मेरा दिल तब टूट गया, जब विवियन रिचड्र्स नीना गुप्ता के साथ रिलेशनशिप में आए। उस वक्त मैंने एक कविता लिखी थी, जो लड़कियां खुद को कहती हैं मलिका-ए-आलिया, उनको फिर मिलता है मिस्टर कालिया। इस वीडियो में रमीज राजा भी नजर आ रहे हैं, जो इस जोक पर ठहाके लगाकर हंसते है। यह वीडियो देखने के बाद मसाबा गुप्ता का खून खौल गया और उन्होंने पूर्व क्रिकेटर की क्लास लगा दी। बता दें कि इंडिया टीम जहां एक तरफ वर्ल्ड कपल फाइनल में अपनी जगह बनाकर वाहवाही लूट रही है, वहीं दूसरी तरफ पाकिस्तानी क्रिकेटर्स लगातार निशाने पर आए हुए हैं। कुछ दिनों पहले ही पाकिस्तानी क्रिकेटर अब्दुल रज्जाक ने एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय बच्चन पर भद्दी टिप्पणी की थी, जिसे लेकर लोगों ने उनकी खूब आलोचना की, और उन्हें माफी भी मांगना पडा।

करीना को सारा की मां बनने में नहीं है कोई परेशानी

-कॉफी विद करण शो में किया गया खुलासा

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड एक्ट्रेस करीना कपूर खान को रिश्ते में अपनी बेटी लगने वाली एक्ट्रेस सारा अली खान की ऑनस्क्रीन मां बनने में भी कोई परेशानी नहीं है। यह खुलासा किया है उन्होंने कॉफी विद करण शो में। करीना कपूर, आलिया भट्ट के साथ कॉफी विद करण के आठवें सीजन के चौथे एपिसोड में नजर आने वाली हैं। एपिसोड के प्रोमो में करीना और आलिया की बातें काफी दिलचस्प लग रही हैं। दोनों ने अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ के बारे में काफी खुलासे किए हैं। रेपिड फायर राउंड में करण जौहर ने पूछा कि क्या वह कभी फिल्मों में सारा अली खान की मां का किरदार करेंगी? इस पर करीना ने बहुत ही समझदारी के साथ जवाब दिया। करण ने सवाल किया था, अगर तुम्हें कभी फिल्मों में सारा की मां का रोल निभाने के लिए किया जाए, तो क्या तुम करोगी? इस पर करीना ने कहा, मैं एक एक्टर हूं और मैं किसी भी उम्र का किरदार कर सकती हूं। तो क्यों नहीं इस पर करण पूछते हैं, तो, तुम तैयार हो? इस पर करीना कहती हैं कि वह एक्टिंग में कुछ भी करने के लिए तैयार हैं। सारा अली खान, करीना कपूर की सौतेली बेटी हैं। वह सैफ अली खान की पहली पत्नी अमृता सिंह की बेटी हैं। सैफ और अमृता के दो बच्चे हैं, सारा और इब्राहिम। करीना को भी अक्सर उनके साथ हैंगआउट करते हुए देखा जाता है। करीना, सैफ की पहली पत्नी के बच्चों के साथ अच्छा बॉन्ड शेयर करती हैं। करण ने करीना से साउथ के मशहूर एक्टर्स का नाम बताते हुए पूछा कि वह इनमें से किसके साथ काम करना चाहती हैं? करण ने ऑप्शन में प्रभास, राम चरण, विजय देवरकोंडा और यश का नाम लिया। इस पर करीना ने कहा कि वह केजीएफ पसंद करने वाली लड़की हैं तो वह यश के साथ काम करना चाहेंगी। यह सुनकर करण हैरान रह गए क्योंकि करीना ने पहले दावा किया था कि वह कोई फिल्म नहीं देखती हैं और खुलासा किया था कि उन्होंने रॉकी और रानी की प्रेम कहानी भी नहीं देखी है।

भाई दूज पर एक्ट्रेस सारा ने भाई को दी शुभकामनाएं

भाई दूज के मौके पर एक्ट्रेस सारा अली खान ने भाई इब्राहिम अली खान संग प्यारी-प्यारी तस्वीरें शेयर कर उन्हें शुभकामनाएं दी हैं। एक्ट्रेस की ये तस्वीर सोशल मीडिया खूब देखी जा रही है। एक्ट्रेस सारा अली खान ने अपने इंस्टाग्राम की स्टोरी पर कई तस्वीरों वाला कोलाज शेयर किया, जिसमें उनकी भाई संग बचपन से लेकर अब तक की तस्वीरें हैं। कई तस्वीरों में उनका नटखट अंदाज भी देखने को मिल रहा है। वहीं, कईयों में भाई बहन का ग्लैमरस लुक देखने को मिल रहा है। इस पोस्ट के साथ सारा ने लिखा-हैप्पी भाई दूज। वहीं, इससे पहले सारा अपनी फैमिली के साथ दीवाली का त्योहार भी खूब खुशियों से सेलिब्रेट करती नजर आई थीं। काम की बात करें तो सारा अली खान की अपकमिंग मूवी स्काई फोर्स है। मालूम हो कि एक्ट्रेस सारा अली खान हर त्योहार को अपनी फैमिली के साथ खूब उल्लास से सेलिब्रेट करती नजर आती हैं।

फराह खान ने दी अलग अंदाज में सानिया को दी बधाई

हाल ही में टेनिस स्टार सानिया मिर्जा ने अपना 37वां जन्मदिन मनाया। इस मौके पर उनकी बेस्ट फ्रेंड फराह खान ने उनके लिए एक प्यारी सी पोस्ट शेयर की है। फराह ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर सानिया के साथ कई फोटो साझा की हैं। तस्वीरें एक फैंसी रेस्तरां में क्लिक की गईं। पहली फोटो में सानिया, फराह को गले लगा रही हैं। सानिया प्रिंटेड ब्लैक एंड व्हाइट जैकेट के साथ काले टॉप में, जबकि फराह मल्टी कलर धारीदार टॉप में दिख रही हैं। फराह ने अपनी भावनाएं जताते हुए लिखा, जन्मदिन मुबारक हो मेरी प्यारी मिजार्सानियार, आप हमेशा खुश रहें, दोस्तों और उन सभी से घिरी रहें जो आपसे प्यार करते हैं। क्योंकि आप इसके और इससे भी अधिक की हकदार हैं। बता दें कि जन्म दिन पर सानिया के फैंस और फ्रेंड्स ने सोशल मीडिया के माध्यम से बधाइयों और शुभकामनाओं की झड़ी लगा रखी है। ऐसे में उनकी बेस्ट फ्रेंड मानी जाने वालीं फिल्ममेकर व कोरियोग्राफर फरहा खान कहां पीछे रहने वाली थीं।

हिबा शो में झनक की भूमिका निभाएंगी

-स्टार प्लस से जुड़ने को लेकर हैं सुपर एक्साइटेड

नई दिल्ली (ईएमएस)। मनोरंजन चैनल स्टार प्लस ने अपने दर्शकों के लिए झनक नाम का एक नया शो लेकर आया है। हिबा नवाब शो में झनक की मुख्य भूमिका निभाती नजर आएंगी, उनके साथ कृषाल आहूजा उर्फ अनिरुद्ध मुख्य किरदार निभाएंगे, और चांदनी शर्मा शो में अर्शी का किरदार निभाएंगी। झनक एक छोटी सी लड़की की दिलचस्प और आकर्षक कहानी है जो एक डांसर बनने का सपना देखती है लेकिन मुश्किलों में बड़ी होती है। झनक अपने सपनों को हासिल करने के लिए सभी चुनौतियों से लड़ती है लेकिन तभी उसके परिवार पर एक त्रासदी आती है और उसकी दुनिया बिखर जाती है। झनक को दूसरों के बुरे इरादों से बचाने के लिए अनिरुद्ध आगे आता है और उससे शादी कर लेता है, लेकिन भविष्य में एक बार फिर दोनों एक-दूसरे के रास्ते में आते है, जिससे उनका रिश्ता और अधिक कॉम्प्लिकेटेड हो जाएगा। ये शो झनक की एक इमोशनल रोलरकोस्टर राइड है और दिखाता है कि कैसे वह एक स्टार की तरह राख से उठती है। बता दें, यह दूसरी बार है जब हिबा नवाब स्टार प्लस के साथ काम करेंगी। उन्होंने इससे पहले तेरे शहर में में अभिनय किया था जो स्टार प्लस पर प्रसारित हुआ था।

हाल में हिबा नवाब ने इस पर बात करते हुए कहा, मैं अपने नए प्रोजेक्ट, झनक के लिए सुपर एक्साइटेड भी हूं और घबराई हुई भी हूं। मैं एक बार फिर स्टार प्लस के साथ अपने जुड़ाव को लेकर खुश हूं, यह लीडिंग चैनल है, और मैं दोबारा इसका हिस्सा बनकर धन्य महसूस कर रही हूं। मैं आठ साल बाद स्टार प्लस के साथ काम कर रही हूं और झनक के साथ स्टार प्लस पर वापसी करना और भी खास है। मुझे उम्मीद है कि दर्शक हमें और शो झनक को प्यार और सराहना देंगे और दर्शक झनक की यात्रा से जुड़ पाएंगे। झनक एक बहुत ही सरल लेकिन जटिल किरदार है, उसके पास परतों की एक विविध रेंज है जो धीरे धीरे खुलती रहेगी। हम सभी ने इसमें जी जान लगाया है और शो के लिए अपना बेस्ट दिया है। बता दें कि लीना गंगोपाध्याय द्वारा निर्मित झनक 20 नवंबर को सोमवार से रविवार रात 10.30 बजे स्टार प्लस पर प्रसारित होगा। स्टार प्लस असाधारण कंटेंट देने और अनछुए क्षेत्र में वेंचर करने के लिए जाना जाता है।

प्राइम वीडियो की हॉरर सीरीज 'द विलेज' का ट्रेलर रिलीज

प्राइम वीडियो ने शुक्रवार को अपनी हॉरर सीरीज द विलेज के बहुप्रतीक्षित ट्रेलर रिलीज कर दिया गया। एक्शन से भरपूर इसकी कहानी अश्विन श्रीवत्संगम, विवेक रंगाचारी और शमिक दासगुप्ता के इसी नाम वाले हॉरर उपन्यास से प्रेरित है, जिसमें डरावनी घटनाओं का सजीव चित्रण किया गया है। बुनियादी तौर पर इस उपन्यास को याली ड्रीम वर्क्स ने प्रकाशित किया था। तेज रफ्तार वाली यह हॉरर सीरीज दर्शकों को तमिलनाडु के अंदरूनी उजाड़ इलाकों में बसे कत्तियाल गांव ले जाती है, जहां गौतम और उनके परिवार का सामना एक ऐसे भयानक जीव से होता है, जिसकी उन्होंने अपने दुःस्वप्न में भी कल्पना नहीं की थी। स्टूडियो शक्ति के प्रोडक्शन द विलेज सीरीज का निर्माण बीएस राधाकृष्णन ने किया है। मिलिंद राऊ ने इसे धीरज वैद्य और दीप्ति गोविंदराजन के साथ मिलकर लिखा व रचा है। लोकप्रिय तमिल एक्टर आर्य इस सीरीज में मुख्य भूमिका निभा रहे हैं, साथ ही इसमें दिव्या पिल्लई, आझिया, आडुकलम नरेन, जॉर्ज मायन, पीएन सनी, मुथुकुमार के, कलैरानी एसएस, जॉन कोक्केन, पूजा, वी. जयप्रकाश, अर्जुन चिदंबरम और थलैवासल विजय जैसे वसेर्टाइल कलाकार शामिल हैं। यह सीरीज प्राइम वीडियो पर तमिल, तेलुगु, मलयालम, कन्नड़ और हिंदी में डब करके तथा अंग्रेजी में सबटाइटल्स के साथ प्रीमियर के लिए तैयार है। सीरीज द विलेज का ट्रेलर तीन लोगों के एक ऐसे परिवार से दर्शकों का परिचय करवाता है, जो सड़क मार्ग से यात्रा पर निकलने वाले हैं। हालांकि, उनका सारा उत्साह और रोमांच जल्द ही काफूर हो जाता है, क्योंकि एक दिल दहलाने वाले मोंटाज से गुजर कर वे उस भयानक गांव में दाखिल हो जाते हैं, जहां किसी भी पल मौत हो सकती है। गौतम की भूमिका निभाने वाले आर्य, वहां मौजूद म्यूटेंट्स के द्वारा बंदी बना ली गई अपनी पत्नी और बेटी को बचाने की कोशिश में तीन स्थानीय लोगों से हाथ मिलाते हैं। इसके बाद ट्रेलर डरावनी दिशा में मुड़ जाता है, जहां लालची प्राणियों का एक समूह गांव में बहुत पहले बिसरा दी गई किसी चीज को फिर से हासिल करने में जुटा दिखता है। खौफ और कंपकंपी के माहौल से भरी यह कहानी, दर्शकों को भयावह जंगल, होश उड़ा देने वाली सुरंगों और एक उजाड़ गांव से गुजारते हुए सिहरन पैदा कर देने वाले सफर पर ले जाती है। क्या गौतम अपने परिवार को बचा पाएंगे और उस डरावने गांव से जीवित बच निकलेंगे? धड़कनें बढ़ाने वाला यह ट्रेलर न सिर्फ दर्शकों को मारे डर के अपने नाखून चबाने पर मजबूर कर देता है, बल्कि सीरीज के प्राइम वीडियो पर 24 नवंबर को होने जा रहे लॉन्च को लेकर उनकी उत्सुकता भी बढ़ाता है।

रूबीना और अभिनव सातवें आसमान पर

टीवी की संस्कारी बहू यानि की एक्ट्रेस रूबीना दिलाइक और उनके पति अभिनव शुक्ला इस समय सातवें आसमान पर हैं । यह कपल जल्द ही अपने पहले बच्चे का स्वागत करने वाला है। जब से रूबीना ने अपनी गर्भावस्था की खबर की घोषणा की है, तब से वह मैटरनीटी फैशन गोल्स दे रही हैं। रूबीना ने अपने इंस्टा अकाउंट पर मैटरनीटी फोटोशूट की कुछ तस्वीरें शेयर की हैं जो इस समय चर्चा में हैं। प्रेग्नेंसी अनाउंसमेंट के बाद से ही वह कुछ बेहतरीन फोटोशूट करवाकर तस्वीरें शेयर कर रही हैं और फिर से रूबीना ने कुछ ऐसा ही किया है। उनकी नई फोटोज इंटरनेट पर तहलका मचा रही हैं।

दीपिका ने ट्रोलिंग पर रखी खुलकर अपनी राय

हाल ही में एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण ने ट्रोलिंग पर खुलकर अपनी राय रखी है। हालिया इंटरव्यू में दीपिका ने खुलासा किया कि जब मैं किसी चीज के बारे में बहुत दृढ़ता या जुनून महसूस करती हूं, तो मैं खुद को अभिव्यक्त करने के बारे में दो बार नहीं सोचती। मैं ऐसी व्यक्ति बन गई हूं, जहां मैं सच बोलने या गलतियां स्वीकार करने से नहीं डरती हूं। मैं सॉरी कहने से नहीं डरती हूं। वर्क फ्रंट की बात करें तो दीपिका पादुकोण को आखिरी बार फिल्म जवान में में देखा गया था। अब एक्ट्रेस जल्द ही साउथ सुपरस्टार प्रभास की फिल्म कल्कि 2898 एडी में नजर आएंगी। बता दें कि एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण बॉलीवुड की जानी-मानी एक्ट्रेसेस में से एक हैं। हालांकि, कई बार अपने काम और पर्सनल लाइफ को लेकर ट्रोल भी हो चुकी हैं।

'कॉफी विद करण' में ऐश्वर्या का जिक्र करने पर ट्रोल होने के बाद इमरान हाशमी ने दी सफाई

अपनी छवि के कारण हमेशा विवादों और चर्चा में रहने वाले इमरान हाशमी इस समय एक अलग कारण से चर्चा में हैं। हाल ही में इमरान ने एक इंटरव्यू के दौरान अपने एक पुराने विवादित बयान पर बयान दिया है। कॉफी विद करण में इमरान को बॉलीवुड एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय को लेकर दिए गए बयान की वजह से काफी ट्रोल किया गया था। शो के रैपिड फायर राउंड में 9 साल पहले करण के सवालों का जवाब देते समय इमरान हाशमी ने दो बार ऐश्वर्या का जिक्र किया था। सवाल था, आप अभिषेक बच्चन से क्या चुराना चाहेंगे? करण के इस सवाल पर इमरान ने अभिषेक की पत्नी यानी ऐश्वर्या का नाम लिया और साथ ही ऐश्वर्या की तुलना प्लास्टिक से कर दी। बेशक ये सारी मौज-मस्ती करण के तोहफे के लिए ही थी, लेकिन उस वक्त इमरान को इस जवाब की वजह से काफी ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा था। इस बारे में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा, इस तरह की चीजें आपके दुश्मन बढ़ाती हैं और उन चीजों से निपटना बहुत मुश्किल होता है। अगर मैं अभी कॉफी विद करण में जाता हूं तो भी इस तरह का विवादित बयान देकर और अधिक भ्रम पैदा करूंगा। मेरी इंडस्ट्री में किसी से कोई दुश्मनी नहीं है, मुझे बस उस शो से वो तोहफा चाहिए और इसीलिए मुझे ऐसे अजीब जवाब देने पड़ते हैं। जब इमरान हाशमी ने ऐश्वर्या राय की तुलना प्लास्टिक से की थी तो उन्हें काफी ट्रोल किया गया था और इसके लिए उन्हें सार्वजनिक रूप से माफी भी मांगनी पड़ी थी। उस वक्त इमरान ने कहा था, मेरा किसी को ठेस पहुंचाने का कोई इरादा नहीं था मैं खुद ऐश्वर्या का फैन हूं। यह उन चैटशो का तरीका है, आपको ऐसे ही जवाब देना होगा या आपको उपहार नहीं मिलेगा। मैं ऐश्वर्या के काम का बहुत सम्मान करता हूं।

सूडोकु नवताल- 6616

★☆☆☆☆ सरल

7	8				2	6		3
			4					
1	3	5		8				
	2			1			7	8
6	7			9			2	
				6		5	9	2
					3			
2		8	5				6	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6615 का हल

4	3	2	9	5	6	1	7	8
6	8	5	7	1	4	9	2	3
9	1	7	3	8	2	4	5	6
3	4	8	6	2	7	5	1	9
5	6	1	8	4	9	2	3	7
2	7	9	5	3	1	6	8	4
1	9	3	4	7	5	8	6	2
8	2	4	1	6	3	7	9	5
7	5	6	2	9	8	3	4	1

शब्दजाल - 7363

श	रा	ज	ग	म	गा	ह	ट	झ	क	चि
छ	च	र	ह	रिं	लै	ता	दि	शा	को	क
ट	र	ह	झि	दा	चि	सिं	बे	ला	ल	ना
प	म	दा	च	ल	क	ड़	हा	दा	र	ह
ट	रा	र	ष	हा	मि	री	चि	स	र	ट
ह	ह	प	व	दा	ह	ला	ती	ड़	न	ती
ट	ट	बु	अं	र	म	ट	ह	ला	ह	क
बा	जी	वा	ला	क	छ	सौ	न	ट	जू	ट
स	थो	तें	व	ह	ज	दा	ने	दा	र	द
र	ल	प	ति	रं	ट	ऐ	बें	न	रु	थो
त	ड़	पा	ह	ट	ख	बौ	ख	ला	ह	ट

शब्द जाल में ऐसे 10 शब्द ढूंढिए जिनके पीछे 'हट' शब्द लगा हो. शब्द उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

छटपटाहट, जगमगाहट, चिकनाहट, झिलझिलाहट, चहचहाहट, चरमराहट, चिड़चिड़ाहट, तड़पाहट, बौखलाहट, बुलाहट

शब्दजाल - 7362 का हल

प्र	अ	मे	क	ए	का	धि	का	र	प	गो
न	को	क	म	इं	डे	ने	ग	ति	मा	ला
अ	दा	र	ला	मा	ग	अं	द	ह	प	का
जी	ग	ल	का	जा	न	स	ध	ह	लि	र
त	अ	अ	र	न	न	मे	ह	का	न	दे
अ	ना	का	र	व	प	का	त	ह	र	बां
ग	मा	ल	मा	व	अ	ला	र	मा	न	ग
र	न	भा	र	न	प	स	रा	ल	वि	ला
क	न	बा	अ	लं	का	र	ह	न	जू	दे
र	का	ति	मा	न	सिं	ब्रा	रु	का	प	श
बां	र	ल	प	रु	स	स	त्ता	प	र	र

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6316

1		5		3		2
	32	7	32		30	
3		4	6			7
	22		37	7	39	
4		2			1	5
	34		34	5	28	
7		6	3		2	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6315 का हल

2	3	4	5	6	7	1
6	28	1	36	2	30	4
3	4	5	6	7	1	2
7	36	2	37	3	25	6
4	5	6	7	1	2	3
5	33	7	37	4	33	5
1	2	3	4	5	6	7

Jagrutidaur.com, Bangalore

बाबर तोड़ सकता है विराट का 50 शतक का रिकॉर्ड: अकमल वायरल वीडियो में सामने आए पाकिस्तानी दिग्गज क्रिकेटर के बड़े बोल

नई दिल्ली ।

वर्ल्डकप 2023 में विराट कोहली ने प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में 90.68 के जबर्दस्त औसत से 711 रन बनाने के साथ ही मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर के 49 वनडे शतक के रिकॉर्ड को भी तोड़ा है। लेकिन अब विराट के इस रिकार्ड को भी तोड़ने का दावा किया जा रहा है। यह दावा और कोई नहीं बल्कि पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर कामरान अकमल द्वारा किया जा रहा है। उनके इस बड़बोलेनपल का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। भले ही विराट को 50 वनडे शतक का रिकॉर्ड बनाए एक हफ्ता भी नहीं हुआ लेकिन क्रिकेट जगत में इस बात की चर्चा शुरू हो गई है कि सचिन का रिकॉर्ड विराट ने तोड़ा, अब विराट का रिकॉर्ड कौन तोड़ सकता है ईमानदारी से कहें तो हाल फिलहाल में कोई बैटर ऐसा करता नजर नहीं आता। मौजूदा समय में क्रिकेट खेल रहे बैटरों के वनडे शतक के मामले में विराट के बाद रोहित शर्मा (31 शतक), डेविड वॉर्नर (22) और क्विंटन डिकॉक (21) का स्थान आता है लेकिन रोहित और वॉर्नर का इंटरनेशनल क्रिकेट करियर जहां अंतिम दौर में है। डिकॉक तो वर्ल्डकप के बाद वनडे इंटरनेशनल से संन्यास का ऐलान भी कर चुके हैं। वैसे भी विराट और इन तीनों बैटरों के शतकों में इतना बड़ा अंतर है कि इनमें से किसी के इस रिकॉर्ड को तोड़ना बेहद मुश्किल है।

विराट का वनडे में 50 शतक का रिकॉर्ड तोड़ने को लेकर पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर कामरान अकमल ने कहा है कि बाबर आजम ऐसा कर सकते है। मीडिया से बात करते हुए अकमल ने कहा, 'वो रिकॉर्ड टॉप -3 (बैटिंग) वाले ही तोड़ सकते हैं। डिल ऑर्डर बैट्समैन नहीं तोड़ पाएगा। हमारे पास बाबर आजम है वो कर सकता है, वह टॉप 3 में खेलता है। उनके पास अभी (शुभमन) गिल है, वह इस रिकॉर्ड के पीछे लग सकता है।' 41 वर्षीय कामरान पाकिस्तान के लिए 53 टेस्ट, 157 वनडे और 58 टी 20 खेले हैं। बता दें कि कामरान भले ही बाबर और गिल को विराट के रिकॉर्ड को तोड़ने का दावेदार मान रहे हों लेकिन फिलहाल तो ऐसा संभव नहीं लगता। इसकी वजह यह है कि 29 साल के हो चुके बाबर के नाम इस समय 117 वनडे में 19 शतक हैं, विराट के रिकॉर्ड को तोड़ने के लिए उन्हें थोड़े बहुत नहीं बल्कि 32 शतक की और जरूरत होगी। एक तथ्य यह भी है कि विराट इस समय इंटरनेशनल क्रिकेट में खेल रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

बाहर होने और आश्चर्यजनक परिणाम के बीच ताकतवर और कमजोर एक संख्या में

नई दिल्ली। भारत में खेला जा रहा वनडे वर्ल्ड कप-2023 अपने अंतिम पड़ाव पर है। रविवार को भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खिताबी मुकाबला खेला जाएगा। वहीं, बड़ी उम्मीदों और आकांक्षाओं के साथ भारत आई कई क्रिकेट टीमों के लिए टूर्नामेंट में सफर अच्छा नहीं रहा जिसमें सबसे बड़ा नाम गत चैंपियन इंग्लैंड का था, जो नॉकआउट चरण में भी जगह नहीं बना पाई। वर्ल्ड कप 2023 का चैंपियन कौन होगा, इस सवाल का जवाब एक दिन बाद मिल जाएगा। अब जब टूर्नामेंट अपने अंतिम चरण में आगे बढ़ रहा है, तो आइए उन टीमों के प्रदर्शन पर करीब से नज़र डालें जो इस बार ट्रॉफी पर कब्जा जमाने से चूक गए। पाकिस्तान विश्व कप में पाकिस्तान को कई झटके लगे। न तो टीम की गेंदबाजी में धार नजर आई और ना ही उनके बल्लेबाजों ने दमखम दिखाया। वहीं, बाबर आजम की न तो कप्तानी चली और ना ही बल्ला। हालांकि, टूर्नामेंट में वापसी करते हुए पाकिस्तान सेमीफाइनल के करीब तो आई लेकिन अंतिम दिनों में हार के साथ सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हो गई। 1992 के चैंपियन ने नीदरलैंड और श्रीलंका पर दो शानदार जीत के साथ टूर्नामेंट की शुरुआत की। लेकिन फिर लगातार चार हार ने पाकिस्तान की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। अंतिम समीकरण में पाकिस्तान ऐसी स्थिति में पहुंच गई जहां उन्हें सेमीफाइनल में जगह पक्की करने के लिए ईडन गार्डन्स में इंग्लैंड के खिलाफ एक बड़ी जीत हासिल करने की जरूरत थी। हालांकि, वो समीकरण बेहद पेचीदा था और इस मुकाबले में भी पाकिस्तान को हार मिली। पाकिस्तान को सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करने के लिए असंभव परिदृश्यों का सामना करना पड़ा। जहां उन्हें पहले बल्लेबाजी करते हुए लगभग 287 रनों से जीत हासिल करनी थी या पीछा करते समय 284 गेंद शेष रहते जीत हासिल करनी थी। दोनों कार्य टीम के लिए चुनौतीपूर्ण और लगभग नामुमकिन थे । पाकिस्तान के सेमीफ़ाइनल से बाहर होने का मतलब है कि उन्होंने 1999 में ऑस्ट्रेलिया से फ़ाइनल हारने के बाद से केवल एक विश्व कप सेमीफ़ाइनल 2011 में खेला है। उनका हाल ही में सेमीफाइनल से बाहर होना पिछले कुछ दशकों में टूर्नामेंट के इस चरण में उनकी सीमित उपस्थिति को दर्शाता है। अफगानिस्तान इस साल के विश्व कप में अफगानिस्तान का अभियान यादगार रहा, क्योंकि उन्होंने इस विश्व कप के पहले बड़े उलटफेर में इंग्लैंड पर 69 रनों की शानदार जीत दर्ज की। अफगानिस्तान ने क्रिकेट विश्व कप में 14 मैचों की हार का सिलसिला खत्म कर दिया। 2019 के आयोजन में जीत न पाने के बाद, उन्होंने गत चैंपियन को हराने के लिए कौशल और चतुराई के मिश्रण का उपयोग करके इंग्लैंड के खिलाफ स्थिति बदल दी।

रोहन बोपन्ना ने एटीपी फाइनल्स में रचा इतिहास, मैथ्यू एबडेन के साथ अंतिम-4 में पहुंची

नई दिल्ली । भारतीय टेनिस स्टार रोहन बोपन्ना और ऑस्ट्रेलिया के उनके जोड़ीदार मैथ्यू एबडेन वेस्ले

कूलहोफ और नील स्कूपस्की की जोड़ी को सीधे सेटों में हराकर एटीपी फाइनल्स पुरुष युगल स्पर्धा के सेमीफाइनल में पहुंच गए। बोपन्ना-एबडेन की जोड़ी ने 84 मिनट तक चले रेड ग्रुप क्वालिफिकेशन निर्णायक मुकाबले में कूलहोफ (नीदरलैंड) और स्कूपस्की (ब्रिटेन) पर 6-4, 7-6 से जीत दर्ज की। भारत और ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ियों की तीसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी ने दमदार खेल का प्रदर्शन करते हुए अपनी सर्विस पर लगभग 88 प्रतिशत अंक (40 में से 35) बनाए। मौजूदा सत्र में टूर स्तर पर 40वीं जीत दर्ज करने वाले बोपन्ना और एबडेन की जोड़ी के साथ रेड ग्रुप से गत चैंपियन राजीव राम और जो सैलिसबरी की जोड़ी ने नॉकआउट के लिए क्वालीफाई किया। बोपन्ना इस सप्ताह की शुरुआत में 43 साल की उम्र में इस टूर्नामेंट के मुकाबले में जीत दर्ज करने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बने थे।

पहले उड़ाया अंग्रेजी का मजाक अब शमी की दीवानी हुई अभिनेत्री

मुंबई । अभिनेत्री से नेता बनीं पायल घोष भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद शमी को लेकर अपने पोस्ट को

लेकर लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। वह एक के बाद एक पोस्ट शेयर कर फैंस का दिल जीत रही हैं। विश्व कप में शानदार प्रदर्शन कर रहे गेंदबाज को लेकर अब पायल घोष का नया ट्वीट सामने आया है। पोस्ट में पायल ने शमी को बधाई देकर अपने दिल की बात कही है। बता दें कि वर्ल्ड कप 2023 के सेमीफाइनल में टीम इंडिया ने शानदार प्रदर्शन कर न्यूजीलैंड को हरा दिया। इस मैच के दौरान क्रिकेटर मोहम्मद शमी ने तूफानी गेंदबाजी कर 7 विकेट लिए और इतिहास रच दिया। इस समय शमी की हर स्तर से सराहना हो रही है। इसके बाद पायल घोष भी उनकी फैन बन चुकी हैं। शादी का प्रस्ताव भेजने के बाद पायल ने एक नया पोस्ट शेयर कर उनकी तारीफें कीं।

22 गज की वो पट्टी तेज गेंदबाजों के लिए फायदेमंद साबित होगी

दुनिया के सबसे बड़े मैदान नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होगा महाघमासान

नई दिल्ली ।

वर्ल्ड कप का आखिरी मुकाबला रविवार 19 नवंबर को होने जा रहा है। मैच की तैयारी अब अपने आखिरी छोर पर है। मेगा इवेंट के लिए दोनों फाइनलिस्ट तय हो चुके हैं। जानकार बता रहे हैं कि 22 गज की वो पट्टी तेज गेंदबाजों के लिए फायदेमंद साबित होगी। क्योंकि भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 19 नवंबर को दुनिया के सबसे बड़े मैदान नरेंद्र मोदी स्टेडियम में महाघमासान होगा। बता दें कि इस खिताबी जंग में उस 22 गज की पट्टी को लेकर खूब चर्चा होगी जो वर्ल्ड चैंपियन देने वाली है। भारत बनाम न्यूजीलैंड के बीच हुए सेमीफाइनल मैच में पिच एक बड़ा मुद्दा रहा है। अहमदाबाद के इस मैदान की पिच के मिजाज की बात करें तो नरेंद्र मोदी स्टेडियम में अभी तक इस वर्ल्ड कप में 4 मुकाबले खेले जा चुके हैं। जिसमें अभी तक कोई भी टीम 300 का आंकड़ा नहीं छू पाई है। इन 4 मुकाबलों में जिस टीम ने इस मैदान पर सबसे ज्यादा स्कोर खड़ा किया वो ऑस्ट्रेलिया ही है। कंगारू टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ 286 रन ठोके थे और शानदार जीत दर्ज की थी। वहीं, टीम इंडिया की बात करें तो भारत ने पाकिस्तान को इस मैदान पर टक्कर दी थी। भारत ने पाक को महज 191 रन पर समेट दिया था और 183 गेंद में ही जीत दर्ज कर ली थी। अब अंदाजा लगाया जा रहा है कि इस पिच पर गेंदबाजों और बल्लेबाजों दोनों को ही मदद मिलती है। अहमदाबाद की पिच दोनों टीमों के लिए बराबरी की मददगार साबित हो सकती है। इस पिच पर नई गेंद से तेज गेंदबाजों को फायदा मिलता है। ऐसे में टीम इंडिया में तेज गेंदबाजों की तिकड़ी ऑस्ट्रेलिया के लिए बड़ी चुनौती साबित हो सकती है। वहीं, ऑस्ट्रेलिया के पास स्टार्क, कमिंस और हेजलवुड भारत को नुकसान पहुंचा सकते हैं। कुछ समय के बाद अहमदाबाद की पिच स्पिनर्स के लिए मुफीद रहती है। पाकिस्तान के खिलाफ स्पिनर्स समेत भारत के 5 गेंदबाजों ने 2-2 विकेट अपने नाम किए थे। वहीं, ऑस्ट्रेलिया की तरफ से इंग्लैंड के खिलाफ इस पिच पर एडम जाम्पा ने 3 विकेट झटके थे जबकि 3 तेज गेंदबाजों के खाते में 2-2 विकेट आए थे।

अगर भारतीय बल्लेबाज ज़म्पा को अच्छी तरह से खेलते हैं तो मैक्सवेल को बहुत अच्छी गेंदबाजी करनी होगी : इयान चैपल

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान इयान चैपल का मानना है कि अगर भारतीय बल्लेबाज लेग स्पिनर एडम ज़म्पा को संभालने में सक्षम हैं तो रविवार को नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होने वाले पुरुष एकदिवसीय विश्व कप फाइनल में ग्लेन मैक्सवेल को बहुत अच्छी गेंदबाजी करनी होगी। ज़म्पा ने रविवार के फाइनल में टूर्नामेंट के दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज के रूप में प्रवेश किया, उन्होंने 21.40 की औसत और 5.47 की इकॉनमी रेट से 22 विकेट लिए। दूसरी ओर, मैक्सवेल का इकॉनमी रेट 4.72 रहा है और उन्होंने सितंबर में राजकोट में भारत के खिलाफ शानदार 4-40 का विकेट आंकड़ा भी हासिल किया था। चैपल ने वाइड वर्ल्ड ऑफ स्पोर्ट्स से कहा,भारतीय स्पिन को बहुत अच्छा खेलते हैं और मुझे लगता है कि अगर वे समझदारी से खेलते हैं तो वे शायद ज़म्पा को बहुत अच्छी तरह से संभाल लेंगे, जिसका मतलब है कि मैक्सवेल को वास्तव में अच्छी गेंदबाजी करनी होगी। मुझे लगता है कि मैक्सवेल की गेंदबाजी अब तक बहुत अच्छी रही है, लेकिन उन्हें ऐसा करना होगा भारत के खिलाफ उस स्तर को बनाए रखें। मुझे लगता है कि अगर भारतीय ज़म्पा पर हावी हो जाते हैं, तो इसका मतलब होगा कि मैक्सवेल को वास्तव में अच्छी गेंदबाजी करनी होगी। मैक्सवेल की पार्ट टाइम ऑफ-स्पिन गेंदबाजी के बारे में आगे बात करते हुए चैपल ने कहा, मुझे लगता है कि यह उनकी गेंदबाजी का एक बड़ा हिस्सा है, उन्होंने इसमें जो विचार डाला है, वह महत्वपूर्ण हो सकता है। इसलिए वह महत्वपूर्ण हो सकते हैं, खासकर अगर भारतीय ज़म्पा को पकड़ लेते हैं; वे दूसरे छोर पर वास्तव में मुझे मैक्सवेल से कुछ चाहिए होगा। तेज गेंदबाजी के मामले में जोश हेजलवुड टूर्नामेंट में ऑस्ट्रेलिया के सर्वश्रेष्ठ तेज गेंदबाज रहे हैं, जिन्होंने 27.78 की औसत और 4.67 की इकॉनमी रेट से 14 विकेट लिए हैं। मिचेल स्टार्क ने 36.38 की औसत और 6.14 की इकॉनमी रेट से 13 विकेट लिए हैं, जबकि कप्तान पैट कमिंस ने 37 की औसत और 6.05 की इकॉनमी रेट से 13 विकेट हासिल किए हैं। चैपल ने निष्कर्ष निकाला, ऑस्ट्रेलिया की ताकत उनकी तेज गेंदबाजी है। इसलिए अगर आपको स्टार्क, कमिंस और हेजलवुड से सर्वश्रेष्ठ मिलता है, तो यह एक बहुत अच्छी शुरुआत है। अगर आपको ज़म्पा से अच्छी गेंदबाजी मिलती है।

शमी और गिल दोनों ही ऑस्ट्रेलिया को परास्त करने का रखते हैं दम

नई दिल्ली ।

भारतीय टीम की जीत को अपनी आंखों से देखने वाले कह रहें हैं कि भारत के दो खिलाड़ी शमी और गिल ऑस्ट्रेलिया को परास्त करने का दम रखते हैं। बाकी टीम तो मजबूत है ही, इसलिए वर्ल्ड कप की ट्रॉफी भारत के हिस्से में आने वाली है। गौरतलब है कि वर्ल्ड कप के पहले सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड को हराकर फाइनल में एंट्री कर ली है। वहीं दूसरी ओर ऑस्ट्रेलिया ने साउथ अफ्रीका को हराकर फाइनल में जगह बना ली है। इसका अंदाजा लगाना मुश्किल है कि कौन सी टीम इस साल की चैंपियन बनने वाली है। लेकिन कहीं ना कहीं टीम इंडिया का पलड़ा यहां भारी है। जानकार बता रहे हैं कि मोहम्मद शमी और शुभमन गिल इस मुकाबले में अच्छा परफॉर्म कर सकते हैं। क्योंकि नरेंद्र मोदी स्टेडियम में अक्सर इन दो प्लेयर्स का जलवा देखने को मिलता है।

बता दें कि गुजरात टाइटंस के 2 खिलाड़ी इस साल भारत के स्क्वॉड का हिस्सा है। भले ही हार्दिक पंड्या टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं इसलिए लिस्ट में शामिल नहीं हैं। गुजरात टाइटंस की टीम का होम ग्राउंड अहमदाबाद का नरेंद्र मोदी स्टेडियम है और भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया का फाइनल मैच भी यही खेला जाएगा। ऐसे में मोहम्मद शमी और शुभमन गिल इस मैदान में शानदार परफॉर्म कर सकते हैं। वह इस विश्व कप में भी लय में दिखे हैं। साल 2023 के आईपीएल की बात करें तो इस साल शमी ने नरेंद्र मोदी स्टेडियम में 8 मैचों में 17 विकेट लिए हैं। इस दौरान उनकी इकॉनमी 7 के आस पास की रही है। वहीं विश्व कप में भी अब तक उनके नाम सबसे ज्यादा विकेट हैं। इसी तरह शुभमन गिल ने भी फॉर्म में वापसी कर ली है। आईपीएल 2023 में गिल ने नरेंद्र मोदी स्टेडियम में कुल 7 मैच खेले। इस दौरान उन्होंने 404 रन बनाए थे। औसत करीब 77 का रहा है।

ऑस्ट्रेलिया और द.अफ्रीका के खिलाफ सीरीज से बाहर हो सकते हैं हार्दिक पंड्या

मुंबई।

टीम इंडिया आईसीसी विश्वकप 2023 के बाद ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज खेलेगी। सीरीज में रोहित शर्मा, विराट कोहली और जसप्रीत बुमराह जैसे सीनियर प्लेयर्स को आराम दिया जा सकता है। पहले हार्दिक पंड्या इस सीरीज में टी20 टीम की कमान संभालने में सबसे आगे थे, लेकिन वह वर्ल्ड कप से बाहर हैं। अब खबर आ रही है कि वह नवंबर-दिसंबर में होने वाले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज और साउथ अफ्रीका के खिलाफ होने वाले टी20 सीरीज से भी बाहर हो सकते हैं।

रिपोर्ट के अनुसार पंड्या ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका के खिलाफ होने वाले टी20 सीरीज में नहीं खेल पाएंगे। वर्ल्ड कप में बांग्लादेश के खिलाफ मैच के दौरान वह गेंद रोकने के चक्कर में चोटिल हो गए थे, जिसके बाद उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा था। पंड्या उसके बाद भारत के लिए एक भी मैच नहीं खेले। इसके बाद उन्हें इलाज के लिए नेशनल क्रिकेट एकेडमी बेंगलुरु भेज दिया गया। 2 हफ्ते पहले पंड्या ने नेट्स में गेंदबाजी की थी। पहली 3 गेंद करने पर उन्हें किसी भी तरह की तकलीफ महसूस नहीं हुई थी। लेकिन चौथी गेंद करने पर पंड्या को एकंल में दर्द महसूस हुआ। पंड्या के चोटिल होने के बाद बीसीसीआई ने तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा को टीम में मौका दिया था। लेकिन उन्हें अब तक एक भी मैच में मौका नहीं मिला है।

टीम इंडिया की नई प्रैक्टिस जर्सी देख ममता ने लगाया भगवाकरण का आरोप

कोलकाता ।

भारतीय क्रिकेट टीम की प्रैक्टिस जर्सी के रंग को देखकर ममता बनर्जी नाराज हैं। उन्होंने इसमें बदलाव को भाजपा का सियासी कदम करार दिया है। उन्होंने भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर देश के सबसे लोकप्रिय खेल का भगवाकरण करने का प्रयास करने का आरोप लगाया है। उन्होंने इसको लेकर अपनी असहमति व्यक्त करते हुए कहा कि वे पूरे देश को भगवा रंग में रंगने की कोशिश कर रहे हैं। हमें अपने भारतीय खिलाड़ियों पर गर्व है और मुझे विश्वास है कि वे विश्व कप में विजेता होंगे, लेकिन भाजपा वहां भी भगवा रंग लेकर आए और हमारे लड़के अब भगवा रंग की जर्सी में अभ्यास करते हैं।

मेट्रो स्टेशनों को भगवा रंग से रंग दिया गया है। यह अस्वीकार्य है। मध्य कोलकाता के पोस्ता बाजार में जगद्धात्री पूजा की शुरुआत के मौके पर बनर्जी ने आरोप लगाया कि भाजपा ने न केवल क्रिकेट टीम की जर्सी में बल्कि मेट्रो स्टेशनों की पेंटिंग में भी भगवा रंग जोड़ दिया है। इस दौरान उन्होंने उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती पर भी कटाक्ष किया जिन्होंने अपनी मूर्तियां लगवाई थी।

भाजपा पर प्रहार करते हुए उन्होंने कहा कि राष्ट्र देश की जनता का है, न कि केवल एक पार्टी की जनता का। वहीं उनकी टिप्पणी पर भाजपा ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। भाजपा नेता राहुल सिन्हा ने कहा कि कुछ दिनों के बाद वह सवाल कर सकती हैं कि हमारे राष्ट्रीय ध्वज में भगवा रंग क्यों है। हम ऐसे बयानों पर प्रतिक्रिया देना भी उचित नहीं समझते हैं। ममता ने आगे कहा कि आप चीजों का नाम गुजरात, उत्तर प्रदेश या दक्षिण भारत के दिवंगत राजनीतिक नेताओं के नाम पर रख सकते हैं। मुझे इससे कोई समस्या नहीं है। लेकिन कुर्सी आती है और चली जाती है लेकिन लोगों के दिलों में रहना चाहिए।

पाकिस्तान की आशा, दुख और नेतृत्व चुनौतियों की कहानी

नई दिल्ली ।

जैसे-जैसे आईसीसी क्रिकेट विश्व कप 2023 पर धूल जम रही है, पाकिस्तान के अभियान की गूंज भावनाओं के बवंडर के साथ सुनाई दे रही है - 1992 के गौरव का अनुकरण करने की शुरुआती उम्मीदों से लेकर हार और नेतृत्व के कड़वे स्वाद तक। द मेन इन ग्रीन ने एक रोलरकोस्टर यात्रा शुरू की, जिसने प्रशंसकों, पंडितों और खिलाड़ियों को मैदान के अंदर और बाहर असंख्य चुनौतियों से जूझना पड़ा। एक कराहने की आवाज ने बाबर के नेतृत्व वाले पाकिस्तान विश्व कप के अंत को चिह्नित किया क्योंकि वे अपना आखिरी लीग मैच 93 रनों से एक ऐसी टीम से हार गए थे, जिसे सभी ने हराया था, लेकिन बांग्लादेश और नीदरलैंड ने भी समान रूप से दयनीय सीज़न का समापन किया। आईसीसी क्रिकेट विश्व कप 2023 में पाकिस्तान को अंडरडॉग के रूप में देखा जा रहा था, और बाबर आजम के आगे बढ़ने से उम्मीद थी कि वे सेमीफाइनल में पहुंचेंगे।

हालाँकि, मैदान के अंदर और बाहर समस्याओं के कारण मेन इन ग्रीन ने इसे बहुत देर से छोड़ा। नतीजे लाने के लिए दूसरी टीमों पर निर्भर रहना कभी भी अच्छा तरीका नहीं है और शायद खिलाड़ी इसे अपना लेंगे।

2023 विश्व कप की शुरुआत में दो जीत के साथ, पाकिस्तान का आत्मविश्वास काफी बढ़ा हुआ था। रिकॉर्ड लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका को हराना बहुत बड़ी उपलब्धि थी। हालाँकि, बाबर की टीम अपने विश्व कप इतिहास में पहली बार लगातार चार गेम हार गई, क्योंकि उन्होंने तेजी से लय खो दी। लगातार दूसरे विश्व कप में पाकिस्तान की टीम पांचवें स्थान पर रही और कई बार ऐसा लगता है कि वे मुश्किल में फंस गए हैं। पाकिस्तान के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने अपना पद छोड़ दिया है. शान मसूद अब टेस्ट क्रिकेट में कप्तानी की कमान संभालेंगे और बाबर आजम की जगह शाहीन आफरीदी ट्वेंटी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में कप्तानी करेंगे। पाकिस्तान के विश्व कप से जल्दी बाहर होने के परिणामों को कभी भी निर्धारित या अनुरूप नहीं किया जा सकेगा, खासकर तब जब बोर्ड खुद दो प्रतिद्वंद्वी राजनीतिक गुटों के बीच एक हास्यास्पद सत्ता संघर्ष में उलझा हुआ है, जो पाकिस्तानी क्रिकेट की तुलना में अपने लिए अधिक सोचते हैं। यह

अभियान के बीच में पीसीबी द्वारा जारी एक बयान से स्पष्ट था, जिसने मुख्य चयनकर्ताओं इंजमाम-उल-हक और बाबर को अनिवार्य रूप से परेशान कर दिया था। उस समय टीम विशेष रूप से निम्न स्थिति में थी। वे यह भी वादा करेंगे कि आगे देखते हुए, बोर्ड पाकिस्तान क्रिकेट के सर्वोत्तम हित में निर्णय लेगा और टीम को एक साथ रखते समय किए गए किसी भी परिचालन निर्णय से खुद को अलग कर लेगा। पाकिस्तान का स्पिन आक्रमण भयानक था, होमवर्क नहीं था, भले ही 2019 विश्व कप के बाद भारत की परिस्थितियों के लिए उपयुक्त स्पिन आक्रमण विकसित करने के लिए काफी समय था। शादाब खान रोजाना हताहत होने वाले व्यक्ति नहीं हैं, मीर अनुभवहीन और सुस्त था। मीर की इकॉनोमी दर सात से अधिक थी और चार मैचों में केवल चार विकेट थे, सभी 62.00 की दयनीय दर पर। छह मैचों में से, शादाब केवल दो विकेट लेने में सफल रहे। वह इकॉनोमी में छह से अधिक थे। ऑलराउंडर मुहम्मद नवाज़ ने अपने बाएं हाथ के स्पिन के साथ 111.50 की औसत से 5.89 के इकोनॉमी रेट से गेंदबाजी की। विकेटों के बारे में भूल जाओ; स्पिन इकाई के पास बचाने के लिए कोई रन भी नहीं था। जब अन्य विशिष्ट टीमों के पास स्पिन विभाग में कम से कम एक प्रमुख योगदानकर्ता है, तो इफ्तिखार अहमद जैसे अंशकालिक खिलाड़ी से कोई फर्क नहीं पड़ेगा। नसीम शाह की चोट के कारण पाकिस्तान की गेंदबाजी प्रभावित हुई, लेकिन मजबूत गति विभाग होने के बावजूद, वे धोखा देने में सफल रहे। जबकि शाहीन बाकियों में सबसे आगे रहे और उन्होंने 18 विकेट लिए, कुल मिलाकर यह विभाग निराशाजनक रहा। जैसे ही उन्होंने एक विश्व कप में सर्वाधिक रन देने का अवांछित रिकॉर्ड स्थापित किया, हारिस रऊफ को इच्छानुसार रन देने के लिए लूटा गया। 16 विकेट के साथ भी, उनकी 6.74 इकोनॉमी रेट एक महत्वपूर्ण कमी थी। हालाँकि दिल से गेंदबाजी करते हुए मोहम्मद वसीम एक अच्छा पहलू थे; फिर भी, लाइन-अप में उनका असंगत समावेश प्रतिकूल साबित हुआ। अपने पूरे अनुभव के बावजूद, हसन अली ने रन लुटाए, जिससे वह परेशान हो गए। इसके अतिरिक्त, पाकिस्तान पिछले दो विश्व कप एक विभाग में खराब क्षेत्ररक्षण के कारण हार गया, जिससे बहुत सारे रन लीक हो गए। इस बार भी, बाबर और उसके लोग सिटर्स को गिराने, सिंगल्स और टूज़ में कटौती करने में नाकाम रहने और बाउंड्री फील्डिंग करते समय अप्रभावी होने से परेशान थे। विश्व कप में अफगानिस्तान के शानदार प्रदर्शन को स्वीकार करते हुए, पाकिस्तान जीत का स्पष्ट पसंदीदा था। प्रशंसकों को पाकिस्तान से प्रतिक्रिया की उम्मीद थी, जो क्रमशः ऑस्ट्रेलिया और भारत के खिलाफ दो खराब प्रदर्शन के बाद मैच में उतरे थे।

लोक आस्था ही नहीं, परिजन स्वमिलन और स्वरोजगार का भी महापर्व है छठ

भारत विविधताओं का देश है, यहां हर पर्व-त्योहार बड़ी खुशी और उल्लास के साथ मनाया जाता है। जिसमें बिहार का सुप्रसिद्ध छठ, लोक आस्था का महत्वपूर्ण पर्व जो भारतीय लोक संस्कृति और परंपराओं का अनूठा महापर्व है। छठ हमारी लोक आस्था ही नहीं, स्वजनों का स्वमिलाप और स्वरोजगार का साधन भी है। जिसकी छाप छठ के छह दिनों में दिखती है, अब इसकी खनक विदेशों में भी देखने को मिलती है। सूर्योपासना का महत्वपूर्ण पर्व छठ अपनी सादगी, पवित्रता और पौराणिक लोक कथाओं के रूप में प्रचलित है। जिसमें भक्ति और आध्यात्म के लिए भव्य पंडाल से सुसज्जित मंदिर, साफ एवं सुंदर पोखर, तालाब, नदी का तट एवं आकर्षक मूर्ति की भी आवश्यकता होती है। जिसमें छठ पर्व के लिए बांस से बने सूप, अब पीतल का सूप, टोकरी, मिट्टी के बर्तन, गन्ने, गुड़, अरवा चावल, गेहूं के आटे से बना ठेकुआ, केला, सेव, संतरा, शरीफा, अमरूद, पानी फल सिंघारा, नींबू, नारियल, अनानास, सुथनी, शकरकंद, पत्ते वाली हल्दी, अदरक, चावल के आटे का पीट्ठा, पान का पत्ता, तुलसी, बद्धि, अलता, अक्षत, सिंदुर, घी, बाती, धूप, दिए आदि से सूर्यदेव को पहले संध्या बाद में सुबह का अर्घ्य लोकगीत के माधुर्य से सराबोर वातावरण के बीच दिया जाता है। जिसके लिए सामाजिक समरसता और पारिवारिक सौहार्द की भूमिका अहम होती है।

जाती है। लोक आस्था का यह महत्वपूर्ण पर्व मनाने के लिए प्रवासी भारतीय सहित घर से दूर-दराज के राज्य, प्रांत, देश, शहर, विदेश में रहने वाले परिजन जरूर घर आते हैं। जिससे उनके स्वजनों का स्वमिलाप का केंद्र बिंदु हो जाता है। सालभर पहले ही लोग प्लान कर छठ में घर आने की तैयारी में रहते हैं। दूसरी ओर यह महापर्व स्वरोजगार का भी बड़ा माध्यम है। बड़ा माध्यम इसलिए कहा जाता है कि छठ पर्व के निमित्त किसान, मजदूर, छोटे व्यापारी एक दो महीने पहले ही पूर्ण तैयारी के साथ उपरोक्त वर्णित साम्रगी की उपलब्धता के लिए जीतोड़ करते हैं। खासकर सुथनी सौरखा आदि के लिए किसान खेती कर लोग को ससमय उपलब्ध कराते हैं। बाजार में पान का पत्ता, अगरबत्ती की बिक्री लोग बोल बोलकर करते हैं। ठेला, रिक्शा, सड़क किराने फुटपाथ की दुकाने सजकर लोगो को छठ पर्व से संबंधित महत्वपूर्ण साम्रगी उपलब्ध कराते हैं। समाजनीति पर सार्थक चर्चा करने वाले शिक्षक कौशल किशोर क्रांति कहते हैं कि जो व्यक्ति वर्षभर बेरोजगार बैठे रहते हैं, उन्हे इन छह दिनो में व्यापक रोजगार मिलता है। चाहे वो साफ-सफाई हो, छठ का समान खरीद बिक्री का हो, पंडाल निर्माण का हो, मूर्ति निर्माण का हो, उन्हें किन्ही ना किन्ही रूप में रोजगार मिलता है। सुचिता एवं आस्था के चार दिवसीय महापर्व छठ की धूम मची हुई है। यह छठ सिर्फ बिहार की लोक संस्कृति का ही पर्व नहीं, बल्कि प्राचीन काल से ही गांव के लोकल फॉर वोकल होने का उत्सव भी है। एक अनुमान के मुताबिक छठ पर्व के दौरान श्रद्धालुओं द्वारा खर्च किए गए पैसे में से 50 प्रतिशत से अधिक सिर्फ गांव में पहुंचता है। उद्योगपतियों तक पहुंचता है तो सिर्फ रिफाइन, चीनी, सूखा मेवा एवं कुछेक श्रृंगार वस्तुओं पर खर्च की गई राशि ही। इसलिए एक ऐसा महापर्व है जो लोकल फॉर वोकल के सबसे प्राचीन उदाहरण है। यह एक ऐसी पूजा है जिसमें किसी पंडित की जरूरत नहीं होती है, जिसमें देवता प्रत्यक्ष हैं, डूबते सूर्य भी पूजे जाते हैं। व्रती-जाति समुदाय से परे हैं, केवल लोक गीत गाए जाते हैं। पकवान घर पर बनते हैं, घाटों पर कोई ऊंच-नीच नहीं है। एक समान प्रसाद अमीर-गरीब सभी श्रद्धा से ग्रहण करते हैं। सबसे बड़ी बात है कि सामाजिक सौहार्द, सद्भाव, शांति, समृद्धि और सादगी के इस महापर्व का बाजार गांव की वस्तुओं से सजता है। सिर्फ बेगूसराय जिले में इस महापर्व में 25-30 करोड़ का कारोबार होता है, जिसमें 15 करोड़ से अधिक रुपया गांव के गरीब और किसानों तक पहुंचता है। जिस पैसों से यह महापर्व उनके लिए आर्थिक समृद्धि का त्यौहार साबित होता है। किसानों द्वारा उपजाए जाने वाले सुथनी की भले ही आम दिनों में कोई पूछ नहीं हो, लेकिन छठ में यह डेढ़ सौ रुपए किलो बिक रहा है। हल्दी तो हल्दी, हल्दी के पत्ते भी किसानों को अतिरिक्त आय दे जाते हैं। बांस लगाने वाले किसान को भी इस पर्व का बेसब्री से इंतजार रहता है तथा मलिक समुदाय के लोग सूप एवं अन्य लोग डाला बनाने के लिए बड़ी संख्या में बांस खरीदते हैं। केराव (मटर), शरीफा, पानी फल सिंघारा, दीपक, अमरूद, केला, पान का पत्ता, फूल, माला, अदरक, मूली, गन्ना (ईंख), आम की लकड़ी, ओल, गुड़, डाभ नींबू, गोयठा तथा गाय का दुध भी किसी फैक्ट्री में नहीं बनता है, बल्कि गांव से ही आता है। इस वर्ष भी गांव से लेकर शहर तक का बाजार ग्रामीण उत्पादों से भर चुका है। कहीं सुथनी बिक रहा है तो कहीं ओल, अल्हुआ, गन्ना, हल्दी का पता, पानी फल सिंघाड़ा, चीनी का सांच आदि और तमाम जगहों पर लोगों की भीड़ जुटी हुई है। कुल मिलाकर लोक आस्था के महत्वपूर्ण महापर्व छठ को स्वमिलन और स्वरोजगार का भी केंद्र कहा जाए तो अतिशयोक्ति नहीं है। प्रवासी ट्रेन से भर-भर कर आ चुके हैं तो बाजार में लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी है।

छठ परंपराओं की सैलाब

महीनें पूर्व से मधुर गीत गुनगुनाती मां गेहूं बिनती
सुबह से शाम तक एकटक करती
गेहूं को स्वच्छता प्रदान करने में
मिट्टी के चूल्हे बनाने में जुटी रहती
जैसे कि उठी हो सुसंस्कृत परंपरा की ज्वार
छठ की धुन में व्यस्त हो उठे किसान-कुम्हार
बना रहे हैं चाक में आस्था के वर्तन
बुनकर भी टोकरी व सूप को दे रहे हैं अंतिम रूप
चारों दिशाएं छठ परंपरा की बयार में उठी है झूम
इधर आगाज हुआ नहाय -खाय की दिव्य परंपरा
गंगा - यमुना, ब्रह्मपुत्र के तट पर की भास्कर की हो रहीं है आराधना
प्रकृति के कद्दू- भात व चना दाल से
व्रतधारियों ने किया पारंपरिक सात्विक भोजन
भोर होते ही व्रतधारी आस्था के चादर लेपटी
मिट्टी के चूल्हे पर बना रही होती गुड़ की मीठी खीर
करती है संध्या में खरना से निर्जला व्रत की आरंभ
बनाने में लीन रहती पारंपरिक प्रसाद ठेकुआ
बांस की टोकरी व डाला में सज उठी नारियल,डाभा व ऋतुफल
भावनाओं की दीप व सिंदूर की आभा चमक रही है सूप में
संध्या में लाखों माताओं द्वारा सूर्य देव की आराधना में
नदियों के किनारे फैला हुआ प्रेम का सद्भाव आती है नजर
व्रतियों की अंजली से अर्पित नीर से
सूर्य देव का विदाई देते हुए
फिर भी इंतजार कर रहीं हैं भोर का लालिमा
आदित्य देव को अर्घ्य देने की है श्रद्धा में
छठ रगों में बसा हुआ प्रकृति की पूजा है
भक्ति, श्रद्धा, प्रेम,भावना व परंपराओं की
सैलाब है आस्था का महापर्व छठ

संतोष महतो
विश्वनाथ चाराली

महिला ही नहीं बल्कि पुरुषों के लिए भी जरूरी है स्किन केयर

जब भी हम स्किन केयर की बात करते हैं, हमारे दिमाग में सबसे पहले महिलाएं आती हैं। ऐसा माना जाता है कि स्किन केयर सिर्फ महिलाओं के लिए ही होता है, लेकिन ऐसा नहीं है। पुरुषों के लिए भी उनकी स्किन का ध्यान रखना उतना ही जरूरी है। प्रदूषण, मौसम, डाइट और उम्र का प्रभाव पुरुषों की त्वचा पर भी उतना ही पड़ता है, जितना महिलाओं की। हम समझ सकते हैं कि ज्यादा तामझाम वाला स्किन केयर फॉलो करना पुरुषों के लिए थोड़ा मुश्किल है। इसलिए हम उनके लिए बिल्कुल आसान स्किन केयर रूटीन लेकर आए हैं। आइए इंटरनेशनल मेन डे के अवसर पर जानते हैं कि कैसे पुरुष अपनी स्किन का ख्याल रख सकते हैं। चेहरे पर साबुन का इस्तेमाल करने से आपकी स्किन के नेचुरल ऑयल छिन सकते हैं। इसलिए जरूरी है कि आप एक जेंटल फेश वॉश का इस्तेमाल करें। इसके अलावा दिन में दो बार अपने चेहरे को धोएं, एक बार सुबह और एक बार शाम। ऐसा करने से आपकी त्वचा पर इकट्ठा हुई गंदगी साफ होगी और एक्ने होने का खतरा भी कम होगा। सभी की स्किन को मॉइस्चर की जरूरत होती है। इसलिए पुरुषों को भी दिन में कम से कम दो बार अपने चेहरे को धोने के बाद मॉइस्चराइज करना चाहिए। प्रदूषण और सर्दी आपकी त्वचा को रूखा बनाती है। इसलिए रोज मॉइसचराइजर का इस्तेमाल करें। सूरज की यूवी किरणें आपका लिंग पूछ कर नुकसान नहीं पहुंचाती हैं, इसलिए सन स्क्रीन सभी के लिए बहुत जरूरी है। बाहर निकलने से पहले सनस्क्रीन लगाना न भूलें, जिसका एसपीएफ 30 या उससे अधिक हो।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**